RNI NO. ASSHIN/2016/72966 PRATAH KHABAR, Jorhat, Monday, 1 June, 2026 वर्ष 23 अंक 32, जोरहाट, सोमवार 1 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष-15 मूल्य : दस रुपये पेज-12

गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

बेबी बॉस पर फिदा हुए क्रिकेट के भगवान -10

आर्थिक संकट में देश संभालना बड़ी जिम्मेदारी : मनोज बाजपेयी-12

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Monday, 1 June, 2026 वर्ष 23 अंक 32, गुवाहाटी, सोमवार 1 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष-15 मूल्य : दस रुपये पेज-12

सुप्रभातम्

सिर्फ खड़े होकर पानी देखने से आप नदी पार नहीं कर सकते, आपको कदम बढ़ाना होगा।

भारत-बांग्लादेश सीमा वार्ता दिल्ली में अगले सप्ताह

नयी दिल्ली, 31 मई (भा)। भारत और बांग्लादेश के बीच अगले सप्ताह नयी दिल्ली में द्विवार्षिक महानिदेशक स्तरीय सीमा वार्ता होने की उम्मीद है, जो इस साल की शुरुआत में ढाका में बीएनपी सरकार के सत्ता संभालने के बाद इस तरह की पहली बैठक होगी। सूत्रों के अनुसार सीमा पर बाड़ लगाने, बीएसएफ कर्मियों पर हमले, घुसपैठ और सीमा पार अपराधों पर रोक लगाने तथा अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को सौंपने से संबंधित मुद्दे वार्ता के एजेंडे का हिस्सा होने की संभावना है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के महानिदेशक मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज्जमां सिद्दीकी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल आठ से 11 जून के बीच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ वार्ता के लिए राष्ट्रीय राजधानी का दौरा कर सकता है। भारतीय पक्ष का नेतृत्व बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ और बीजीबी के महानिदेशक स्तर की वार्ता आठ से 11 जून के बीच दिल्ली स्थित बीएसएफ बेस में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच 11 जून को वार्ता से जुड़ा एक संयुक्त दस्तावेज हस्ताक्षरित किया जाएगा।

ट्विशा केस : सीबीआई के सवालों से घबरायीं पूर्व जज गिरिबाला

भोपाल, 31 मई (एजें)। अभिनेत्री ट्विशा शर्मा मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई ने पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह से पूछताछ के दौरान कई अहम बिंदुओं पर जवाब मांगे हैं। जांच का मुख्य फोकस कथित क्राइम सीन से छेड़छाड़, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित से जुड़े पहलुओं पर है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई की हिरासत में गिरिबाला सिंह ने एंग्जायटी और घबराहट की शिकायत की है। बताया जा रहा है कि वह लगातार बेचैनी की बात कहकर पूछताछ से बचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि सीबीआई की ओर से एक महिला डीएसपी उनसे लगातार पूछताछ कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी ने पूर्व जज से पूछा कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में लगाये गये गंभीर आरोपों पर उनका क्या स्पष्टीकरण है और शिकायतकर्ता पक्ष के आरोपों के बावजूद उनकी भूमिका को सीमित क्यों माना जाए? एजेंसी ने यह भी सवाल उठाया कि ट्रायल कोर्ट ने केस डायरी, शेष पृष्ठ आठ पर

अभिषेक बनर्जी पर हमले के मामले में 5 गिरफ्तार

कोलकाता, 31 मई (एजें)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई। ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती अभिषेक को जल्द डिस्चार्ज कराने के लिए भाजपा नेताओं और पुलिस ने दबाव बनाया। अभिषेक पर कल दक्षिण सोनारपुर में हमला हुआ था, जहां वे चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित कार्यकर्ताओं से मिलने गये थे। अभिषेक बनर्जी को अस्पताल से घर ले जाया गया है। ममता ने कहा कि अब फैमिली डॉक्टर की देखरेख में उनका इलाज होगा। हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। ममता भी उनसे मिलने शेष पृष्ठ आठ पर

मुख्यमंत्री ने राजनाथ, जयशंकर व सोनोवाल से की मुलाकात

रक्षा मंत्री से राज्य को आगे बढ़ाने के लिए मांगा मार्गदर्शन तो विदेश मंत्री से एक्ट ईस्ट पॉलिसी व जहाजरानी मंत्री से विकसित असम के लिए रोडमैप पर की चर्चा

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान केंद्र सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी को और मजबूत करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही पड़ोसी देशों के साथ व्यापार और पर्यटन संबंधों को बढ़ाने में असम की संभावित भूमिका पर भी विशेष बातचीत की गयी। मुख्यमंत्री ने इस व्यावहारिक और ज्ञानवर्धक बैठक की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा कि वैश्विक मामलों पर विदेश मंत्री का दृष्टिकोण और मौजूदा भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने का भारत का तरीका हमेशा से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने एक्ट ईस्ट पॉलिसी को मजबूत करने के लिए अपने विचार साझा करने पर विदेश मंत्री का आभार भी जताया, जो कि दक्षिण-पूर्व एशिया और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ भारत के संबंधों को गहरा करने की एक बेहद महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जतायी कि असम को आगे भी विदेश मंत्री का मार्गदर्शन मिलता रहेगा, ताकि राज्य पड़ोसी देशों के साथ व्यापार और पर्यटन संपर्कों को बढ़ावा देने में अपना योगदान दे सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि असम अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण पूर्वोत्तर और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब एक्ट ईस्ट ढांचे के तहत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, सीमा पार व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं और इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में असम से एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की शेष पृष्ठ आठ पर

लिपुलेख पर बालेन शाह का नया पैंतरा

भारत संग सीमा विवाद पर ब्रिटेन को मध्यस्थ बनाने को हैं इच्छुक

काठमांडू, 31 मई (एजें)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने आज कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। बालेन शाह पीएम बनने के 2 महीने बाद पहली बार नेपाली संसद को संबोधित कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस बारे में जानकारी मिली। दोनों देशों को मिलकर इस मामले की जांच करनी चाहिए। भारत-चीन के बीच लिपुलेख और लिम्पियाधुरा मार्ग से होने वाले व्यापार पर शाह ने कहा कि विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत से निकाला जाएगा। नेपाल इस मुद्दे पर भारत को राजनयिक नोट भेज चुका है और भारत की ओर से जवाब भी मिल चुका है। शाह ने कहा कि लिपुलेख विवाद शेष पृष्ठ आठ पर

बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार आज शपथ लेंगे 35 मंत्री

कोलकाता, 31 मई (भा)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आज घोषणा की कि उनके मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत कल 35 मंत्रियों को शपथ दिलायी जाएगी। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल आरएन रवि सुबह 11 बजे लोक भवन में शपथ दिलाएंगे। उन्होंने आज शाम को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कल पश्चिम बंगाल की जनता द्वारा चुनी गयी राष्ट्रवादी सरकार के पूर्ण मंत्रिपरिषद का गठन होगा। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार के तहत पश्चिम बंगाल सरकार के 35 मंत्री सुबह 11 बजे लोक भवन में शपथ लेंगे। राज्यपाल आरएन रवि लोक भवन में उन्हें पद की शपथ दिलाएंगे। भाजपा की विधानसभा चुनावों में शानदार जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत हुआ और नौ मई को शेष पृष्ठ आठ पर

पांच को होगा हिमंत मंत्रिपरिषद का विस्तार नये चेहरों को मिल सकती है जगह

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ऐतिहासिक जीत के बाद राज्य की राजनीति से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाले मंत्रिपरिषद का बहुप्रतीक्षित और पहला बड़ा विस्तार आगामी 5 जून को होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रीय स्तर पर इस महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम की पुष्टि की है। उन्होंने लिखा कि वह यह सूचित करते हुए बेहद प्रसन्न हैं कि असम सरकार के मंत्रिपरिषद का विस्तार 5 जून को किया जाएगा। पूर्वोत्तर की राजनीति के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे इस कैबिनेट विस्तार में नये चेहरों सहित करीब 10 से 12 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों और सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री इस बार अपने मंत्रिमंडल में कुछ नए और युवा चेहरों को शामिल कर सकते हैं, ताकि विकास कार्यों को और अधिक गति दी जा सके और क्षेत्रीय समीकरणों को साधा जा सके। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए असम विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर प्रचंड बहुमत हासिल कर इतिहास रचा था। इसके बाद 12 मई को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ केवल पांच मंत्रियों ने ही गोपनीयता की शपथ ली थी। उस मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री के अलावा असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा, भाजपा विधायक अजंता नेओग व रामेश्वर तेली और बीपीएफ विधायक चरण बोड़ो ही कैबिनेट का हिस्सा बने थे। राष्ट्रीय स्तर पर इस सरकार के महत्व का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उस शपथ ग्रहण समारोह में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजग शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों सहित देश के कई शीर्ष राजनीतिक नेता, उद्योगपति और विदेशी राजनयिक शामिल हुए थे। संवैधानिक नियमों के मुताबिक असम मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री को मिलाकर अधिकतम 19 मंत्री हो सकते हैं, ऐसे में होने वाले इस विस्तार के बाद डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की टीम का अंतिम स्वरूप सामने आ जाएगा, जिस पर पूरे देश की राजनीतिक गलियारों की नजरें टिकी हुई हैं।

असम विधानसभा महाघोटाला

एपीडब्ल्यू ने की पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ सबूतों के साथ उच्च स्तरीय जांच की मांग

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। असम विधानसभा में हुई भर्तियों, लैपटॉप और एसी चोरी के घोटालों को लेकर राज्यभर में मचे बवाल के बीच अब पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी के खिलाफ बेहद गंभीर और चौंकाने वाले आरोप सामने आये हैं। आज यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आसाम पब्लिक वर्क्स (एपीडब्ल्यू) के अध्यक्ष अभिजीत शर्मा और महासचिव ध्रुवज्योति तालुकदार ने इस पूरे मामले का पर्दाफाश किया। उन्होंने वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास से इस भ्रष्टाचार में शामिल सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष व गहन जांच कराने का पुरजोर अनुरोध किया है। संगठन के नेताओं ने दैमारी द्वारा अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान 36 बार विदेश यात्राएं करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि पूर्व अध्यक्ष ने जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे से ये तमाम विदेशी दौरे किये और महंगी वैनिटी गाड़ियां खरीदीं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र के मंदिर असम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया। संगठन का दावा है कि पूर्व अध्यक्ष के समय ओएसडी शेष पृष्ठ आठ पर

जांच के लिए होगा विशेष कमेटी का गठन : दास

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। असम विधानसभा सचिवालय में कथित रूप से हुई वित्तीय अनियमितताओं और विभिन्न गड़बड़ियों की जांच के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा। बरपेटा में इसकी घोषणा करते हुए विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने कहा कि पिछले कुछ समय के दौरान सचिवालय के भीतर कई तरह की वित्तीय विसंगतियां होने के गंभीर आरोप सामने आये हैं, जिसके बाद प्रशासन ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने का कड़ा फैसला लिया है। पत्रकारों से औपचारिक बातचीत के दौरान अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि उन्हें खुद विधानसभा सचिवालय के सूत्रों और कुछ ठेकेदारों की ओर से इन वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े प्रामाणिक शिकायत-पत्र प्राप्त हुए हैं। इन तमाम गंभीर शिकायतों की बारीकी से जांच करने के लिए उन्हें एक समर्पित विशेष टीम की आवश्यकता होगी, जिसके साथ शेष पृष्ठ आठ पर

मोदी ने लोगों से की भीषण गर्मी के बीच एहतियात बरतने की अपील

नयी दिल्ली, 31 मई (भा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में तापमान बढ़ने के मद्देनजर लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने की आज अपील की। मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में कहा कि लोगों को धूप में बाहर निकलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। अगर धूप में बाहर निकलना जरूरी हो, तो सावधानी और जरूरी एहतियात बरतें। उन्होंने कहा कि पानी पीते रहें। इस संबंध में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को भी न भूलें। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में तापमान बढ़ने के बीच पिछले बुधवार को भी नागरिकों से अत्यधिक सावधानी बरतने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसे कठोर मौसम में शरीर में पानी की कमी नहीं होने देना बहुत जरूरी है। मोदी ने फलों के राजा आम का भी उल्लेख करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में शायद ही कोई घर हो, जहां आम की चर्चा न होती हो। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र का अपना आम और उसकी अपनी सुगंध होती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का हापुस या अल्फांसो, गुजरात का केसर- ये तो आमरस की जान हैं। उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा। बिहार का जर्दालू जिसकी खुशबू दूर से पहचान में आ जाए। शेष पृष्ठ आठ पर

इस्राइल का लेबनान के 900 साल पुराने किले पर कब्जा, सैनिकों ने पहाड़ी पर फहराया झंडा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 31 मई (एजें)। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया है। इस्राइली अधिकारियों की ओर से रविवार को जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इस्राइली झंडे लहराते दिखाई दिये। इस्राइली रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि सेना ने आसपास के गांवों में कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कामयाबी हासिल की है। अल जजीरा के मुताबिक पिछले 26 साल में इस्राइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है। ब्यूफोर्ट किला 1982 से 2000 तक दक्षिणी लेबनान पर इस्राइली कब्जे के दौरान उसकी सेना का एक प्रमुख सैन्य अड्डा था। 700 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बने इस किले से दक्षिणी लेबनान के अलावा इजराइल के बड़े हिस्से पर नजर रखी जा सकती है। इसलिए इसका सैन्य महत्व बहुत ज्यादा माना जाता है। इस्राइल और

लेबनान के बीच 17 अप्रैल को सीजफायर का ऐलान हुआ था। इसके बावजूद इजराइल ने हमले जारी रखे हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस्राइल किसी संभावित अमेरिका-ईरान समझौते से पहले हिजबुल्लाह को अधिकतम नुकसान पहुंचाना चाहता है। इस्राइल ने साल 1982 में ब्यूफोर्ट किले पर कब्जा किया था। 18 साल बाद उन्होंने इसे वापस लेबनान को सौंप दिया था। इस्राइल ने साल 1982 में ब्यूफोर्ट किले पर कब्जा किया था। 18 साल बाद उन्होंने इसे वापस लेबनान को सौंप दिया था। ब्यूफोर्ट किले पर शनिवार को इस्राइल और गोलान ब्रिग्रेड का झंडा दिख रहा है। गोलान ब्रिग्रेड इस्राइल की सेना की सबसे पुरानी पैदल सेना (इंफैंट्री) यूनिट में से एक है। ब्यूफोर्ट किले पर कल इस्राइल और गोलान ब्रिग्रेड का झंडा दिख रहा है। शेष पृष्ठ आठ पर

जनरल सुब्रमणि ने ग्रहण किया भारत के नये सीडीएस का पदभार

नयी दिल्ली, 31 मई (भा)। पाकिस्तान और चीन संबंधी मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने आज भारत के नए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) के रूप में पदभार संभाल लिया। जनरल सुब्रमणि के सामने महत्वाकांक्षी सैन्य थिएटराइजेशन (सेना के तीनों अंगों की एकीकृत सैन्य कमान व्यवस्था) योजना को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय मजबूत करने की प्रमुख जिम्मेदारी होगी। जनरल सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान का स्थान लिया है, जिन्होंने कल देश के वरिष्ठतम सैन्य कमांडर के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया। जनरल सुब्रमणि इससे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। वह पिछले वर्ष 31 जुलाई को सेना के उप प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। पदभार संभालने के तुरंत बाद सैन्य अधिकारी ने कहा कि सशस्त्र बलों में बदलाव और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय एवं एकीकरण बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार उनकी प्राथमिकता होंगे। उन्होंने मीडिया के समक्ष जारी एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियारों के विकास, उन्हें शेष पृष्ठ आठ पर

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने संभाला नये नौसेना प्रमुख का कार्यभार

नयी दिल्ली, 31 मई (भा)। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने तेजी से बदलते क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा परिश्य के बीच आज भारत के नये नौसेना प्रमुख का पदभार संभाला। एडमिरल स्वामीनाथन ने एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया, जो सेवानिवृत्त हो गये हैं। एडमिरल स्वामीनाथन इससे पहले पश्चिमी नौसैन्य कमान के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत थे। नये नौसेना प्रमुख ने पत्रकारों के साथ बातचीत में क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण को चुनौतीपूर्ण, जटिल और अप्रत्याशित बताया तथा कहा कि उच्चतम अभियानगत तत्परता बनाये रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि भारतीय नौसेना देश के हितों की रक्षा के लिए हर समय सतर्क है और वह ऐसे क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण में सक्रिय रूप से तैनात है, जो लगातार चुनौतीपूर्ण, जटिल, अप्रत्याशित एवं अनिश्चित बना हुआ है। एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करने की होगी कि भारतीय नौसेना उच्चतम स्तर की अभियानगत तत्परता शेष पृष्ठ आठ पर

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में एसआईआर शुरू

नयी दिल्ली, 31 मई (एजें)। चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का तीसरा चरण शुरू कर दिया है। इन राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। निर्वाचन आयोग ने 14 मई को संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 की धारा 21 के तहत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में का आदेश दिया था। उसी प्रक्रिया के तहत अब ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई से एन्यूमरेशन फेज शुरू हो गया है। एसआईआर के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का वेरिफिकेशन करेंगे और फॉर्म जमा कराएंगे। आयोग ने कहा है कि 28 जून 2026 तक जिन लोगों के फॉर्म चुनाव पंजीकरण अधिकारी

(ईआरओ) को मिल जाएंगे, उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल किये जाएंगे। आयोग ने कहा है कि एसआईआर अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। 18 साल या उससे ज्यादा उम्र का हर भारतीय नागरिक, जो किसी कानून के तहत अयोग्य घोषित नहीं है, वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने का हकदार है। एन्यूमरेशन फेज के दौरान बीएलओ हर घर तक पहुंचेंगे। वे मतदाताओं को फॉर्म देंगे, भरे हुए फॉर्म जमा करेंगे और जानकारी का सत्यापन करेंगे। मतदाता चाहें तो फॉर्म को दे सकते हैं या ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं। आयोग ने बीएलओ को निर्देश दिया है कि वे घर-घर सर्वे के दौरान कम से शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 सत्ता की ठसक से बाहर नहीं निकल पा रहे ममता-अभिषेक

पेज : 8 तुंगभद्रा नदी में डूब रही लड़की को बचाने की कोशिश में पांच लोग डूबे

पेज : 9 शिक्षा मंत्री के काफिले से अलग होने के बाद भी नहीं हटायी लाल-नीली बत्ती

प्रातः खबर
सोमवार, 1 जून, 2026

सीबीएसई ओएसएम विवाद

छात्रों को उनके सवालों के बदले अपमान का सामना करना पड़ा : राहुल

नयी दिल्ली, 31 मई (भा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई ओएसएम विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर रविवार को निशाना साधा। उन्होंने छात्रों के साथ अपने संवाद का एक वीडियो साझा करते हुए उन्हें बहादुर युवा भारतीय बताया, जिन्होंने मोदी सरकार से सरल सवाल पूछे, लेकिन उन्हें बदले में जवाब के बजाय अपमान मिला। राहुल ने कहा कि छात्र उज्ज्वल भविष्य के हकदार हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें वह हासिल हो। कांग्रेस नेता ने संबंधित वीडियो एक्स पर साझा किया और कटाक्षपूर्ण लहजे में इसे साथी राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंट के साथ तथ्यों को सामने लाने वाली अपनी बातचीत करार दिया। राहुल ने लिखा कि वेदांत और उसके दोस्त प्रतिभाशाली, बहादुर युवा भारतीय हैं, जिन्होंने सीबीएसई और मोदी सरकार से सरल सवाल पूछे, लेकिन उन्हें बदले में जवाब के बजाय अपमान मिला। उन्होंने कहा कि ये लोग उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के हकदार हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें यह मिले। कक्षा 12 के छात्र वेदांत ने हाल में एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया था कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से अपलोड की गयी भौतिकी की उत्तर पुस्तिका उसकी नहीं थी। इसके बाद कई अन्य छात्रों ने भी सोशल मीडिया पर इसी तरह के दावे वाले पोस्ट किये। वीडियो में नेता प्रतिपक्ष, वेदांत एवं अन्य छात्रों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान उनकी परेशानियों के बारे में चर्चा करते नजर आ रहे हैं। इसमें वह मजाकिया लहजे में यह कहते दिखाई दे रहे हैं कि कैसे जायज चिंताओं और मुद्दों को उठाने के बाद छात्रों पर पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट होने का ठप्पा लगा दिया गया। सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर हुए विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए राहुल ने कहा कि आपलोग छात्र हैं। आप अपनी उत्तर-पुस्तिकाएं मांग रहे हैं, बस इतना ही।

त्रिपुरा में दो लाख सौर पैनल लगाने का लक्ष्य : खट्टर

अगरतला, 31 मई (भा)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने त्रिपुरा में बिजली और शहरी मामलों से जुड़े कार्यों की समीक्षा के लिए रविवार को एक बैठक की अध्यक्षता की और संबंधित अधिकारियों को राज्य संचालित संयंत्रों में बिजली वितरण में 26 प्रतिशत की हानि के बारे में सतर्क किया। खट्टर ने कहा कि त्रिपुरा में भविष्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए 2027 तक छतों पर दो लाख सौर पैनल स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य संचालित बिजली वितरण कंपनी को बिजली चोरी और अवैध कनेक्शन के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए तथा बिजली आपूर्ति एवं कनेक्शन (एटी एंड सी) संबंधी हानि को कम करने के लिए स्मार्ट मीटर लगाने चाहिए। खट्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ अगरतला में बिजली और आवास एवं शहरी मामलों के विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन और राज्य के बिजली क्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के कार्यान्वयन, स्मार्ट मीटर और पारेषण नियोजन पर ध्यान केंद्रित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य भर में विश्वसनीय और टिकाऊ ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, बिजली वितरण कंपनियों की दक्षता में सुधार करने, एटी एंड सी हानि कम करने और छतों पर सौर पैनल लगाने के काम में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया गया।

असम के 433 मंडलों में गूंजी पीएम मोदी के मन की बात

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहद लोकप्रिय और जन-संवाद के प्रमुख माध्यम रेडियो कार्यक्रम मन की बात का आज देश भर में 134वां संस्करण प्रसारित हुआ। इस खास संस्करण को लेकर पूरे देश के साथ-साथ असम में भी भारी उत्साह देखने को मिला। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी एक आधिकारिक बयान में मीडिया पैनेलिस्ट अमल नारायण पटवारी ने बताया कि असम में इस कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर सुना गया। राज्य के सभी 39 जिलों के अंतर्गत आने वाले 433 मंडलों के 25 हजार से अधिक बूथों पर इसके प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गयी थी, जहां पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं और आम जनता ने एकजुट होकर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। इस अवसर पर राज्य के शीर्ष नेतृत्व ने भी अलग-अलग जगहों से कार्यक्रम में अपनी भागीदारी दर्ज करायी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने जहां नयी दिल्ली में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर इस कार्यक्रम को सुना, वहीं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। पार्टी के अनुसार बूथ स्तर पर कार्यक्रम के इस सफल आयोजन ने एक बार फिर संगठन की जमीनी मजबूती और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जनता के जुड़ाव को साबित किया है।

तेरापंथ सभा गुवाहाटी के चुनाव में रितेश खटेड़ विजयी, अध्यक्ष पद पर हुए निर्वाचित

गुवाहाटी, 31 मई। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के सत्र 202628 के लिए रविवार को संपन्न हुए अध्यक्ष पद के चुनाव में रितेश खटेड़ ने जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम घोषित होते ही समाज के सदस्यों में उत्साह का माहौल देखा गया। चुनाव अधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार कुल 3099 मत पड़े, जिनमें से 38 मत अमान्य घोषित किये गये। इस प्रकार कुल 3061 वैध मतों की गणना की गयी। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में राजकुमार बैद को 1464 मत प्राप्त हुए, जबकि रितेश खटेड़ को 1597 मत मिले। इस तरह रितेश खटेड़ ने 133 मतों से जीत हासिल कर अध्यक्ष पद अपने नाम किया। चुनाव परिणाम के आधार पर रितेश खटेड़ को श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के सत्र 202628 के लिए अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। समाज के वरिष्ठजनों और सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रितेश खटेड़ को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

गौहाटी गौशाला में नुक्कड़ नाटक आयोजित

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आज मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक का सफल एवं प्रभावशाली आयोजन गौहाटी गौशाला परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना था। शाखा की अध्यक्ष नमिता दुधेड़िया, सचिव ममता सेठी, उपाध्यक्ष कविता अग्रवाल, पीआरओ निष्ठा पोद्दार एवं कार्यकारिणी सदस्य चांदनी बैद एवं कार्यक्रम संयोजिका पलक दुधेड़िया के मार्गदर्शन में बच्चों ने अत्यंत सुंदर एवं प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। विशेष रूप से नन्हे कलाकार पलक दुधेड़िया, भूमिका सेठी, स्वर्णिका बोथरा, दक्षिता मह्लू, कृपा अग्रवाल, प्रियल मोदी, श्लोक रारा, बिनोयता दास, स्निग्धा अग्रवाला, कृषा बावरी ने अपने शानदार अभिनय से सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। उपस्थित दर्शकों ने बच्चों की भरपूर सराहना की तथा इस जागरूकता अभियान की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। अंत में सभी कलाकारों को शाखा की ओर से टोकन ऑफ लव एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी बच्चों, अभिभावकों एवं उपस्थित गणमान्यजनों का हार्दिक आभार जताया गया।

जीएमसीएच में दो दिन भर्ती रहने के बाद डॉ. रनोज पेगु को मिली छुट्टी

गुवाहाटी, 31 मई। धेमाजी के विधायक और असम के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु लंबे समय से एक जटिल स्वास्थ्य समस्या से परेशान थे। इस समस्या से राहत पाने के लिए, पिछले शुक्रवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में उनका सफल ऑपरेशन किया गया। जानकारी के अनुसार, डॉ. पेगु की पित्त की थैली निकालने की सर्जरी हुई थी। ऑपरेशन सफल रहने के बाद रविवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। घर पहुंचने के बाद डॉ. पेगु ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनका इलाज करने वाले सभी डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि सफल सर्जरी के साथ अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उत्कृष्ट इलाज और देखभाल के लिए वे प्रो. डॉ. पीपी दास, प्रो. डॉ. फैजा तालुकदार और पूरी मेडिकल टीम के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बावजूद डॉ. पेगु लगातार सार्वजनिक कार्यों में सक्रिय बने रहे। चुनाव के बाद उन्होंने ऑपरेशन कराने का निर्णय लिया था और आखिरकार यह सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। डॉ. रनोज पेगु के स्वस्थ होकर घर लौटने की खबर से उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने राहत जतायी है तथा उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की है।

पंचांग

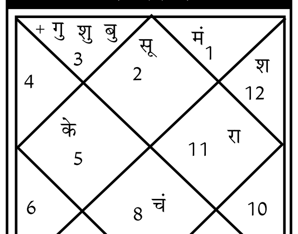

तिथि संवत् : प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष प्रतिपदा सायंकाल 04:36 बजे तक रहेगी।
विक्रम संवत् 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव संवत्सर (रौद्र) तारीख 1 जून सोमवार। सूर्योदयकालीन नक्षत्र : ज्येष्ठा सायंकाल 07:07 बजे तक इसके बाद मूल नक्षत्र रहेगा। योग - सिद्ध प्रातः 06:18 बजे तक इसके बाद साध्य योग रहेगा। करण - कौलव सायंकाल 04:36 बजे तक तदुपरांत तैतिल करण रहेगा। ग्रह विचार : (प्रातः 04:31) सूर्य - वृष, चंद्र - वृश्चिक सायंकाल 07:01 बजे तक इसके बाद धनु राशि में प्रवेश करेंगे, मंगल - मेष, बुध - मिथुन, गुरु - मिथुन, शुक्र - मिथुन, शनि - मीन, राहु - कुंभ, केतु - सिंह राशि में स्थित है।
राहुकाल : प्रातः काल 7:30 बजे से 09:00 बजे तक रहेगा।
सूर्योदय : 04:31 बजे, सूर्यास्त : 6:09 बजे।
ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो. 9529781915

CLASSIFIED

NOTICE

I Suresh Kumar Maheswari, S/o late Ghanshyam Lal Maheswari and Durga Maheswari W/o Suresh Kumar Maheswari R/o K C Das road,P.o & P.s- Tezpur, District Sonitpur that my elder son namely Ronak Maheswari declared him as death for me and disown him from all business, Establishment,Shares& stocks Assets and all Immovable properties. we have declared this before the court of notary Tezpur, Sonitpur on 30/05/2026.

ब्रह्मपुत्र बोर्ड की प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

गुवाहाटी, 31 मई। ब्रह्मपुत्र बोर्ड के उत्तर-पूर्वी हाइड्रोलिक एवं संबद्ध अनुसंधान संस्थान (नेहारी) ने दक्षिण एशियाई उन्नत अनुसंधान एवं विकास संस्थान (एसएआईएआरडी) के सहयोग से 29 एवं 30 मई को जल संसाधन क्षेत्र के लिए जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन नेहारी के निदेशक डॉ. रंजीत डेका ने किया। उन्होंने सतत् जल संसाधन प्रबंधन एवं परियोजना नियोजन में जीआईएस तथा रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में साइर्ड (एसएआईएआरडी) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. बिस्वजीत रॉय चौधरी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान रिमोट सेंसिंग, भौगोलिक सूचना प्रणाली (डीआईएस), मुक्त डेटा स्रोतों, बाढ़ प्रबंधन, जलग्रहण क्षेत्र परिसीमन, गूगल अर्थ इंजन के अनुप्रयोगों तथा जल संसाधन प्रबंधन से संबंधित अन्य उपकरणों पर व्याख्यान एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किये गये। इन सत्रों का संचालन साइर्ड (एसएआईएआरडी) तथा उत्तर-पूर्व अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (नेसाक) के विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यशाला का समापन ब्रह्मपुत्र बोर्ड के सचिव आदिल खान, आईएएस की अध्यक्षता में आयोजित समापन सत्र के साथ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर ब्रह्मपुत्र बोर्ड तथा असम, नगालैंड एवं अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के जल संसाधन विभागों से आये कुल 26 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

एम्स गुवाहाटी में शुरू हुई मिर्गी की सर्जरी सेवा

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। पूर्वोत्तर में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एम्स गुवाहाटी ने अपने व्यापक मिर्गी कार्यक्रम के तहत मिर्गी की सर्जरी सेवाएं शुरू की हैं। यह नयी पहल पूरे क्षेत्र में गंभीर और दवाओं से नियंत्रित न होने वाली मिर्गी से पीड़ित मरीजों के लिए एक बड़ी उम्मीद लेकर आयी है। इस अवसर पर एम्स गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर अशोक पुराणिक ने कहा कि मिर्गी एक इलाज योग्य बीमारी है, बशर्ते सही समय पर सही परामर्श मिले। उन्होंने जोर दिया कि जिन मरीजों को दवाओं के बावजूद लगातार दौरे पड़ रहे हैं, उन्हें बिना देर किये विशेषज्ञ डॉक्टरों से संपर्क करना चाहिए क्योंकि समय पर सर्जरी के मूल्यांकन से मरीजों के जीवन में दीर्घकालिक सुधार लाया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर मिर्गी सबसे आम न्यूरोलॉजिकल विकारों में से एक है। इसके बावजूद पूर्वोत्तर राज्यों में इसके विशेष इलाज की सुविधाएं अब तक बेहद सीमित थीं, जिससे मरीजों को दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों की दौड़ लगानी पड़ती थी। इससे पीड़ित परिवारों पर भारी आर्थिक और मानसिक बोझ पड़ता था। एम्स गुवाहाटी की इस अनूठी पहल का उद्देश्य एक ही छत के नीचे जांच से लेकर सर्जरी तक की संपूर्ण सुविधाएं प्रदान करके इसी अंतर को मिटाना है। इसके तहत मरीजों की शुरुआती जांच एक विशेष मिर्गी क्लिनिक में अनुभवी न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा की जाती है। जिन मरीजों पर दवाएं बेअसर साबित होती हैं, उनके लिए लॉन्ग-टर्म वीडियो ईईजी मॉनिटरिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह विशिष्ट प्रणाली लंबे समय तक मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों और मरीज के व्यवहार को रिकॉर्ड करती है, जिससे डॉक्टर दौरों के सटीक स्रोत की पहचान कर यह तय करते हैं कि मरीज को सर्जरी से फायदा होगा या नहीं। हाल ही में संस्थान ने दवाओं से ठीक न होने वाली मिर्गी से पीड़ित एक मरीज की पहली सफल सर्जरी करके इतिहास रचा है। एम्स गुवाहाटी अब पूर्वोत्तर का एकमात्र ऐसा केंद्र बन गया है जो मिर्गी के विशेष क्लीनिक, एडवांस्ड न्यूरोइमेजिंग, वीडियो ईईजी मॉनिटरिंग और न्यूरो-सर्जरी जैसी तमाम सुविधाएं एक साथ दे रहा है। मरीजों की सुरक्षा के लिए यह पूरा कार्यक्रम न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, न्यूरोरेडियोलॉजिस्ट, एनेस्थेटिस्ट और कुशल तकनीशियनों की एक संयुक्त टीम की देखरेख में काम करता है।

तीन डकैत गिरफ्तार

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। गड़चुक पुलिस ने अभियान चलाकर तीन डकैतों को गिरफ्तार किया। पकड़े गये डकैतों की पहचान बंधुरा बसुमतारी, जनक बसुमतारी और मानो बसुमतारी के रूप में की गयी। इनके पास से .32 पिस्तौल की मैगजीन के साइलेंसर बरामद किये गये।

हेरोइन समेत 26 तस्कर बंदी

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। गुवाहाटी पुलिस ने जीआरपी और आरपीएफ के सहयोग से रेलवे कॉरिडोर इलाके में अभियान चलाकर 26 ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 29 ग्राम हेरोइन और खाली कंटेनर बरामद किये गये।

चोरी की सामग्री समेत एक धराया

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। वशिष्ठ पुलिस ने चोरी की सामग्री समेत एक चोर को गिरफ्तार किया। पकड़े गये चोरी की शिनाख्त राजीव नाथ (19) के रूप में की गयी है, जो नलबाड़ी का रहने वाला बताया जाता है। उसके पास से दो बंडल बिजली के तार बरामद किये गये।

सोल एस्थेटिक्स एंड एकेडमी ने मनायी पहली वर्षगांठ

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। महानगर के उलुबाड़ी के काछारी बस्ती स्थित एफफोर्ट कॉम्प्लेक्स की पांचवीं मंजिल पर स्थित सोल एस्थेटिक्स एंड एकेडमी ने अपनी प्रथम वर्षगांठ चिकित्सक एवं सहयोगियों का सम्मान कर अनोखे अंदाज में मनाया। सौंदर्य, स्वास्थ्य-कल्याण एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ एक सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह अवसर विशेष रूप से मनाया गया। विकास अग्रवाल द्वारा स्थापित एवं संचालित इस एकेडमी का उद्घाटन गत वर्ष प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने किया था। उनकी उपस्थिति ने उद्घाटन समारोह को विशेष प्रतिष्ठा प्रदान की थी तथा असम एवं पूर्वोत्तर भारत के लोगों तक विश्वस्तरीय एस्थेटिक एवं वेलनेस सेवाएं पहुंचाने के संस्थान के संकल्प को नयी दिशा दी थी। पिछले एक वर्ष में सोल एस्थेटिक्स एंड एकेडमी ने एक समर्पित एस्थेटिक केंद्र से विकसित होकर उन्नत सौंदर्य एवं स्वास्थ्य-कल्याण सेवाओं के एक समग्र केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। वर्तमान में यहां उन्नत त्वचा देखभाल, स्कैल्प एवं हेयर ट्रीटमेंट, लेजर उपचार, स्थायी मेकअप, नेल सेवाएं तथा विभिन्न वेलनेस थेरेपी जैसी विशेष सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सैकड़ों संतुष्ट ग्राहकों का विश्वास एवं सहयोग संस्थान की उल्लेखनीय प्रगति और सफलता का प्रमुख आधार रहा है। यह केंद्र प्लास्टिक सर्जन डॉ. दीपांजली बोड़ो, एस्थेटिक चिकित्सक डॉ. मिमांक्षा कलिता तथा आहार विशेषज्ञ एवं गट माइक्रोबायोम विशेषज्ञ इंद्राणी दत्ता के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। प्रशिक्षित एवं अनुभवी विशेषज्ञों की टीम प्रत्येक उपचार को सुरक्षित, व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप तथा प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही ग्राहक संतुष्टि एवं सेवा गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाये रखा जाता है। नवाचार एवं समग्र स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए संस्थान ने इस वर्ष गट माइक्रोबायोम परीक्षण एवं प्रोबायोटिक सप्लीमेंट समाधान की शुरुआत की, जिससे ग्राहकों को पाचन स्वास्थ्य और समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायता मिल रही है। इसके अतिरिक्त, ग्राहकों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए प्रोफेशनल नेल एक्सटेंशन सेवाएं भी शुरू की गयी हैं। इस अवसर पर संस्थापक एवं स्वामी विकास अग्रवाल ने ग्राहकों, विद्यार्थियों, शुभचिंतकों एवं पूरी टीम के प्रति उनके निरंतर विश्वास और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रथम वर्ष की सफलता केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि भविष्य में और अधिक विकास, नवाचार एवं उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक मजबूत आधार भी है। द्वितीय वर्ष में प्रवेश करते हुए सोल एस्थेटिक्स एंड एकेडमी उन्नत उपचार, विशेषज्ञ परामर्श, अत्याधुनिक तकनीक एवं उत्कृष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान करने के अपने संकल्प को और अधिक मजबूत कर रही है। सौंदर्य, स्वास्थ्य, वेलनेस तथा व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में नये मानदंड स्थापित करना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। गत वर्ष आयोजित उद्घाटन समारोह को स्मरण करते हुए संस्थान प्रबंधन ने अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के प्रोत्साहन एवं शुभकामनाओं के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उनके प्रेरणादायक शब्द आज भी संस्थान की पूरी टीम को उत्कृष्टता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

चोरी गयी मोटरसाइकिल बरामद

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। दिसपुर पुलिस ने मिली शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए महज दो घंटे के भीतर चोरी गयी बाइक को छहमाइल पुल के समीप से बरामद किया। मिली जानकारी के मुताबिक सर्वे स्थित लक्ष्मी अपार्टमेंट के निवासी पॉल राजकुमार ने थाने में एक प्राथमिकी दर्ज करायी थी, जिसमें कहा गया था कि सुबह 4.30 बजे जब वे अपने दोस्त के जन्मदिन के पार्टी से घर लौटे तो उन्होंने अपनी केटीएम मोटरसाइकिल (एएस-01डीएच-8548) को अपने निवास पर गेट के समीप पार्क कर दिया। कुछ देर बाद उन्होंने पाया कि मोटरसाइकिल गायब है, जिसके बाद उसकी सूचना पुलिस को दी गयी और पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी गयी बाइक को बरामद कर लिया।

राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता में गुवाहाटी की अभिलाषा चमकीं

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं)। असम की पंद्रह वर्षीय होनहार गायिका अभिलाषा चक्रवर्ती ने कोलकाता में आयोजित लयलहरी अखिल भारतीय ऑफ़लाइन प्रतिभा खोज संगीत प्रतियोगिता में ऐतिहासिक सफलता हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन किया है। स्वामी विवेकानंद कला एवं संस्कृति फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से आये प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गुवाहाटी की रहने वाली अभिलाषा ने प्रतियोगिता की सभी चार श्रेणियों उप-शास्त्रीय, रवींद्र संगीत, ख्याल और भजन में पुरस्कार जीतकर एक असाधारण उपलब्धि अपने नाम की है। इस शानदार कामयाबी पर राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने युवा कलाकार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे के संगीतमय सफर के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेजी हैं। वरिष्ठ पत्रकार अरूप चक्रवर्ती और बरनाली चक्रवर्ती की सुपुत्री अभिलाषा वर्तमान में खानापाड़ा स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा हैं। पारिवारिक सदस्यों के अनुसार अभिलाषा में बचपन से ही संगीत के प्रति गहरा रुझान था और उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा के साथ-साथ इसका कड़ा प्रशिक्षण व अभ्यास हमेशा जारी रखा। सुर, ताल और लय पर उनकी मजबूत पकड़ और नियमित रियाज के प्रति समर्पण ने ही उन्हें इतने बड़े राष्ट्रीय मंच पर जीत के लिए तैयार किया है। उनकी इस संगीत यात्रा को निखारने में उस्ताद राशिद खान अकादमी के गुरुओं के मार्गदर्शन की बेहद अहम भूमिका रही है। परिवार का कहना है कि विद्यालय के शिक्षकों, संगीत गुरुओं और शुभचिंतकों से मिले निरंतर प्रोत्साहन ने संगीत के प्रति उनके इस जुनून को और मजबूत किया है, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की नयी प्रेरणा मिल रही है।

आरएसएस कार्यकर्ता विकास वर्ग का समापन

समाज को बांटने वाली संकीर्ण शक्तियों से सावधान रहें युवा : शंकर

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) असम क्षेत्र द्वारा आयोजित 20 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग (प्रथम, सामान्य) का समापन आज होजाई के गीताश्रम में संपन्न हुआ। इस विशेष प्रशिक्षण वर्ग में पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से आये 102 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत किये गये अनुशासित और आकर्षक शारीरिक प्रदर्शन ने वहां मौजूद विशाल जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। समारोह को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए असम क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख शंकर दास कलिता ने कहा कि आरएसए पिछले सौ वर्षों से समाज को संगठित करने और राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगातार लगा हुआ है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को गलत तरीके से पेश किया गया, जिसके कारण हमारी नयी पीढ़ी अपने सांस्कृतिक आधार से दूर होती चली गयी। इसके साथ ही पश्चिमी भौतिकवाद, अत्यधिक व्यक्तिवाद और उपभोक्तावाद जैसी प्रवृत्तियों ने आज हमारे समाज और परिवार के पारंपरिक ढांचे को भी बड़ी चुनौती दी है। कलिता ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र है, यही वजह है कि तमाम तरह की वैचारिक शक्तियां युवाओं को अपने प्रभाव में लेने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने समाज को बांटने वाली संकीर्ण विचारधाराओं पर प्रहार करते हुए कहा कि कुछ ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र और अन्य संकीर्ण पहचानों के आधार पर समाज को विभाजित कर रही हैं, जिससे हमारी सामाजिक एकता कमजोर होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि साइंटिफिक सोशलिज्म और शहरी नक्सलवाद जैसी सोच समाज में कृत्रिम बंटवारे और आपसी संघर्ष की मानसिकता को जान-बूझकर बढ़ावा दे रही हैं। असम के मौजूदा हालात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक तरफ तो दुनिया में वैश्वीकरण की बातें होती हैं, लेकिन दूसरी तरफ हमारे अपने समाज को ऊपरी असम-निचला असम, बराक-ब्रह्मपुत्र घाटी, असमिया-बांग्लाभाषी, हिंदीभाषी-गैर-हिंदीभाषी और अलग-अलग जातीय समूहों के नाम पर बांटने की कोशिशें की जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे समाज की इन विविधताओं को संघर्ष का कारण नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक समृद्धि का आधार बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही भाषा और लिपि से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को भी समाज में दरार पैदा करने का जरिया नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि संघ का मूल कार्य वसुधैव कुटुंबकम्, सर्वे भवंतु सुखिनः और एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति जैसे सनातन मूल्यों के आधार पर समाज को एकजुट कर विश्वबंधुत्व का माहौल बनाना है। इस अवसर पर मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स स्थित पारंपरिक खासी राज्य हिमा खैरिम के उप-राजा हाबापान सिं सियेम ने भी अपने आशीर्वचन दिये। उन्होंने उम्मीद जतायी कि स्वधर्म पर आधारित सेंग खासी के प्राचीन और उच्च जीवन मूल्य समाज व पूरे देश में शांति की स्थापना करने में बेहद मददगार साबित होंगे। इस समापन समारोह में असम के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में स्वयंसेवक, शुभचिंतक और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। यह पूरा प्रशिक्षण वर्ग सर्वाधिकारी पी. वी. एस. एल. एन. मूर्ति और वर्ग कार्यवाह दिनेश्वर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें असम क्षेत्र के संघचालक डॉ. उमेश चक्रवर्ती भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति की भावना और भारत को परम वैभव के शिखर पर ले जाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

कवि अभिजीत गोगोई की पुस्तक मर्मर इन वाइल्डरनेस का लोकार्पण

गुवाहाटी, 31 मई। असमिया कविता और साहित्य को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज गुवाहाटी के पान बाजार स्थित पूर्वायण प्रकाशन कार्यालय में कवि अभिजीत गोगोई की अनूदित कविता संग्रह मर्मर इन वाइल्डरनेस का औपचारिक लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर असम के प्रतिष्ठित साहित्यकार और असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ध्रुवज्योति बोरा तथा प्रसिद्ध अनुवादक नीरेंद्रनाथ ठाकुरिया ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। गौरतलब है कि अभिजीत गोगोई की मूल असमिया कविताओं का अंग्रेजी में अनुवाद असम के पांच प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और जाने-माने अनुवादकों ने किया है। इनमें डॉ. आनंद बरमुदै, विवेकानंद चौधरी, डॉ. विभास चौधरी, नीरेंद्रनाथ ठाकुरिया और डॉ. सुधीर कुमार दास शामिल हैं। पुस्तक के लोकार्पण के दौरान डॉ. ध्रुवज्योति बोरा ने असमिया साहित्य के भविष्य और उसके व्यापक प्रसार को लेकर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि असमिया भाषा का साहित्य अत्यंत उच्च स्तर का है और गुणवत्ता के मामले में किसी भी अन्य भाषा से कम नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि असमिया साहित्य का उचित मूल्यांकन और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान सुनिश्चित करने के लिए इसका नियमित रूप से अंग्रेजी, हिंदी, बांग्ला और दक्षिण भारतीय भाषाओं में अनुवाद होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व साहित्य की विविधता और श्रेष्ठ रचनाओं को समझने के लिए अन्य भाषाओं के महत्वपूर्ण साहित्य का असमिया में अनुवाद भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. बोरा ने एक लेखक के लिए अध्ययन, साधना और निरंतर अभ्यास के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कवि अभिजीत गोगोई एक ऐसे रचनाकार हैं, जिनके लेखन में गहन अध्ययन और समर्पण साफ झलकता है। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यप्रेमियों और बुद्धिजीवियों ने उम्मीद जतायी कि यह अनूदित काव्य संग्रह असमिया कविता की संवेदनाओं और भावनाओं को गैर-असमिया पाठकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स :** 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय :** 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
*प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।
संपादक : परमेश्वर सिंह

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

जिसे स्वयं पर विश्वास है, वही वास्तव में मुझ पर भी विश्वास करता है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

सोमवार, 1 जून, 2026

मौसम

अधिकतम 34
न्यूनतम 25

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

महानगर में आयोजित की गयी प्रत्याशा 2.0 चयन परीक्षा

कुल 261 परीक्षार्थी हुए शामिल

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। अखिल असम छात्र संघ (आसू) की महत्वाकांक्षी परियोजना प्रत्याशा 2.0 के तहत संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी के लिए आज गुवाहाटी, शिवसागर, तेजपुर और नयी दिल्ली के केंद्रों पर चयन परीक्षा का शांतिपूर्ण आयोजन किया गया। गुवाहाटी के रॉयल ग्लोबल विश्वविद्यालय केंद्र पर कुल 261 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि पूरे देश से करीब 1,000 अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया था। संगठन के मुख्य सलाहकार डॉ. समुज्ज्वल कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि प्रत्याशा की शुरुआत सबसे पहले साल 2002 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गयी थी, जिसकी सफलता को देखते हुए पिछले साल से इसे प्रत्याशा 2.0 के नाम से दोबारा शुरू किया गया है। इस लिखित परीक्षा के परिणाम आगामी 3 जून को घोषित किये जाएंगे, जिसके बाद 7 और 8 जून को गुवाहाटी में मौखिक परीक्षा होगी, जबकि दिल्ली केंद्र के अभ्यर्थियों का इंटरव्यू 7 जून को ऑनलाइन माध्यम से लिया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर असम से 26 और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों से 14 अभ्यर्थियों को मिलाकर कुल 40 मेधावी छात्रों का चयन किया जाएगा। इन चुने गये छात्रों को दिल्ली के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में यूपीएससी की मुफ्त तैयारी करायी जाएगी और साथ ही रहने-खाने के खर्च के लिए हर महीने 12,000 रुपये का वजीफा भी दिया जाएगा। इसके अलावा यदि कोई छात्र यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर लेता है, तो उसे आगे की तैयारी के लिए 50,000 रुपये की विशेष एकमुश्त प्रोत्साहन राशि भी मिलेगी। डॉ. भट्टाचार्य ने जोर देकर कहा कि इस पूरे प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन होनहार छात्रों को विश्वस्तरीय संसाधन और माहौल देना है, ताकि असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र से अधिक से अधिक योग्य और समर्पित प्रशासनिक अधिकारी देश की सिविल सेवा में शामिल हो सकें।

फोटो खिंचवाने के दौरान ब्रह्मपुत्र में लापता हुआ छात्र

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। महानगर के पास चंद्रपुर इलाके में आज एक दुखद हादसा सामने आया। ब्रह्मपुत्र नद किनारे फोटो खिंचवाने के दौरान नौवीं कक्षा का एक छात्र नदी में गिरकर लापता हो गया। लापता छात्र की पहचान सुमित के रूप में हुई है, जो नूनमाटी स्थित विष्णु राभा पथ का रहने वाला था। वह नूनमाटी हिंदी स्कूल में नौवीं कक्षा का छात्र था। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज अवकाश होने के कारण सुमित अपने तीन दोस्तों के साथ घूमने के लिए चंद्रपुर के हाजोंगबाड़ी इलाके में ब्रह्मपुत्र किनारे पहुंचा था। इसी दौरान चारों दोस्त नदी किनारे फोटो खिंचवा रहे थे। तभी अचानक पैर फिसलने से सुमित ब्रह्मपुत्र नद में गिर गया और तेज बहाव में लापता हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नदी किनारे मौजूद एक महिला ने छात्र को डूबते देख उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही प्रागज्योतिषपुर थाना पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल लापता छात्र की तलाश में एसडीआरएफ की टीम ब्रह्मपुत्र नद में लगातार तलाशी अभियान चला रही है। घटना के बाद इलाके में चिंता का माहौल है और परिजन छात्र के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाये हुए हैं।

विधायक गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

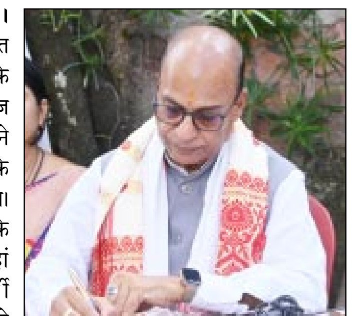

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। कामरूप महानगर जिले के अंतर्गत मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय कुमार गुप्ता ने आज संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और जनसंपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण दौरा किया। वे अपने क्षेत्र के बिष्णुपुर मंडल के बूथ संख्या 95 पर पहुंचे, जहां स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन की मजबूती को परखने के साथ-साथ क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद स्थापित करना था। इस अवसर पर विधायक गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय और नियमित रेडियो कार्यक्रम मन की बात के प्रसारण सत्र में शिरकत की। उन्होंने वहां मौजूद भारी संख्या में समर्पित कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के प्रेरक संबोधन को बेहद ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम के समापन के बाद विधायक ने स्थानीय जनता के बीच जाकर उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों के साथ एक खुली बैठक भी की, जिसमें उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार साझा किये और क्षेत्र के विकास व नागरिक सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। गुप्ता ने सभी की शिकायतों और सुझावों को बेहद गंभीरता से सुना और जनता को आश्वस्त किया कि उनकी हर जायज समस्या का शीघ्र और उचित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं की लगन की सराहना करते हुए उनसे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

गौहाटी विवि और आईसीटी अकादमी के बीच करार

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। पूर्वोत्तर में उच्च शिक्षा, तकनीकी कौशल और नवाचार को एक नयी दिशा देने के उद्देश्य से गौहाटी विश्वविद्यालय ने आईसीटी अकादमी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक कॉर्पोरेट और उद्योग जगत की तात्कालिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। इस समझौते के माध्यम से छात्रों को न केवल उच्च स्तरीय तकनीकी कौशल और व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उनके लिए इंटर्नशिप, उद्यमिता विकास और सीधे रोजगारोन्मुख अवसरों के नये द्वार खोलने में भी बेहद सहायक सिद्ध होगा। इसके साथ ही यह अनूठा प्रयास वर्तमान समय में अकादमिक जगत और औद्योगिक क्षेत्र के बीच मौजूद अंतर को पाटने के लिए एक सार्थक संवाद और दीर्घकालिक सहयोग को भी मजबूत बढ़ावा देगा। गौहाटी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर उत्पल शर्मा सहित संस्थान के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण और आईसीटी अकादमी के शीर्ष प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मायुमं कामाख्या शाखा ने स्थापित की अमृतधारा

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, कामाख्या शाखा द्वारा आज समाजसेवा के उद्देश्य से दो स्थानों पर अमृतधारा (शुद्ध पेयजल व्यवस्था) का सफलतापूर्वक स्थापना एवं लोकार्पण किया गया। प्रथम अमृतधारा फाटाशील आमबाड़ी शिव मंदिर में स्थापित की गयी। जिनके दानदाता अजय नाहटा ने अपनी मां कंचन नाहटा के नाम से करवाई। द्वितीय अमृतधारा पदुमबारी प्राथमिक विद्यालय में स्थापित की गयी, जिससे विद्यार्थियों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। इस पुण्य अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शाखा की अध्यक्ष नमिता दुधोड़िया, उपाध्यक्ष कविता अग्रवाल, सचिव ममता सेठी, कोषाध्यक्ष नम्रता सुराणा, अमृत धारा संयोजक कृतिका अग्रवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य चांदनी बैद की उपस्थिति रही। इस सेवा कार्य के माध्यम से शाखा ने समाज को यह संदेश दिया कि छोटी-सी पहल भी अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है।

कौशल आधारित शिक्षा से मजबूत होगी आत्मनिर्भर समाज की नींव : भारतीय

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। व्यतिक्रम समूह की पहल और द टाइम्स ऑफ इंडिया के सहयोग से दिसपुर स्थित नेडफी सभागार में व्यतिक्रम एजुकेशन कॉन्क्लेव 7.0 और मेडिटेक मैनेजमेंट फेयर 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में शिक्षा, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण प्रणाली और भविष्योन्मुखी कैरियर योजना को एक नयी दिशा देना है। वर्तमान समय में शिक्षा और रोजगार के बदलते परिदृश्य को देखते हुए छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों तथा शिक्षा जगत के प्रख्यात विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर एकत्रित करने के लिए यह एक दिवसीय विशाल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुवाहाटी में तैनात बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त जकरुल हसन फाहद उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथियों के रूप में गौहाटी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. मृदुल हजारिका और असम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दिलीप चंद्र नाथ समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद और प्रख्यात हस्तियां उपस्थित रहीं और उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण चार विशेष पैनल चर्चाएं थीं, जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति, तकनीकी शिक्षा, भविष्य में रोजगार की संभावनाएं, स्वास्थ्य व प्रबंधन शिक्षा, कौशल आधारित शिक्षा और कैरियर योजना जैसे समसामयिक विषयों पर असम सहित देश-विदेश के शीर्ष विषय-विशेषज्ञों, प्रोफेसरों, स्कूल-प्रधानाचार्यों और करियर कोचों ने गहराई से मंथन किया। इस अवसर पर व्यतिक्रम समूह के संस्थापक डॉ. सौमेन भारतीय ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल अकादमिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ व्यावहारिक कौशल, रचनात्मकता और सही दिशा-निर्देशन होना भी आवश्यक है ताकि नयी पीढ़ी को कौशल आधारित शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर समाज की नींव मजबूत की जा सके। वहीं जेआईएस समूह के व्यवसाय और विपणन प्रबंधक रोहित सान्याल ने बताया कि 39 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों वाला उनका यह प्रतिष्ठित समूह पिछले दो दशकों से पूर्वोत्तर के मेधावी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा और बेहतरीन करियर प्लेसमेंट प्रदान करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

जनगणना को लेकर नियुक्त कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। भारतीय जनगणना आयोग की देखरेख में 2027 में 16वीं जनगणना करायी जाएगी। पहले चरण में मकानों का पंजीकरण और मकानों की गिनती का काम पूरा किया जाएगा। कामरूप महानगर जिले के जनगणना प्रकोष्ठ ने जिले में तैनात जनगणना कर्मचारियों के लिए 28 मई से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आज जिला आयुक्त के कार्यालय में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनगणना कर्मचारियों को आगामी जनगणना गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से लैस करना था। रिसोर्स पर्सन के तौर पर डॉ. निजरा शर्मा और सुरजीत दे ने प्रशिक्षुओं को जनगणना के पहले चरण की विभिन्न प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं पर आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया और उनकी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों को विस्तार से समझाया। साथ ही इस बात पर प्रकाश डाला गया कि इंटरैक्टिव चर्चाओं और प्रदर्शनों के माध्यम से कर्मचारियों को क्षेत्र स्तर पर विभिन्न चुनौतियों के बारे में सूचित किया जा सकता है और सही और सटीक डेटा संग्रह प्रथाओं को अपनाया जा सकता है।

असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की व्यवस्थापिका सभा संपन्न

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के कार्याध्यक्ष भारत भूषण महंत की अध्यक्षता में समिति की व्यवस्थापिका सभा संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि यह व्यवस्थापिका सभा असम के विभिन्न जिलों से आये हुए हिंदी प्रचारक-प्रचारिकाएं तथा हिंदी प्रेमियों द्वारा गठन की जाती है। व्यवस्थापिका सभा के अधिवेशन में वर्ष 2026-27 के बजट पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई और ध्वनिमत से इसे पारित किया गया। बैठक में प्रचारक-प्रचारिका और हिंदी प्रेमियों के बीच हिंदी के प्रचार-प्रसार और आगे की रणनीति के बारे में चर्चा हुई। इस अवसर पर समिति के मंत्री डॉ. क्षीरदा कुमार सैकिया ने अपने प्रतिवेदन पाठ करने के बाद समिति के कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि हिंदी शिक्षा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदी प्रचार-प्रसार पर एक पुस्तिका निकाली गयी है। कार्यक्रम में राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों के सौ से अधिक हिंदी प्रचारक-प्रचारिकाएं तथा हिंदी प्रेमियों ने हिस्सा लिया।

गौशाला में श्री राधा सहस्त्रार्चन व श्री सत्यनारायण कथा संपन्न

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में श्री सेठ सांवरिया सत्संग समिति द्वारा अधिकमास के महीने में आयोजित आठ दिवसीय नानी बाई रो मायरो एवं भक्तमाल कथा आज श्री राधा सहस्त्रार्चन एवं श्री सतनारायण कथा के साथ संपन्न हुई। कथा के अंतिम दिन आज श्री राधा सहस्त्रार्चन एवं श्री सत्यनारायण कथा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर लगभग डेढ़ सौ महिलाओं ने अपने-अपने घरों से लड्डू गोपाल को लेकर आयोजन स्थल पर पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लिया। भक्तिमय वातावरण में सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ 1008 पवित्र नामों के उच्चारण द्वारा श्री राधा सहस्त्रार्चन कार्यक्रम में बाल गोपाल को नैवेद्यम अर्पित किया। संगीतमय भजनों के साथ श्री राधा सहस्त्र से समूचा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम का संचालन पंडित प्रकाश शास्त्री ने किया तथा विधि-विधान से श्री राधा सहस्त्रार्चन एवं श्री सत्यनारायण कथा कार्यक्रम संपन्न कराया। इस दौरान समिति की ओर से भक्तों को नैवेद्यम अर्पण के लिए मेवा, लौंग, इलायची सहित विभिन्न पूजन सामग्री प्रदान की गयी। कार्यक्रम के दौरान समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क इत्र की शीशी, ठाकुरजी की पोशाक, मोर पंख एवं मेवे का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही तथा पूरा परिसर राधे-राधे के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस मौके पर मुख्य कथावाचक गौरव व्यास भी पहुंचे और उन्होंने भी अपने श्रीमुख से भक्तों को आशीष वचन दिया। तत्पश्चात अमृत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान उपस्थित सभी भक्तों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सेठ सांवरिया सत्संग समिति के संस्थापक सुरेंद्र लाठ, बसंत तांबी, सुभाष केजरीवाल, दीनदयाल सिवोटिया, रवि सुरेका, संजय संथोलिया, संतोष चौधरी, कन्हैयालाल प्रिथानी, शंकर बिड़ला, रमेश चांडक, दीपक पोद्दार, सुरेश सोनी, विशाल सांगानेरिया, अरविंद सरावगी, मनोज रूंगटा, माखनलाल अग्रवाल, विवेक सांगानेरिया, नरेंद्र सोनी, समित सराफ, राजेश सोनी, सिया शर्मा, रितु अग्रवाल, वर्षा पारीक, संतोष शर्मा, राधा शर्मा सहित सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। श्री सेठ सांवरिया सत्संग समिति के वरिष्ठ सदस्य सुरेंद्र लाठ ने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

महावीर धर्मस्थल में श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं.)। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में विराजित आचार्य दयासागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में आज विश्व में शांति के लिए श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री ससंघ के पावन मुखारविंद से संपन्न महा- शांतिधारा करने का परम सौभाग्य महावीर प्रसाद-ललित कुमार, मनीष कुमार, आदित्य, अरिहंत, ऋषभराज, मेहुल जैन छाबड़ा परिवार एंव कुंदनमल-प्रकाशचंद, रंजुदेवी-ध्रुव कुमार रारा परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात आचार्य श्री ससंघ के सान्निध्य में संगीत लहरियों के संग श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के बच्चे, पुरूष एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन व मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी ने बताया कि गुरुदेव की असीम कृपा एवं करुणा से आचार्य श्री ससंघ का दिसपुर/ डिमापुर की ओर प्रस्तावित विहार कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव का यह अतिरिक्त प्रवास समस्त श्रद्धालुओं के लिए उनके पावन सान्निध्य में धर्माराधना, पूजन स्वाध्याय, सेवा आदि का एक और दुर्लभ और सौभाग्यशाली अवसर लेकर आया है। मुनि व्यवस्था संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने दोनों पुण्यशाली परिवारों को आचार्य श्री के पावन मुखारविंद से संपन्न हुई शांतिधारा की धर्म-भावना, देव-शास्त्र-गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा, समर्पण एवं भक्ति की हार्दिक अनुमोदना करते हुए उनके सुखमय, निरोगी, समृद्ध, यशस्वी एवं धर्ममय जीवन की मंगलमयी शुभकामनाएं प्रेषित की। यह जानकारी समाज के प्रचार- प्रसार विभाग के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी एवं जय कुमार छाबड़ा द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गयी है।

प्रातः खबर

सोमवार, 1 जून 2026

रंगिया के स्कूल परिसर में फहराया गया पाक झंडा, इलाके में तनाव

रंगिया, 31 मई (ख.सं)। रंगिया में आज एक बेहद चिंताजनक घटना सामने आयी। रंगिया के निज होचंग प्राथमिक विद्यालय के नव-निर्मित परिसर में कुछ अज्ञात लोगों द्वारा पाकिस्तानी झंडा फहराए जाने से पूरे इलाके में तनाव और सनसनी फैल गयी। मिली जानकारी के अनुसार रोज की तरह जब आज सुबह शिक्षक और छात्र-छात्राएं स्कूल पहुंचे, तब सबसे पहले इस घटना का पता चला। स्कूल परिसर के एक ऊंचे स्थान पर अज्ञात लोगों ने पाकिस्तानी झंडा लगा दिया था। शैक्षणिक संस्थान को इस तरह इस्तेमाल कर सांप्रदायिक तनाव भड़काने

की कोशिश की घटना की स्थानीय लोगों ने कड़ी निंदा की है और मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग उठायी है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचित किया। सूचना मिलने के बाद रंगिया पुलिस की एक वरिष्ठ टीम तुरंत स्कूल पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने मौके से झंडे को बरामद कर लिया है। इधर घटना के विरोध में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने जय श्रीराम के नारे लगाकर प्रदर्शन भी किया। पुलिस इस पहलू से भी जांच कर रही है कि कहीं किसी विशेष उद्देश्य से इलाके की शांति और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए यह साजिश तो नहीं रची गई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश जारी है। वहीं प्रशासन और स्थानीय जागरूक लोगों ने अपील की है कि क्षेत्र में शांति और धैर्य बनाए रखें, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति पैदा न हो।

नारायणपुर में भयावह सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

नारायणपुर, 31 मई (ख.सं)। नारायणपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। यह हादसा नारायणपुर के बरपथार इलाके में 15 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। जानकारी के अनुसार दो वाहनों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई, जिससे घटनास्थल पर ही बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान नारायणपुर के भाइटी पेगु और दीपज्योति दलै के रूप में हुई है। हादसे में घायल सभी चार लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

कोकराझाड़ में मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

कोकराझाड़, 31 मई (ख.सं)। समाज में एक स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण बनाने के उद्देश्य से अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन की सिथिला आंचलिक समिति के तत्वावधान में आज एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हाईस्कूल लीविंग सर्टिफिकेट और उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले क्षेत्र के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान मेधावी छात्रों को फूलाम गामोछा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने छात्रों को प्रेरित करते हुए समाज निर्माण में शिक्षा के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन के केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल घोष, महासचिव इंद्रजीत देबनाथ, सिथिला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक बिष्णुपाद शील शर्मा, विशिष्ट व्यक्ति सुशांत सूत्रधर, मनीष देबनाथ और कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष नेपाल बर्मन विशेष रूप से उपस्थित थे। इस गरिमापूर्ण आयोजन में मेधावी छात्रों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और अभिभावक उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

हाजो में शीतल पेय के नाम पर बिक रहा था जहर

हाजो, 31 मई (ख.सं)। गर्मी का मौसम शुरू होते ही पानी और ठंडे पेय की मांग तेजी से बढ़ जाती है। तेज गर्मी और प्यास से राहत पाने के लिए जहां कुछ लोग पानी पीते हैं, वहीं बड़ी संख्या में लोग शीतल पेय का सेवन करते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, ठंडे पेय के प्रति लोगों में खास आकर्षण देखा जाता है। लेकिन हाजो से सामने आयी एक घटना ने सभी को सतर्क कर दिया है। जानकारी के मुताबिक इलाके में कुछ असामाजिक तत्व लोगों की जान से खिलवाड़ करते हुए एक्सपायरी डेट खत्म हो चुके शीतल पेय बेच रहे थे। बताया गया है कि हाजो के चराबड़ी बिलपार इलाके में जाफर अली नामक एक दुकानदार लंबे समय से अपनी दुकान में अलग-अलग ब्रांड के एक्सपायर्ड शीतल पेय बेच रहा था। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को आकर्षक तरीके से यह सामान बेचा जा रहा था। मामला तब सामने आया जब उसकी दुकान से खरीदा गया शीतल पेय पीने के बाद इलाके के कई लोग अचानक बीमार पड़ गए। इसके बाद स्थानीय लोगों को शक हुआ और जांच करने पर पूरा मामला उजागर हो गया। घटना सामने आते ही चराबड़ी बिलपार के ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने दुकान के सामने विरोध प्रदर्शन किया और दुकान को हमेशा के लिए बंद करने की मांग की। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए जाफर अली को एक्सपायर्ड शीतल पेय के साथ पकड़कर हाजो पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल हाजो पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मायुमं तेजपुर जागृति शाखा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

तेजपुर, 31 मई (ख.सं)। मारवाड़ी युवा मंच, तेजपुर जागृति शाखा द्वारा 12वां शपथ ग्रहण एवं वार्षिक पुरस्कार समारोह होटल में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंडल ई के उपाध्यक्ष अमित चांडक, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया, निवर्तमान अध्यक्ष निशा जोशी, शाखा अध्यक्ष मधु जैन एवं शाखा मंत्री सरिता टायल को मनचासीन करवाया। समारोह में प्रांतीय पदाधिकारी राजीव जैन, विष्णु डागा, अरुण बाहेती, रूबी जैन, पूनम पाड़िया, वरिष्ठ पत्रकार नथमल टिबड़ेवाल, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि, शाखा के सलाहकार, पूर्व अध्यक्षगण, समाज बंधु एवं शाखा सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात सभी

उपस्थितजनों द्वारा असम का जातीय गीत *ओ मोर आपोनार देश* सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया गया। इसके बाद अतिथियों का सम्मान किया गया। सत्र 2025-26 की अध्यक्ष मधु जैन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी का स्वागत करते हुए कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने वर्षभर विभिन्न प्रकल्पों में सक्रिय योगदान देने वाले शाखा सदस्यों को अध्यक्षीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। शाखा मंत्री सरिता टायल ने सत्र 2025-26 का विस्तृत सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थितजनों ने सराहना की। शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत मंडल ई के उपाध्यक्ष अमित चांडक ने सत्र 2026-27 की अध्यक्ष रजनी डागा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इसके पश्चात प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया ने सचिव मिनीता शर्मा एवं कोषाध्यक्ष पारुल अग्रवाल को शपथ दिलायी। राजीव जैन ने ऑफिस बियरर्स तथा विष्णु डागा ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलायी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रजनी डागा ने अपने संबोधन में आगामी वर्ष की योजनाओं की जानकारी देते हुए समाज के बच्चों के लिए खेलकूद शिविर सहित विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया। मंडल ई के उपाध्यक्ष अमित चांडक एवं प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की तथा राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर संचालित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। वरिष्ठ पत्रकार नथमल टिबड़ेवाल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन अंकिता बोथरा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन नवनिर्वाचित सचिव मिनीता शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सड़क हादसे में दुर्लभ गोल्डन लंगूर की गयी जान

कोकराझाड़, 31 मई (ख.सं)। कोकराझाड़ जिले के सिखना जवलाओ नेशनल पार्क से एक दुखद खबर सामने आयी है। यहां सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से लुप्तप्राय प्रजाति के गोल्डन लंगूर की मौत हो गई। घटना का विवरण प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब लंगूर सड़क पार कर रहा था। तभी वहां से गुजर रही एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लंगूर की मौके पर ही मौत हो गयी। बढ़ती लापरवाही पर चिंता इस घटना ने नेशनल पार्क के बीच से गुजरने वाली सड़कों पर वाहनों की तेज रफ्तार और चालकों की लापरवाही को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। यह क्षेत्र कई दुर्लभ और संरक्षित वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है, जहां अक्सर जानवरों के सड़क पार करने की संभावना बनी रहती है। वन्यजीव प्रेमियों और प्रशासन की अपील इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों और वन्यजीव प्रेमियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि जब भी वे जंगल या संरक्षित क्षेत्रों से गुजरें, तो गति सीमा का सख्ती से पालन करें और सावधानी बरतें। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने भी सभी वाहन चालकों और पर्यटकों को चेतावनी दी है कि वे वन्यजीव आवासों के भीतर वाहन चलाते समय सतर्क रहें और गति को नियंत्रित रखें, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके और बेजुबान जानवरों की जान बचायी जा सके।

फकीराग्राम व बिजनी में नवनिर्वाचित विधायकों का भव्य अभिनंदन

कोकराझाड़, 31 मई (ख.सं)। 4 नंबर बाउखूंगरी विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक रुपम चंद्र राय का आज फकीराग्राम में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ कमेटी द्वारा स्थानीय शहीद बेदी के समीप स्थित कम्युनिटी हॉल में आयोजित इस विशेष समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भारी उत्साह के साथ नवनिर्वाचित विधायक का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक रुपम चंद्र राय का विभिन्न समितियों और स्थानीय नेताओं द्वारा गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक ने क्षेत्र के विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए जनता का आभार व्यक्त किया। समारोह में मुख्य रूप से बीटीसी के फकीराग्राम क्षेत्र के एमसीएलए इसमूल हक, ब्लॉक समिति के सचिव फुल्केस राय, फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष सुलतान आलम और उपाध्यक्ष प्रनब शर्मा उपस्थित थे। इनके साथ ही वरिष्ठ बीपीएफ नेता बाहरुल इस्लाम सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी, विभिन्न प्राइमरी समितियों के सदस्य और वीसीडीसी अध्यक्षों ने भी कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

बिजनी से हमारे संवाददाता के अनुसार असम गण परिषद (एजीपी) की बिजनी विधानसभा समिति के तत्वावधान में आज बिजनी में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नवनिर्वाचित बिजनी विधायक अरूप कुमार डे, अभयापुरी विधायक भूपेन राय तथा बंगाईगांव की विधायक दीप्तिमयी चौधरी का गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। असमिया परंपरा के अनुसार अतिथियों को फूलाम गामोसा, शराई और जापी भेंट कर सम्मानित किया गया।

बंगाईगांव में प्रतिभा का हुआ सम्मान, मेधावियों से गौरवान्वित हुआ मारवाड़ी समाज

बंगाईगांव, 31 मई (ख.सं)। मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव शाखा एवं महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में कल स्थानीय तेरापंथ भवन में एक भव्य एवं गरिमामय प्रतिभा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वर्ष 2025-26 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तथा विभिन्न उच्च एवं व्यावसायिक शैक्षणिक डिग्रियों में सफलता अर्जित कर समाज का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। पूरे समारोह में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बंगाईगांव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. तरीनी डेका थे, जबकि विश्वविद्यालय के कार्यभार प्राप्त परीक्षा नियंत्रक भवानी प्रसाद शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष अनिल कुमार सुराणा ने की। मंच पर महिला शाखा की अध्यक्षा मंजू दुगड़, प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र

हरलालका, शाखा सचिव राजकुमार कोठारी तथा महिला शाखा सचिव चंदा भंसाली भी गरिमामयी उपस्थिति में आसीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ असम के महान साहित्यकार एवं प्रख्यात फिल्म निर्माता ज्योति प्रसाद अग्रवाला की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि एवं मंचासीन अतिथियों ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। इसके पश्चात महिला शाखा की सदस्याओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने वातावरण को मधुर एवं भावनात्मक बना दिया। असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देते हुए समारोह की शुरुआत असम के जातीय गीत से की गयी, जिसने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से आकर्षित किया। मारवाड़ी सम्मेलन एवं महिला शाखा की ओर से मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. तरीनी डेका का राजस्थानी चुनरी ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कुलपति डॉ. डेका ने विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और सकारात्मक सोच से ही जीवन में बड़ी सफलताएं प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और समाज व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष अनिल कुमार सुराणा, महिला शाखा अध्यक्ष मंजू दुगड़ एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने विद्यार्थियों को समाज का भविष्य बताते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को नयी दिशा और नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम है। पूरे कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं आकर्षक मंच संचालन शाखा सचिव राजकुमार कोठारी एवं महेश कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अंत में महिला शाखा सचिव चंदा भंसाली ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, समाजबंधुओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही सम्मेलन के सभी कार्यक्रमों के लिए तेरापंथ भवन उपलब्ध कराने हेतु तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अखयचंद बैद के प्रति विशेष धन्यवाद प्रकट किया गया। सामूहिक राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर चलाया गया जागरूकता अभियान

कोकराझाड़

तेजपुर

सिलचर, 31 मई (ख.सं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सिलचर कैंसर सेंटर ने जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, कछार के सहयोग से सिलचर भर में जागरूकता, प्रशिक्षण, प्रवर्तन और सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसका उद्देश्य तंबाकू मुक्त समाज को बढ़ावा देना और तंबाकू नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन को मजबूत करना था। इस आयोजन की शुरुआत दो जागरूकता रैलियों के साथ हुईएक सिलचर कैंसर सेंटर में (जो सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर के भीतर स्थित है) और दूसरी एसएम देव सिविल अस्पताल परिसर में। इन रैलियों में स्वास्थ्य पेशेवरों, छात्रों, कर्मचारियों और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वे तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों और तंबाकू छोड़ने के महत्व से जुड़े संदेशों वाले बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में स्थानीय हाई स्कूलों में तंबाकू जागरूकता के तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 और तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान पहल के प्रावधानों के तहत, तीन शैक्षणिक संस्थानों में 'पीली रेखा चिह्नांकन की शुरुआत की गयी। इनमें टोफी मॉडल स्कूल और अन्य प्रतिभागी स्कूल शामिल थे, जिनका उद्देश्य शैक्षणिक परिसरों के आसपास तंबाकू मुक्त क्षेत्रों को मजबूत करना था। एसएम देव सिविल अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में और 2003 पर एक संवेदीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 30 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस तंबाकू नियंत्रण नियमों के अनुपालन को मजबूत करना और तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थानों को बढ़ावा देना था।

कोकराझाड़ से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आज कोकराझाड़ स्थित साल्वेशन फाउंडेशन रिहैब सेंटर (नशामुक्ति केंद्र) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। यह आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति, कोकराझार द्वारा असम कैंसर केयर फाउंडेशन (कोकराझाड़), केयर इंडिया फाउंडेशन और टारगेट इंटरवेंशन एनजीओ के सहयोग से संपन्न हुआ। विशेषज्ञों ने दी चेतावनी कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कौशिक दास ने की। इस अवसर पर डॉ. वसीम अख्तर बारी ने अपने संबोधन में तंबाकू के जानलेवा प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार तंबाकू का सेवन शरीर के विभिन्न अंगों में कैंसर का कारण बनता है। डॉ. कौशिक दास ने युवा पीढ़ी को विशेष रूप से आगाह किया और उन्हें तंबाकू और नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापन सुभेंदु ब्रह्मा ने प्रस्तुत किया। कैंप में 61 लोगों

सिलचर

की हुई स्वास्थ्य जांच जागरूकता सत्र के बाद वहां मौजूद कैदियों (इनमेट्स) के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तैयारी के साथ पहुंची थी। एनटीईपी कोकराझाड़ द्वारा उपलब्ध कराये गये पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से कैदियों के सीने की जांच की गयी। शिविर में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी की जांच भी की गयी। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 61 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में आरएनबी सिविल अस्पताल की आईसीटीसी टीम, एनटीईपी स्टाफ और रिहैब सेंटर के अन्य सहयोगी भी मौजूद रहे। **तेजपुर से हमारे संवाददाता के अनुसार** विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर गुरु नानक मॉडल हाई स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा निदेशक, तेजपुर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने त्रिवेणी चौराली, तेजपुर में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने तंबाकू के सेवन से होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं तथा इसके सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया। छात्रों के प्रभावशाली अभिनय ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और आम जनता के बीच तंबाकू के प्रति जागरूकता फैलाना था। विद्यालय के शिक्षकों एवं प्रबंधन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी से स्वस्थ एवं तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उपस्थित लोगों ने भी विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना की और तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

नगांव से हमारे संवाददाता के अनुसार नगांव जिले में भी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। तंबाकू और निकोटिन से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 31 मई को यह दिवस मनाया जाता है। गौरतलब है कि वर्ष 1987 से पूरी दुनिया में इस दिवस का आयोजन किया जा रहा है, ताकि समाज को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों और इससे होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसान के प्रति जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस का संदेश रखा गया है आकर्षण के पीछे छिपे सच को उजागर करें: निकोटिन और तंबाकू की लत के खिलाफ प्रतिरोध। देश के अन्य हिस्सों की तरह नगांव में भी जिला प्रशासन की पहल पर विभिन्न सरकारी विभागों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से पूरे दिन कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में आज सुबह 10 बजे नगांव विश्वविद्यालय परिसर से जिला आयुक्त के नेतृत्व में एक जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, अधिकारी और आम नागरिक शामिल हुए। रैली के बाद नगांव विश्वविद्यालय के सभागार में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, औषधि निरीक्षक समेत कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त ने कहा कि नशे और तंबाकू की लत किस तरह पूरे समाज और परिवारों को बर्बादी की ओर ले जा सकती है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे और तंबाकू जैसी आदतों से दूर रहें और स्वस्थ जीवन की ओर आगे बढ़ें। इस अवसर पर जिले में लोगों को तंबाकू के खिलाफ जागरूक रहने और दूसरों को भी इसके नुकसान के बारे में बताने का संदेश दिया गया।

तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बने समाजसेवी मूलचंद बैद

सिलचर, 31 मई (ख.सं)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिलचर की आम सभा का आयोजन किया गया। णमोकार महामंत्र के उच्चारण से सभा का शुभारंभ हुआ। सभा गीत व श्रावक निष्ठा पत्र के वाचन के पश्चात अध्यक्ष नवरत्न चोपड़ा ने उपस्थित महानुभावों का स्वागत करते हुए अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में अपने कार्यकाल में संपादित विशेष कार्यों का उल्लेख किया एवं परम पूज्य गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता व अपनी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।मंत्री महोदय ने सभा की गतिविधियों का मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष महोदय ने आय-व्यय विवरण व बैलेंस शीट सदन के सम्मुख प्रस्तुत की। चुनाव अधिकारी जेठमल मरोटी ने एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने पर आगामी सत्र 2026-28 के लिए अध्यक्ष पद पर मूलचंद बैद के निर्वाचन की घोषणा की। नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपने मंत्री के रूप में प्रेमचंद छाजेड़ को नियुक्त किया व अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में द्विवर्षीय कार्यकाल में पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव के साथ संघ सेवा करने का संकल्प व्यक्त किया तथा सभी को सहयोग के लिए आहवान किया उसके पश्चात कार्यकारिणी की घोषणा की।

Onyx® high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

मणिपुर के कांगपोकपी में फायरिंग और आगजनी, पांच घर जले

इंफाल, 31 मई (एजें)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के खराम वैफेई गांव के पास 30 मई को दोपहर करीब 1:45 बजे अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा फायरिंग की घटना से इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने रविवार को जानकारी दी कि घटना के दौरान गांव के पांच कच्चे मकानों में आग लगा दी गई, जिससे वे पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही जिला पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और संयुक्त अभियान चलाकर स्थिति को नियंत्रित किया। समय रहते कार्रवाई के कारण स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सका। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। इस बीच प्रशासन ने सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ पोस्टों और दावों को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है। इनमें सुरक्षा बलों और जिला पुलिस अधीक्षक को लेकर किए गए दावों को गलत बताते हुए प्रशासन ने कहा कि ये बयान वास्तविक तथ्यों से मेल नहीं खाते। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि संवेदनशील परिस्थितियों में भ्रामक सूचना या दुष्प्रचार फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अगवा की गई महिला सुरक्षित रिहा

इंफाल, 31 मई (एजें)। मणिपुर के कामजोंग जिले में असम राइफल्स ने 7 मई को नामली गाँव से कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा) और विलेज वालंटियर्स ईस्टर्न ज़ोन के उग्रवादियों द्वारा अगवा की गई महिला को सुरक्षित रिहा करा लिया गया है। अर्धसैनिक बल ने खुफिया और अन्य एजेंसियों के समन्वय से अपहृत महिला की रिहायी का प्रयास किया और जेड चोरो गांव के पास ही उसे सौंप दिया गया। रिहाई के बाद, महिला को उसके पति और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ औपचारिक सौंपने और दस्तावेजीकरण के लिए असम राइफल्स इकाई मुख्यालय ले जाया गया। असम राइफल्स ने घटना के बाद हिंसा को रोकने और क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के लिए कामजोंग जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में त्वरित तलाशी अभियान चलाया। चुराचंदपुर से तलाशी अभियान के दौरान असम राइफल्स ने कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा) के एक सशस्त्र कैडर को हथियार, मैगज़ीन और गोला-बारूद के साथ पकड़ा और बाद में उसे स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

केंद्र सरकार ने कोबरा की दो बटालियन मणिपुर भेजने का दिया आदेश

इंफाल, 31 मई (एजें)। केंद्र ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जंगल युद्धक इकाई कोबरा की दो बटालियन को मणिपुर में अभियानगत कार्यों के लिए तैनात करने का आदेश दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में मई 2023 से 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं। राज्य प्रशासन और केंद्र सरकार राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के प्रयास कर रहे हैं।अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ की दो कोबरा बटालियन- पश्चिम बंगाल स्थित 207वीं बटालियन और असम स्थित 210वीं बटालियन- की मणिपुर में अभियानगत कार्यों के लिए तैनाती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा, कोबरा की ये दोनों बटालियन मणिपुर में हिंसा में शामिल सशस्त्र समूहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाएंगी।उन्होंने कहा कि चिह्नित इकाइयां अगले कुछ सप्ताह में राज्य में पहुंचेंगी।पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में उग्रवाद के अलावा कई भारतीय राज्यों में व्याप्त वामपंथी उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए सीआरपीएफ ने 2008-09 में कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) का गठन किया था।कोबरा की फिलहाल कुल 10 बटालियन हैं और वे ज्यादातर नक्सल-रोधी अभियानों में तैनात हैं। कोबरा की प्रत्येक बटालियन में करीब 1,000 कमांडो होते हैं।गृह मंत्रालय ने इस बटालियन के कमांडो को नक्सलियों के खिलाफ खुफिया जानकारी आधारित जंगल युद्ध और गुरिल्ला रणनीति वाले सफल अभियान चलाने का श्रेय दिया है। मंत्रालय के अनुसार, इन अभियानों से इस वर्ष मार्च में देश में माओवादी हिंसा का अंत हुआ।अधिकारियों ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अभियान अब छिपे आईईडी का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने तथा क्षेत्र की सामान्य सुरक्षा तक मुख्य रूप से सीमित रह गए हैं तथा ऐसे में सीआरपीएफ ने कोबरा की दो इकाइयों को मणिपुर भेजने की योजना बनाई, जहां पूर्ण शांति बहाल करने का काम अभी जारी है।एक अन्य अधिकारी ने कहा, देश में सशस्त्र नक्सलवाद के अंत के बाद नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में सेवा देने के लिए कोबरा और सीआरपीएफ की अन्य इकाइयां भी उपलब्ध हैं।उन्होंने कहा, अंतिम निर्णय लिए जाने के बाद एक या दो कोबरा इकाइयों को पूर्ण अभियान के लिए जम्मू कश्मीर भी भेजा जा सकता है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 31 मई (एजें)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन रिवॉल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ)/ पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) से जुड़े एक सक्रिय उगाहीकर्ता कैडर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अहैबाम मंगलसाना सिंह (27) के रूप में हुई है, जो इम्फाल पश्चिम जिले के वांगोई लाइफ्राकपाम मानिंग लेइकाई का निवासी बताया गया है। सुरक्षा बलों ने उसे इम्फाल पूर्व जिले के पोरोम्पट थाना क्षेत्र के न्यू चेकोन इलाके से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, आरोपी क्षेत्र में उगाही गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था और लंबे समय से निगरानी में था। इसी दौरान एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने थौबल जिले के टेकचाम मयाई लेइकाई निवासी साइरोम अल्विसन (26) को इम्फाल पूर्व जिले के खोंगमान मंगजिन इलाके से हिरासत में लिया।

सिक्किम में ऑड-ईवन नियम पर सरकार का यू-टर्न

गंगटोक, 31 मई (एजें)। सिक्किम सरकार ने राज्यभर में लागू किए गए ऑड-ईवन वाहन नियम को वापस ले लिया है। सिक्किम उच्च न्यायालय द्वारा इस संबंध में राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगे जाने के बाद सरकार ने रविवार को नई अधिसूचना जारी करते हुए राज्य के सभी जिलों में निजी वाहनों पर लागू ऑड-ईवन प्रतिबंध समाप्त करने की घोषणा की। हालांकि, गंगटोक नगर क्षेत्र में पहले से लागू ऑड-ईवन व्यवस्था यथावत जारी रहेगी। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य में पेट्रोल (एमएस) और डीजल (एचएसडी) के पर्याप्त भंडार की उपलब्धता की समीक्षा की गई। समीक्षा के बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सरकार को सूचित किया कि वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन भंडार उपलब्ध है। इसके आधार पर राज्य सरकार ने 14 मई 2026 की अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए निजी वाहनों पर लगाया गया ऑड-ईवन प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से हटा दिया।हालांकि, गंगटोक शहर के भीतर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा पहले से लागू ऑड-ईवन व्यवस्था जारी रहेगी। इसके अलावा सरकारी वाहनों पर लागू प्रतिबंधों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।राज्यभर में लागू ऑड-ईवन नियम को लेकर पिछले कुछ समय से लोगों में असंतोष देखा जा रहा था। आम नागरिकों, छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, किसानों, छोटे व्यापारियों और दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों ने इस व्यवस्था से होने वाली कठिनाइयों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की थी।इसी बीच रविवार सुबह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सिक्किम प्रदेश ने भी एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य सरकार से ऑड-ईवन नियम वापस लेने की मांग की थी। भाजपा ने कहा कि सिक्किम की भौगोलिक परिस्थितियां, पहाड़ी क्षेत्र, सीमित परिवहन सुविधाएं और बिखरी हुई बस्तियां लोगों को निजी वाहनों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर करती हैं। ऐसे में ऑड-ईवन प्रतिबंध के कारण आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। भाजपा ने कहा कि यद्यपि सरकार द्वारा सार्वजनिक हित और प्रशासनिक प्रबंधन को ध्यान में रखकर उठाए गए कदमों का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन नीतियां व्यावहारिक, मानवीय और लोगों की दैनिक जरूरतों के अनुरूप भी होनी चाहिए।पार्टी के अनुसार इस प्रतिबंध ने कई परिवारों की दिनचर्या को प्रभावित किया और नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ डाला। भाजपा ने लोगों के हित और सुविधा को सर्वोपरि बताते हुए राज्य सरकार से ऑड-ईवन नियम को तत्काल वापस लेने की अपील की थी। पार्टी ने कहा कि वह जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और सिक्किम के लोगों के हित में व्यावहारिक तथा जनोन्मुखी समाधान की मांग करती रहेगी।

गुमिन मिजे को प्रताड़ित करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग

इटानगर, 31 मई (एजें)। अखिल अरुणाचल प्रदेश युवा संगठन (आपियो) ने शनिवार को नशा-विरोधी कार्यकर्ता गुमिन मिज़े को हिरासत में यातना देने में कथित रूप से शामिल सभी पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित करने की मांग की। आपियो के अध्यक्ष किपा कानम ने आज अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिरासत में यातना देना मानवाधिकारों, भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त संवैधानिक सुरक्षा और पुलिस हिरासत में व्यक्तियों के साथ व्यवहार से संबंधित स्थापित दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। पुलिस हिरासत के दौरान मिज़े को कथित रूप से हुए गंभीर मानसिक आघात का हवाला देते हुए, संगठन ने उनके लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की भी मांग की। उत्तर लखीमपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को सौंपे गए एक ज्ञापन में, आपियो ने दावा किया कि हिरासत में मिज़े को गंभीर चोटें आईं हैं। संगठन के अनुसार, मिज़े की तस्वीरों में कथित तौर पर उनके शरीर के विभिन्न हिस्सों पर कई चोट के निशान, नीले धब्बे और सूजन दिखाई दे रहा है, जिससे कथित हिरासत दुर्व्यवहार पर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। संगठन ने अधिकारियों से इस मामले की निष्पक्ष और तटस्थ जांच करने और दोषियों को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया।

मणिपुर पुलिस ने लांच किया ई-मालखाना सिस्टम

इंफाल, 31 मई (एजें)। मणिपुर पुलिस ने पहली बार पुलिस स्टेशन लेवल पर मालखानों (जब्त की गई संपत्ति और केस के सबूतों के लिए तय गोदाम) का कुशल, पारदर्शी और साइंटिफिक मैनेजमेंट पक्का करने के लिए ई-मालखाना सिस्टम शुरू किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि इस डिजिटल पहल का मकसद केस से जुड़ी प्रॉपर्टी और सबूतों के स्टोरेज, ट्रैकिंग और डिस्पोजल को बेहतर बनाना है, साथ ही पुलिस स्टेशन एडमिनिस्ट्रेशन में अकाउंटेबिलिटी, ट्रांसपेरेंसी और ऑपरेशनल एफिशिएंसी को बढ़ाना है।उन्होंने कहा कि इंफाल ईस्ट जिले के इरिलबुंग पुलिस स्टेशन के मालखाना को अपग्रेड करके नए डिजिटल मैनेजमेंट सिस्टम के तहत ई-मालखाना में बदल दिया गया है।यह पहल इंफाल ईस्ट जिले के पुलिस सुपरिटेंडेंट शिवानंद सुर्वे और पुलिस पूजा मलानी, दोनों आईपीएस अधिकारियों ने पुलिस इंफ्रास्ट्रक्चर को मॉडर्न बनाने और सबूत मैनेजमेंट के तरीकों को मजबूत करने की कोशिशों के तहत की थी।अधिकारी के मुताबिक, नया सिस्टम केस प्रॉपर्टी और एग्जिबिट्स का साइंटिफिक स्टोरेज, सही मैनेजमेंट और आसानी से वापस पाना पक्का करता है। ई-मालखाना सिस्टम के तहत, हर एग्जिबिट और जब्त प्रॉपर्टी को कैटलॉग किया जाता है और अच्छी मॉनिटरिंग और मैनेजमेंट के लिए डिजिटली रिकॉर्ड किया जाता है। हर आइटम को एक यूनिक बारकोड दिया जाता है जिसमें एफआईआर नंबर, कानून के संबंधित सेक्शन, इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर का नाम, एग्जिबिट्स का डिस्क्रिप्शन, फोटो, मौजूदा स्टेटस और डिस्पोजल डिटेल्स जैसी डिटेल्ड जानकारी होती है।बारकोड संबंधित केस रिकॉर्ड से भी जुड़ा होता है, जिससे जांच या कोर्ट की कार्रवाई के दौरान जब भी जरूरत हो, सबूतों की जल्दी पहचान, वेरिफिकेशन और उन्हें वापस पाना आसान हो जाता है।ई-मालखाना सिस्टम डिजिटल रिकॉर्ड मैनेजमेंट के जरिए केस प्रॉपर्टीज के सिस्टमैटिक डॉक्यूमेंटेशन, अकाउंटेबिलिटी, ट्रांसपेरेंसी और बेहतर सुरक्षा को बढ़ावा देता है।

त्रिपुरा चिटफंड घोटाले में कोर्ट की सुनवाई

अगरतला, 31 मई (एजें)। त्रिपुरा के बहुचर्चित चिटफंड मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। पश्चिम त्रिपुरा जिले के अगरतला स्थित विशेष सीबीआई अदालत ने एक निजी कंपनी और उसके तीन शीर्ष अधिकारियों को दोषी ठहराते हुए छह-छह साल के सश्रम कारावास की सजा सुनायी है।अदालत ने जिन आरोपियों को दोषी पाकर सजा सुनायी है, उनमें मेसर्स प्रगति शील इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स एंड सर्विसेज लिमिटेड के सीएमडी अरिंदम दास, निदेशक परितोष दास और प्रशासनिक निदेशक दीपशिखा चक्रवर्ती (दास) शामिल हैं। जेल की सजा के साथ-साथ अदालत ने इन तीनों दोषियों पर तीन-तीन लाख रुपये का व्यक्तिगत जुर्माना भी लगाया है।

मेघालय में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप

शिलांग, 31 मई (एजें)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने रविवार सुबह मेघालय में हल्का भूकंप दर्ज किया। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र पश्चिम खासी हिल्स जिले में था।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रविवार सुबह 6.50 बजे मेघालय के पश्चिम खासी हिल्स जिले में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र अक्षांश 25.488 उत्तर और देशांतर 90.995 पूर्व में स्थित था। इसकी गहराई 10 किलोमीटर बताई गई है। इस भूकंप का केंद्र चेरापूंजी से लगभग 77 किलोमीटर डब्ल्यूएनडब्ल्यू दिशा में था।अभी तक किसी प्रकार की क्षति या हानि की सूचना नहीं मिली है। चूंकि भूकंप की तीव्रता कम थी और गहराई भी केवल 10 किलोमीटर थी, इसलिए इसका असर सीमित रहा। स्थानीय लोगों ने हल्का कंपन महसूस किया, लेकिन किसी भी जगह पर जान-माल की क्षति की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।इससे कुछ घंटे पहले राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ताजिकिस्तान में एक मध्यम तीव्रता का भूकंप दर्ज किया था। इस भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का समय 31 मई 2026, सुबह 02:45:57 आईएसटी था। इसका केंद्र अक्षांश 38.187 उत्तर और देशांतर 73.742 पूर्व पर 120 किलोमीटर की गहराई में था। यह भूकंप फैजाबाद (अफगानिस्तान) से लगभग 305 किलोमीटर ईएनई दिशा में था।भारतीय उपमहाद्वीप में भूकंप की गतिविधियां सामान्य मानी जाती हैं क्योंकि भारत कई सक्रिय फॉल्ट लाइनों पर स्थित है। उत्तर-पूर्वी भारत (मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश आदि) भूकंप की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। यह क्षेत्र भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट की टेक्टॉनिक गतिविधियों के कारण बार-बार कंपन महसूस करता रहता है।बता दें कि मेघालय में वर्ष 1897 में आए 8.1 तीव्रता वाले भयंकर भूकंप को इतिहास का सबसे विनाशकारी भूकंप माना जाता है, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

नगालैंड में नाबालिग के यौन शोषण की मेघालय के सीएम ने की कड़ी निंदा

एजल, 31 मई (एजें)। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने रविवार को नागालैंड में 'चांग' समुदाय की एक नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन शोषण की घटना की कड़ी निंदा की है।सीएम कोनराड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में सीएम संगमा ने लिखा, 'नागालैंड में 'चांग' समुदाय की एक नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन शोषण की मैं कड़ी निंदा करता हूं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं और इनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।'मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी बच्चे को इस तरह के मानसिक आघात से नहीं गुजरना चाहिए। उन्होंने इस मामले में जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार सख्त सजा दिए जाने की मांग की। सीएम संगमा ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे इस मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें और पॉक्सो एक्ट समेत सभी संबंधित कानूनों के तहत पीड़िता को पूर्ण न्याय दिलाएं।उन्होंने पीड़िता और उसके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, 'मेरी संवेदनाएं पीड़िता और उसके परिवार के साथ हैं। हमें बच्चों के खिलाफ होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार के विरुद्ध एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए और हर बच्चे के लिए एक सुरक्षित समाज बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।'यह घटना उत्तर-पूर्वी राज्यों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर उठने वाले सवालों को फिर से तीखा बनाती है। पॉस्को एक्ट के तहत नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है, लेकिन सामाजिक स्तर पर जागरूकता और तेज न्याय प्रक्रिया की अभी भी जरूरत है।मेघालय के मुख्यमंत्री का यह बयान क्षेत्रीय एकजुटता और बाल सुरक्षा के मुद्दे पर मजबूत संदेश देता है। उत्तर-पूर्वी राज्यों में बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय की मांग लंबे समय से की जा रही है।कोनराड संगमा की सरकार पहले भी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रही है। इस घटना पर उनका तीखा रुख राज्य में बाल सुरक्षा कानूनों को और मजबूती से लागू करने का संकेत देता है।

हेराफेरी मामले में पुलिस अधिकारियों की हिरासत बढ़ी

अगरतला, 31 मई (एजें)। त्रिपुरा में खोवाई की एक अदालत ने तेलियामुरा प्रतिबंधित सामग्री की हेराफेरी मामले से जुड़े एक निलंबित सब-इंस्पेक्टर की पुलिस रिमांड बढ़ा दी है और गिरफ्तार किये गये तीन अन्य पुलिस अधिकारियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।सरकारी अधिवक्ता अभिजीत भट्टाचार्य के मुताबिक, खोवाई के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सब-इंस्पेक्टर राजेंद्र रींग को अतिरिक्त पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने की मंजूरी दी है, जिनकी पहचान इस अपराध के मुख्य साजिशकर्ता के रूप में की गयी है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने लैनिंगथौ सनमाही मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला

इंफाल, 31 मई (एजें)। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने 31 मई को इंफाल के लेनिंगथौ सनमाही मंदिर परिसर में आयोजित एक समारोह में लेनिंगथौ सनामाही मंदिर बोर्ड (एलएसटीबी) के अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण और स्वागत कार्यक्रम में बोर्ड के सदस्यों, पुजारियों, पुजारियों और भक्तों ने भाग लिया, जिन्होंने मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री के आगमन पर उनका स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि राज्य की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संरक्षित करना सामाजिक प्रगति और विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने मणिपुर की स्वदेशी सांस्कृतिक प्रथाओं की सुरक्षा और प्रचार के उद्देश्य से प्रयासों के लिए समर्थन का वादा किया। मंदिर मामलों के प्रबंधन में उचित प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के रखरखाव और विकास से संबंधित मुद्दों पर बोर्ड की बैठकों के माध्यम से चर्चा की जा सकती है और संबोधित किया जा सकता है। राज्य में मौजूदा स्थिति का जिक्र करते हुए, सिंह ने मणिपुर में शांति और स्थिरता की आशा व्यक्त की और राज्य की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान, काबुई, चोथे और मारिंग समुदायों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक शॉल से सम्मानित किया। उन्होंने कार्यक्रम के तहत मंदिर परिसर में एक पौधा भी लगाया।

सिक्किम ने विजन 2047 : संचालन और कार्यकारी समितियों का किया गठन

गंगटोक, 31 मई (एजें)। सिक्किम सरकार ने अगले दो दशकों में राज्य के विकास और परिवर्तन का मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से एक दीर्घकालिक विकास खाका 'सिक्किम विजन 2047' तैयार करने के लिए एक संचालन समिति और एक कार्यकारी समिति का गठन किया है। यह पहल भारत सरकार के विकसित भारत 2047 कार्यक्रम के अनुरूप शुरू की गई है, जो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 2047 में भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी के लिए दीर्घकालिक विकास रणनीतियां तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करती है। एक के अनुसार आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, विज़न 2047 दस्तावेज़ विभिन्न क्षेत्रों में सिक्किम की विकास संबंधी आकांक्षाओं, प्राथमिकताओं और नीति निर्देशों को परिभाषित करेगा। रोडमैप में समावेशी आर्थिक विकास, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, बुनियादी ढांचे के विकास, शासन सुधार, नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और मानव संसाधन विकास पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। 2047 के महत्व को एक राष्ट्रीय मील के पत्थर के रूप में पहचानते हुए, राज्य सरकार ने सिक्किम के अद्वितीय भौगोलिक, पारिस्थितिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ के अनुरूप एक विज़न दस्तावेज़ तैयार करने का निर्णय लिया है। इस अभ्यास का उद्देश्य दीर्घकालिक योजना और नीति कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करना है। संचालन समिति की अध्यक्षता मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) करेंगे, जबकि एमेरिटस और सिक्किम सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार प्रोफेसर महेंद्र पी. लामा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

त्रिपुरा में अवैध घुसपैठ पर सख्ती, 2022 से अब तक 3700 विदेशी गिरफ्तार

अगरतला, 31 मई (एजें)। त्रिपुरा में 2022 से अब तक भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में 3,705 से अधिक विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 3,463 बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं।गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार वर्ष 2022 में 965 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार किए गए थे। इसके बाद 2023 में 1014, वर्ष 2024 में 947 और 2025 में अब तक 537 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है।अधिकांश विदेशी नागरिकों को कानूनी और राजनयिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उनके देशों में वापस भेज दिया गया है। फिलहाल 220 गिरफ्तार विदेशी नागरिक त्रिपुरा की विभिन्न जेलों में बंद हैं।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए कुल 3706 विदेशी नागरिकों में 227 रोहिंग्या हैं जबकि बाकी नाइजीरिया, कैमरून, गिनी, फ्रांस और पाकिस्तान जैसे देशों के नागरिक हैं।हाल ही में त्रिपुरा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा था कि सरकार सीमा पार से होने वाली घुसपैठ को रोकने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है।उन्होंने बताया कि ढाका में सत्ता परिवर्तन के बाद गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप राज्य के सभी आठ जिलों में विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) का गठन किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा, 'एसटीएफ सिर्फ घुसपैठ रोकने का काम नहीं कर रही बल्कि संभावित आतंकी गतिविधियों, मादक पदार्थों की तस्करी, कट्टरपंथी संगठनों और अंतरराष्ट्रीय अपराधों पर भी कड़ी निगरानी रख रही है।'गृह विभाग का भी प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के कुछ हिस्सों में विभिन्न कारणों से अभी भी कांटेदार तार की बाड़ पूरी नहीं हो सकी है।उन्होंने कहा, 'राज्य सरकार सीमा पार से होने वाली घुसपैठ के मामले में कोई समझौता नहीं करेगी।' साथ ही फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल को रोकने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।त्रिपुरा की 856 किलोमीटर लंबी सीमा बांग्लादेश से लगती है और राज्य तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा हुआ है। इसलिए यह क्षेत्र अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य सीमा पार अपराधों के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है।राज्य के करीब 21 किलोमीटर हिस्से को छोड़कर अधिकांश सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है ताकि तस्करी, सीमा पार अपराध और अवैध आवाजाही को रोका जा सके।सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जून-जुलाई 2024 में बांग्लादेश में हिंसा शुरू होने और 5 अगस्त 2024 को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी व सुरक्षा और अधिक कड़ी कर दी गई है।इस बीच, त्रिपुरा हाईकोर्ट ने हाल ही में राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर घुसपैठ रोकने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करे। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने यह निर्देश एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।यह याचिका वरिष्ठ नेता रंजीत देबबर्मा समेत तीन लोगों ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि गृह मंत्रालय के निर्देशों के बावजूद राज्य सरकार घुसपैठ रोकने के लिए पर्याप्त प्रभावी कदम नहीं उठा रही है।रंजीत देबबर्मा ने कहा कि राज्य की आंतरिक सुरक्षा और आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा के लिए घुसपैठ को तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि कई अवैध प्रवासी कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की मदद से भारतीय पहचान और निवास संबंधी दस्तावेज हासिल करने में सफल रहे हैं।इन दस्तावेजों में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, स्थायी निवास प्रमाणपत्र (पीआरसी), स्वास्थ्य कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज शामिल हैं।देबबर्मा ने कहा कि बांग्लादेशी नागरिकों की भाषा, खानपान, शारीरिक बनावट और सांस्कृतिक विशेषताएं त्रिपुरा के कई स्थायी निवासियों से मिलती-जुलती हैं, जिससे अवैध घुसपैठियों की पहचान करना काफी कठिन हो जाता है।

बंगाल में अभिषेक बनर्जी पर हमले से गरमायी सियासत

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर हिंसा, आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक ध्रुवीकरण के केंद्र में आ गयी है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर सोनारपुर में हुए कथित हमले ने राज्य की राजनीतिक फिजां को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। अभिषेक बनर्जी जब चुनाव बाद हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे थे, तभी विरोध प्रदर्शन को बीच उन पर अंडे और पत्थर फेंके गये तथा धक्का-मुक्की की घटनाएं सामने आयीं। तृणमूल कांग्रेस ने इसे भाजपा समर्थित सुनियोजित हमला बताया है। जबकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए, इसे जनता के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया है। लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध स्वाभाविक है, लेकिन हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती है। किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि पर हमला केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी चोट माना जाता है। यही कारण है कि विभिन्न दलों के नेताओं ने इस घटना की निंदा की है और राजनीतिक मतभेदों को हिंसक रूप न देने की अपील की है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पश्चिम बंगाल हालिया विधानसभा चुनाव के बाद राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। चुनाव परिणामों ने राज्य की सत्ता संरचना में बड़ा बदलाव पैदा किया है और राजनीतिक दलों के बीच तनाव चरम पर है। अभिषेक बनर्जी पहले से ही कई राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में उन पर हुआ हमला केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि बदलते राजनीतिक समीकरणों का संकेत भी माना जा रहा है। बांग्लादेश की राजनीति का दुर्भाग्य यह रहा है कि यहां वैचारिक संघर्ष कई बार सड़क की लड़ाई में बदल जाता है। सत्ता परिवर्तन के बाद भी यदि राजनीतिक प्रतिशोध और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को होता है। लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि विरोध का जवाब तर्क, बहस और जन-समर्थन से दिया जाए, न कि पत्थरों और नारों से। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि लगातार बढ़ती कटुता और उग्र बयानबाजी कार्यकर्ताओं के बीच टकराव को बढ़ावा देती है। जब शीर्ष नेतृत्व संयमित भाषा का प्रयोग नहीं करता, तब जमीनी स्तर पर तनाव और अधिक बढ़ जाता है। इसलिए सभी दलों की जिम्मेवारी है कि वे राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा करे। अभिषेक बनर्जी पर हमले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी आवश्यक है। साथ ही यह घटना सभी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का अवसर है। यदि बंगाल को विकास, निवेश और सामाजिक सौहार्द की दिशा में आगे बढ़ाना है, तो राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को समाप्त करना होगा। लोकतंत्र की असली ताकत संवाद है, संघर्ष नहीं।

क्या सिद्धारमैया को हटाने का फैसला कांग्रेस को पड़ सकता है भारी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 28 मई को अपना इस्तीफा दे दिया। इस इस्तीफे के साथ ही प्रदेश में नेतृत्व का संघर्ष समाप्त हो गया है। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद कर्नाटक में डीके शिवकुमार ने कमान संभाल ली है। सिद्धारमैया को हटाये जाने से उनके समर्थकों में आक्रोश है और वे इसके लिए राहुल गांधी को जिम्मेदार मानते हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने संगठनात्मक संकट तो टाल दिया है, लेकिन अब उसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सिद्धारमैया की लोकप्रियता, उनके सामाजिक गठबंधन और राहुल गांधी की सामाजिक न्याय वाली राजनीति के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा जाए।

हाईकमान ने सिद्धारमैया से इस्तीफा क्यों मांगा : 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बड़ी जीत मिली। इस जीत का श्रेय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार को दिया जाता है। इसी वजह से चुनाव के बाद उनके समर्थकों को उम्मीद थी कि डीके शिवकुमार ही प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे, लेकिन उस वक्त पार्टी नेतृत्व ने सिद्धारमैया को कमान सौंपी। उसके बाद से ही वहां सत्ता का संघर्ष कायम था। डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री तो बन गये, लेकिन उनकी नजर सीएम की कुर्सी पर बराबर बनी रही। इस वजह से पार्टी नेतृत्व पर एक तरह का दबाव बना रहता था कि वे डीके शिवकुमार को सीएम की कुर्सी सौंपे। ऐसी चर्चाएं भी होती रही थीं कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सीएम की कुर्सी ढाई-ढाई साल के लिए बंटी हुई है। सिद्धारमैया का इस्तीफा इसी शक्ति संतुलन को बनाये रखने का प्रयास है।

> सिद्धारमैया कुरुबा समुदाय से आते हैं, जो कर्नाटक का एक प्रभावशाली पिछड़ा वर्ग है। सिद्धारमैया के बारे में यह कहा जाता है कि उन्होंने अल्पसंख्यक, पिछड़ों और दलितों को जोड़कर एक खास तरह का समीकरण बनाया था, जिसने प्रदेश में कांग्रेस को जीत दिलायी, क्योंकि उनका जनाधार बहुत मजबूत है। अब जबकि सिद्धारमैया से सत्ता छिन गयी है, उनके वोट बैंक में असंतोष है, इसका असर 2028 के चुनाव में दिख सकता है और संभव है कि भारतीय जनता पार्टी की तरह कांग्रेस भी चुनाव हार जाए।

कांग्रेस पार्टी को क्यों होगा नुकसान : सिद्धारमैया कर्नाटक में कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। उनका बड़ा जनाधार है। सिद्धारमैया कुरुबा समुदाय से आते हैं, जो कर्नाटक का एक प्रभावशाली पिछड़ा वर्ग है। सिद्धारमैया के बारे में यह कहा जाता है कि उन्होंने अल्पसंख्यक, पिछड़ों और दलितों को जोड़कर एक खास तरह का समीकरण बनाया था, जिसने प्रदेश में कांग्रेस को जीत दिलायी, क्योंकि उनका जनाधार बहुत मजबूत है। अब जबकि सिद्धारमैया से सत्ता छिन गयी है, उनके वोट बैंक में असंतोष है, इसका असर 2028 के चुनाव में दिख सकता है और संभव है कि भारतीय जनता पार्टी की तरह कांग्रेस भी चुनाव हार जाए। हालांकि पूरा ओबीसी वोटबैंक कांग्रेस के पाले से खिसक जाएगा, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता है, लेकिन कुछ प्रतिशत वोट के खिसकने से हार-जीत हो जाती है, यह भी एक सच्चाई है। सिद्धारमैया के इस्तीफे से पिछड़ों में यह बात घर कर गयी है कि कांग्रेस ने अन्याय किया है। कई जगह पर कुरुबा समुदाय के नेताओं ने प्रदर्शन भी किया है।

राहुल गांधी की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा?

राहुल गांधी की छवि पर असर : राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं, जिससे उनकी छवि पिछड़ों और दलितों की हितैषी के रूप में रही है। सिद्धारमैया के इस्तीफे से राहुल गांधी की छवि पर असर पड़ा है, पिछड़ा वर्ग उन्हें अपने विरोधी के रूप में देख रहा है, जो उनकी छवि पर असर डाल रहा है और उनपर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगा रहा है। डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं, जो प्रभावशाली है और अन्य पिछड़ा वर्ग में ही आती है। संभव है कि वे इस समुदाय को अपने साथ जोड़कर रख पाएं और पार्टी को नुकसान होने से बचा पाएं।

- रजनीश आनंद

। संपादकीय ।

सत्ता की ठसक से बाहर नहीं निकल पा रहे ममता-अभिषेक

सत्येंद्र प्रताप सिंह

सत्ता जाने के बाद भी ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के व्यवहार में सत्ता की ठसक साफ दिखायी दे रही है। ममता बनर्जी आज भी सोशल मीडिया पर अपने नाम के साथ पूर्व मुख्यमंत्री लिखने को तैयार नहीं हैं। उनके फेसबुक और एक्स हैंडल पर अब भी 15वीं, 16वीं और 17वीं विधानसभा की मुख्यमंत्री लिखा हुआ है। इससे यही प्रतीत होता है कि वे विधानसभा चुनाव के परिणामों को सहजता से स्वीकार नहीं कर पा रही हैं।

दूसरी ओर, अभिषेक बनर्जी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, उपनेता प्रतिपक्ष और मुख्य सचेतक की नियुक्ति संबंधी एक पत्र विधानसभा अध्यक्ष को भेजा। विधानसभा अध्यक्ष ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। जब तृणमूल कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जतायी, तो विधानसभा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि पार्टी के महासचिव किस अधिकार से यह प्रस्ताव भेज रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जिन विधायकों ने इन नेताओं का चयन किया है, उनके हस्ताक्षर कहां हैं?

इसके बाद नामित नेता प्रतिपक्ष शोभनदेव चट्टोपाध्याय, नामित उपनेता असीमा पात्रा व नयना बंद्योपाध्याय, नामित मुख्य सचेतक फिरहाद हकीम और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता कुणाल घोष कुछ विधायकों के साथ विधानसभा परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे धरने पर बैठ गये और नारेबाजी करने लगे। वे विधानसभा अध्यक्ष से मिलने की मांग करते हुए कई बार उनके कक्ष के बाहर भी पहुंचे, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा।

जब विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों के हस्ताक्षरयुक्त प्रस्ताव की मांग की, तब 6 मई की उसी चिट्ठी को दोबारा भेजा गया, जिस पर बाद में 19 मई को विधायकों के हस्ताक्षर कराये गये।

आरोप यह भी है कि इस पत्र पर कुछ ऐसे विधायकों के हस्ताक्षर मौजूद हैं, जो 6 मई की बैठक में शामिल ही नहीं थे। जैसे, कैनिंग पूर्व विधानसभा सीट से विधायक मोहम्मद बहरुल इस्लाम। ऐसे कई विधायक हैं जो 6 मई की बैठक में नहीं थे लेकिन उनके हस्ताक्षर पत्र में हैं।

पूरी घटना को सिलसिलेवार समझते हैं। 4 मई को मतगणना होती है व ममता बनर्जी की सत्ता का अंत होता है। 6 मई को टीएमसी विधायक दल की बैठक होती है, ममता बनर्जी स्वयं पार्टी का नेता, उप नेता और मुख्य सचेतक चुन देती हैं। अभिषेक बनर्जी उसके बाद इससे सम्बंधित पत्र विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय को भेज देते हैं।

सीआईडी तक पहुंच गया मामला : राजनीति अब यहीं से करवट लेती दिख रही है। चुनावी पराजय के बाद जहां तृणमूल कांग्रेस विद्रोह और पलायन की समस्या से जूझ रही थी, वहीं अब वह हस्ताक्षर विवाद के संकट में फंसती नजर आ रही है। कुछ विधायकों के हस्ताक्षरों में असमानता की शिकायत मिलने के बाद विधानसभा की ओर से कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी। इसके बाद पुलिस ने सीआईडी की मदद से जांच शुरू कर दी है।

हस्ताक्षरों की सत्यता परखने के लिए सीआईडी की टीम हस्ताक्षर विशेषज्ञ (हैंडराइटिंग एक्सपर्ट) और वीडियोग्राफर के साथ कई टीएमसी विधायकों के घर पहुंची। टीम ने चौरंगी की विधायक नयना बंद्योपाध्याय, बेलेघाटा के विधायक कुणाल घोष, कैनिंग पूर्व के विधायक मोहम्मद बहरुल इस्लाम और डोमजूर के विधायक तापस माइती से पूछताछ की। बोलपुर के विधायक चंद्रनाथ सिन्हा के घर भी टीम पहुंची, हालांकि इसकी स्पष्ट वजह सामने नहीं आयी।

दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के एक प्रस्ताव पर 80 में से 70 विधायकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया है। अब उन्हीं हस्ताक्षरों की प्रामाणिकता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। जब कुछ तृणमूल कांग्रेस के विधायक स्वयं कह रहे हैं कि उन्होंने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किये, तो फिर सवाल उठता है कि वे हस्ताक्षर किसने किये?

विवाद की शुरुआत कैनिंग पूर्व के विधायक मोहम्मद बहरुल इस्लाम के हस्ताक्षर को लेकर हुई। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक वह इस मामले पर अधिक टिप्पणी नहीं करेंगे। उनके अनुसार जांच अधिकारियों ने उनसे पूछा कि 6 मई को वह कहां थे। उन्होंने बताया कि उस दिन वह अपने घर भांगड़ में थे।

उन्हें एक बैठक से संबंधित हस्ताक्षर दिखाया गया, जबकि उनका कहना है कि वह उस दिन किसी बैठक में शामिल नहीं हुए थे और चुनाव बाद हुई हिंसा के कारण घर पर ही थे।

सीआईडी की टीम चौरंगी की विधायक और नामित उपनेता नयना बंद्योपाध्याय के घर भी काफी देर तक रही। नयना बंद्योपाध्याय ने बताया कि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गयी है। उनका कहना था कि यह कोई विधानसभा का दस्तावेज नहीं, बल्कि पार्टी का दस्तावेज है। उनके अनुसार पार्टी ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया था और उन्होंने उस कागज पर हस्ताक्षर नहीं किये थे क्योंकि वहां पर्याप्त जगह नहीं थी।

वहीं, नामित नेता प्रतिपक्ष और बालीगंज के विधायक शोभनदेब चटर्जी ने आरोप लगाया कि विधायकों को अनावश्यक रूप से परेशान और भयभीत किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि नयना बंद्योपाध्याय ने हस्ताक्षर किये थे, बावजूद इसके उनसे कहा गया कि हस्ताक्षर उनके नहीं हैं। जांच अधिकारी उनका पैन कार्ड का फोटो भी लेकर गये।

हस्ताक्षरों में समानता न होना खड़े करता है सवाल : दिलचस्प बात यह है कि नयना बंद्योपाध्याय द्वारा विधायक पद की शपथ लेने के बाद किये गये आधिकारिक हस्ताक्षर और विवादित प्रस्ताव पर मौजूद हस्ताक्षर में समानता नहीं पायी जा रही है। ऐसे में अब सबकी नजर हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट पर टिकी है, जो इस विवाद की दिशा तय कर सकती है।

फिलहाल कोलकाता पुलिस और सीआईडी मामले की जांच में जुटी हैं। रिपोर्ट आने और आगे की कार्रवाई शुरू होने के बाद यह विवाद अदालत तक पहुंच सकता है। अदालती प्रक्रिया और विधानसभा अध्यक्ष के संवैधानिक अधिकारों को देखते हुए इतना स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक चुनौतियों का दौर अभी समाप्त होता नहीं दिख रहा।

संकेत साफ हैं कि तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक संकट की यह कहानी अभी लंबी चलने वाली है।

आधुनिक जीवन व आध्यात्मिक उपभोक्तावाद का उदय

अनन्या मिश्रा

आज का समय एक विचित्र परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। आध्यात्मिकता, जिसे कभी आत्म-अन्वेषण, मौन और आंतरिक परिवर्तन की प्रक्रिया माना जाता था, धीरे-धीरे एक जीवन-शैली उत्पाद में परिवर्तित होती दिखायी दे रही है। अब ध्यान केवल साधना नहीं, वेलनेस रूटीन बनता जा रहा है; मौन केवल आत्म-संवाद नहीं, एक एक्सपीरियंस-पैकेज बन चुका है; और आध्यात्मिकता का अर्थ अनेक बार आंतरिक अनुशासन से अधिक बाहरी प्रस्तुति में दिखायी देता है। यह परिवर्तन केवल सामाजिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और चेतनात्मक स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रश्न यह नहीं कि आध्यात्मिकता लोकप्रिय क्यों हो रही है; प्रश्न यह है कि क्या उसकी गहराई उसी अनुपात में जीवित भी रह पा रही है।

कुछ वर्ष पहले तक आध्यात्मिक साधना का संबंध विराम, एकांत और आत्म-निरीक्षण से जोड़ा जाता था। आज वही आध्यात्मिकता तीव्र उपभोग की संस्कृति का हिस्सा बनती जा रही है। लोग ध्यान-शिविरों में जाते हैं, आध्यात्मिक पुस्तकों का संग्रह करते हैं, प्रेरणादायक वाक्यों को साझा करते हैं, परंतु अनेक बार यह सब एक सूक्ष्म सामाजिक पहचान का हिस्सा अधिक प्रतीत होता है। ऐसा लगता है मानो आध्यात्मिकता भी अब व्यक्तित्व-निर्माण का एक आधुनिक प्रतीक बन गयी है। जिस प्रकार लोग अपने वस्त्र, यात्राएं या जीवन-शैली प्रदर्शित करते हैं, उसी प्रकार अब आध्यात्मिक होना भी कई बार एक सांस्कृतिक प्रदर्शन में बदलता दिखायी देता है।

यहां समस्या आध्यात्मिक गतिविधियों में नहीं है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब साधना अनुभव से अधिक उपभोग का विषय बन जाती है। उपभोग का स्वभाव बाहरी होता है; वह अनुभव को ग्रहण तो करता है, पर उसे आत्मसात नहीं करता। आध्यात्मिकता का स्वभाव इसके विपरीत है। वह व्यक्ति को भीतर की ओर ले जाती है, जहां प्रदर्शन का कोई अर्थ नहीं रहता। यही कारण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा में आध्यात्मिकता को सदैव आंतरिक अनुशासन से जोड़ा गया, न कि बाहरी पहचान से।

कठोपनिषद् में कहा गया है : नायमात्मा प्रवचनेन लभ्यो न मेधया न बहुना श्रुतेन। अर्थात आत्मा केवल प्रवचन, बुद्धि या बहुत सुन लेने से प्राप्त नहीं होती। यह श्लोक आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। हम आध्यात्मिक विचारों को सुन तो रहे हैं, पर क्या हम उन्हें जी भी रहे हैं? हम ध्यान के बारे में पढ़ते हैं, पर क्या वास्तव में कभी अपने भीतर के शोर के साथ बैठे हैं? हम शांति की चर्चा करते हैं, पर क्या हमारे जीवन की गति वास्तव में शांत हुई है? यही अंतर आध्यात्मिक अनुभव और आध्यात्मिक उपभोग के बीच की रेखा है।

समकालीन जीवन में यह प्रवृत्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि आधुनिक मनुष्य भीतर से अत्यधिक थका हुआ है। निरंतर प्रतिस्पर्धा, डिजिटल जीवन, सामाजिक तुलना और मानसिक उत्तेजना ने व्यक्ति को भीतर से रिक्त कर दिया है। ऐसे में आध्यात्मिकता उसे आकर्षित करती है, क्योंकि वह शांति और अर्थ का वादा करती है। परंतु उपभोक्तावादी संस्कृति हर चीज को त्वरित अनुभव में बदल देती है। इसलिए आध्यात्मिकता भी अब कई बार त्वरित शांति के रूप में प्रस्तुत की जाती है, जैसे कुछ दिनों के लिए किसी आध्यात्मिक शीतल के यात्रा, कुछ घंटों का ध्यान, कुछ प्रेरणादायक वाक्य। इससे अस्थायी राहत तो मिल सकती है, पर बड़ा परिवर्तन नहीं।

आध्यात्मिक परिवर्तन धीमी प्रक्रिया है। वह व्यक्ति से धैर्य, ईमानदारी और आत्म-संघर्ष की मांग करता है। उसमें व्यक्ति को स्वयं के भय, अहंकार, असुरक्षाओं और भ्रमों का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि वास्तविक साधना आकर्षक कम और परिवर्तनीय अधिक होती है। वह व्यक्ति को बदलती है, केवल सांत्वना नहीं देती। पर आज का समय अनुभव से अधिक अनुभव की छवि को महत्व देता है। यही कारण है कि कई बार आध्यात्मिकता का बाहरी स्वरूप उसके वास्तविक सार से अधिक दिखायी देने लगता है।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि आधुनिक आध्यात्मिकता पूरी तरह सतही हो चुकी है। वास्तव में यह एक संक्रमणकाल है। लोग खोज रहे हैं, पर दिशा स्पष्ट नहीं है। वे अर्थ चाहते हैं, पर उनकी आदतें अभी भी उपभोग की संस्कृति से संचालित हैं। इसलिए आध्यात्मिकता और उपभोक्तावाद का यह मिश्रण दिखायी देता है। यह विरोधाभास आज की चेतना की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है : भीतर गहराई की खोज और बाहर त्वरित संतुष्टि की आदत।

आध्यात्मिकता का वास्तविक स्वरूप तब प्रकट होता है जब व्यक्ति स्वयं से ईमानदारी से प्रश्न पूछना आरंभ करता है। क्या मैं शांति को अनुभव करना चाहता हूं या केवल शांत दिखाई देना चाहता हूं? क्या मैं साधना को जी रहा हूँ, या केवल उसके विचारों का संग्रह कर रहा हूं? क्या मेरी आध्यात्मिकता मुझे भीतर से अधिक सजग और करुणाशील बना रही है या केवल मेरी पहचान का नया हिस्सा बन रही है? यही प्रश्न व्यक्ति को बाहरी उपभोग से भीतर की यात्रा की ओर ले जाते हैं।

सत्य तो यह है कि आध्यात्मिकता कोई वस्तु नहीं है जिसे खरीदा, प्रदर्शित या संग्रहित किया जा सके। वह चेतना की अवस्था है, जो धीरे-धीरे जीवन में उतरती है। उसे अनुभव करने के लिए केवल ज्ञान पर्याप्त नहीं, बल्कि आत्म-सत्यनिष्ठा आवश्यक है। और शायद आज के समय का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है - क्या हम आध्यात्मिकता को जीना चाहते हैं, या केवल उसका अनुभव उपभोग करना चाहते हैं।

आरबीआई का लाभांश एक राहत भर है

अजित रानाडे

गिरता हुआ रुपया आमतौर पर व्यापक आर्थिक समस्या माना जाता है। इससे आयात महंगे हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है और निवेशकों का भरोसा डगमगाता है, पर भारत के हालिया अनुभव ने एक विचित्र विरोधाभास पैदा किया है। जिस रुपये की कमजोरी बाहरी आर्थिक दबाव बढ़ाती है, वही केंद्र सरकार के लिए राजकोषीय लाभ भी पैदा कर रही है। रिजर्व बैंक ने रुपये को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर बेचे, जिससे उसे भारी लाभ हुआ। यही लाभ अधिशेष के रूप में केंद्र को स्थानांतरित किया जाता है। इस तरह आरबीआइ केवल मुद्रा प्रबंधन नहीं कर रहा, धीरे-धीरे सरकार के राजकोषीय स्थिरकर्ता और लगभग खजांची की भूमिका निभाने लगा है।

रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को रिकॉर्ड 2,86,588 करोड़ रुपये का अधिशेष हस्तांतरण मंजूर किया है। बताया जा रहा है कि यह अधिशेष आरबीआइ की मजबूत आय से आया है, जिसमें रुपये को सहारा देने के लिए बड़े पैमाने पर डॉलर बिक्री और विदेशी परिसंपत्तियों पर अधिक आय शामिल हैं। करीब 2.9 लाख करोड़ रुपये छोटी राशि नहीं है। यह केंद्र की कुल राजस्व प्राप्तियों का लगभग आठ फीसदी है। इससे सरकार को बिना टैक्स बढ़ाये, बिना खर्च घटाये और बिना अधिक उधार लिये वित्तीय राहत मिलती है। कच्चे तेल की ऊंची कीमत, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और राजकोषीय घाटे के दबाव के समय यह राहत बहुत उपयोगी है। पर यह चिंता का कारण भी है। राहत धीरे-धीरे आदत बन सकती है। रिजर्व बैंक ने कई वर्षों में तब डॉलर खरीदे थे, जब रुपया काफी मजबूत था।

आज जब वही डॉलर कमजोर रुपये के मुकाबले बेचे जाते हैं, तो आरबीआइ को रुपये में लाभ होता है। आर्थिक पूंजी ढांचे के अनुसार सोने या विदेशी मुद्रा के पुनर्मूल्यांकन से हुए अवास्तविक लाभ बांटे नहीं जाने चाहिए। पर विदेशी मुद्रा संचालन से हुई वास्तविक आय आरबीआई की कमाई में शामिल होती है और बाद में सरकार को अधिशेष के रूप में दी जाती है। यानी रुपये की कमजोरी ने सरकार को अप्रत्याशित वित्तीय लाभ दिया है। वही गिरावट, जो आयातकों को नुकसान पहुंचाती है, तेल महंगा करती है, देश की डॉलर आधारित जीडीपी घटाती है और विदेशी निवेशकों को चिंतित करती है, वही आरबीआई के लिए डॉलर बिक्री पर लाभ पैदा करती है। यह एक और कारण से महत्वपूर्ण है।

यदि भारत की नॉमिनल जीडीपी रुपये के संदर्भ में 10 फीसदी बढ़ती है, पर डॉलर के मुकाबले रुपया 10 फीसदी से अधिक गिर जाता है, तो डॉलर के हिसाब से भारत की जीडीपी लगभग स्थिर रह जाती है। यह सिर्फ सांख्यिकीय मामला नहीं है। वैश्विक रैंकिंग, निवेशकों की धारणा और भू-राजनीतिक प्रभाव डॉलर में मापे जाते हैं। कोई देश घरेलू स्तर पर तेजी से बढ़ सकता है, पर यदि मुद्रा का अवमूल्यन उस लाभ को खत्म कर दे, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह स्थिर दिखायी दे सकता है। इसलिए लगातार कमजोर होता रुपया एक रणनीतिक चिंता बन सकता है। पर इसका अर्थ यह नहीं कि हर कीमत पर रुपये की रक्षा की जाए।

भारत चालू खाता घाटे वाली अर्थव्यवस्था है। वह जितना निर्यात करता है, उससे अधिक आयात करता है। भारत में मध्यम अवधि में महंगाई दर भी अमेरिका की तुलना में अधिक रहती है। इसलिए रुपये का कुछ कमजोर होना स्वाभाविक है। कमजोर रुपया उपयोगी भी हो सकता है।

यह निर्यात प्रतिस्पर्धा को बचाता है, गैर-जरूरी आयातों को हतोत्साहित करता है और अर्थव्यवस्था को बाहरी असंतुलनों को नजरअंदाज करने से रोकता है। खतरा केवल अवमूल्यन नहीं है। असली खतरा अव्यवस्थित अवमूल्यन है। ऐसे में, आरबीआई का हस्तक्षेप उचित है। उसका काम अस्थिरता कम करना, घबराहट रोकना और बाजार की उम्मीदों को स्थिर रखना है। यहां एक नैतिक राजकोषीय प्रश्न है। यदि रुपये की रक्षा से आरबीआई को भारी लाभ होता है और वही लाभ सरकार के घाटे को कम करने में मदद करता है, तो रुपये की गिरावट में छिपा हुआ राजकोषीय फायदा दिखायी देने लगता है। यह स्वस्थ प्रोत्साहन व्यवस्था नहीं है। किसी भी सरकार को केंद्रीय बैंक की विदेशी मुद्रा गतिविधियों को नियमित आय का स्रोत नहीं मानना चाहिए। भारत की राजकोषीय व्यवस्था में पहले से ही सरकारी उधारी के लिए एक अंतर्निहित समर्थन तंत्र मौजूद है।

वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) के तहत बैंकों को अपनी जमा राशि का बड़ा हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करना होता है। इससे सरकारी कर्ज के लिए एक निश्चित बाजार बन जाता है। यह कानूनी और लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था है। लेकिन यह वित्तीय दमन का एक रूप भी है, क्योंकि घरेलू बचत का एक हिस्सा नियमों के माध्यम से सरकारी उधारी में लगाया जाता है। यदि इसके साथ सरकार आरबीआई के बड़े अधिशेष हस्तांतरण पर भी निर्भर होने लगे, तो मौद्रिक प्राधिकरण और राजकोषीय सहायता के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। रिजर्व बैंक वित्त मंत्रालय नहीं है। उसका काम मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता, मुद्रा प्रबंधन और मौद्रिक विश्वसनीयता बनाये रखना है। वह सरकार का बैंकर जरूर है, पर उसे सरकार की नकदी देने वाली मशीन नहीं बनना चाहिए।

हालिया रिकॉर्ड अधिशेष को इसलिए सावधानी से देखना चाहिए। यह स्वागतयोग्य है, लेकिन सामान्य राजस्व नहीं है। यह विनिमय दर, डॉलर बिक्री, वैश्विक ब्याज दरों और आरबीआई की जोखिम प्रावधान व्यवस्था पर निर्भर करता है। यह आयकर या जीएसटी जैसा स्थायी स्रोत नहीं है। इसे सरकार की स्थायी राजकोषीय गणना का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। भारत को रिजर्व बैंक के अधिशेष हस्तांतरण का स्वागत करना चाहिए, लेकिन उस पर निर्भर नहीं होना चाहिए। बेहतर रास्ता यह है कि निर्यात बढ़ाये जाएं, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के जरिये तेल पर निर्भरता कम की जाए, सोने का अनावश्यक आयात घटाया जाए, टिकाऊ एफडीआई आकर्षित की जाए, घरेलू विनिर्माण को मजबूत किया जाए और कारोबार करने की सुविधा बेहतर बनायी जाए। रुपये की कमजोरी एक चेतावनी है। आरबीआई का लाभांश एक राहत है। पर राहत कभी नींव नहीं बन सकती। एक मजबूत सरकार के लिए मजबूत केंद्रीय बैंक जरूरी है। मुद्रास्फीति नियंत्रण, मुद्रा स्थिरता, बैंकिंग स्थिरता, कर्ज प्रबंधन और भंडार सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले केंद्रीय बैंक को वित्तीय रूप से मजबूत रहना ही होगा। इसलिए भारत के केंद्रीय बैंक को मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता का संरक्षक बने रहना चाहिए, न कि सरकार की वित्तीय सुविधा का शांत वित्तपोषक।

व्यंग्य

महज विरोध के लिए विरोध करने का फलसफा

कुछ लोग धरती पर जन्म सिर्फ विरोध करने के लिए ही लेते हैं। विरोध क्यों कर रहे हैं? किसलिए कर रहे हैं? इससे उन्हें खास मतलब नहीं रहता। उन्हें विरोध करना है तो करना है।

आप यह न समझिएगा कि वे विरोधी स्वभाव के होते हैं। दरअसल, ऐसा उनके साथ कुछ नहीं होता। विरोध तो वे इसलिए करते हैं ताकि अपने मन की भड़ास निकाल सकें। दरअसल, मन की भड़ास ही उनका विरोध होती है।

इन दिनों उनका विरोध तेल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ भड़का है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब वे तेल की आड़ में सरकार को न कोसें। कोसने वालों में विपक्ष के लोगों की भूमिका बड़ी है। वे बतलाना चाहते हैं कि सरकार की बेरुखी और तेल की ऊंची कीमतों से एक अकेली जनता ही नहीं बल्कि वे भी उतना ही त्रस्त हैं। वे कितना त्रस्त हैं। उनके कड़ी धूप से लस्त-पस्त चेहरे, बहुत अच्छे से बतला देते हैं।

ज्यादातर विरोध करने वालों में वो क्लास आगे रहती है, जिसके घर में हर किसी की अपनी अलग गाड़ी होती है। तेल के दाम चाहे 100 रुपये पार ही क्यों न निकल जाएं, उन पर खास असर नहीं पड़ता। लेकिन विरोध तो उन्हें करना है। कुछ विरोध अक्सर इसलिए भी जताये जाते हैं ताकि समाज के बीच विरोध की प्रासंगिकता कायम रह सके। बाकी विरोध में कितने प्रतिशत विरोध होता है, कितने प्रतिशत विट; यह हम बहुत अच्छे से जानते-समझते हैं।

गजब तो ये है कि तेल इतना महंगा होने के बाद भी न सड़कों पर न घरों में गाड़ियां कम हुई हैं। जबकि अब गाड़ियों को चलाने के लिए सड़कें कम पड़ने लगी हैं। फ्लाई-ओवर बनाये जा रहे हैं। मगर हमारे गाड़ियों के प्रति मोह में कहीं कोई कमी नहीं आयी है। फिर भी रोना जारी है कि सरकार तेल की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाती!

या तो हम बहुत नादान हैं या फिर निरे मूर्ख। तेल में आयी महंगाई को हम पॉजिटिव रूप में क्यों नहीं लेते। तेल के दाम बढ़ाये ही इसलिए गये हैं ताकि हम फिर से साइकिल पर लौट सकें। पैदल चलने को आदत में ला सकें। अपने ऊपर से तेल के खर्च का अतिरिक्त बोझ कम कर सकें। मोटर-स्कूटर न चलाकर वातावरण में प्रदूषण न फैला सकें। पर लोग हैं कि समझने को तैयार ही नहीं। विरोध करने पर उतारू हैं। जबकि यह बात वे भी अच्छे से जानते हैं कि विरोध करने से होना-हवाना कुछ नहीं। खामख्वाह एक्स्ट्रा एनर्जी ही खर्च होनी है।

- अंशु माली रस्तोगी

मन की बात में बिहार के स्थानीय उत्पादों का जिक्र राज्य के लिए गौरव की बात : सम्राट चौधरी

पटना, 31 मई (भा.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने मन की बात कार्यक्रम में बिहार के स्थानीय उत्पादों का जिक्र करना राज्य के निवासियों के लिए गौरव की बात है। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 134वीं कड़ी में मोदी ने बिहार के पारंपरिक भोजन सत्तू (भुने हुए चने का आटा) को गर्मी से निपटने का एक महत्वपूर्ण साधन बताया और राज्य के प्रसिद्ध जरदालू आम का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार चौधरी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भीषण गर्मी से राहत पाने के उपाय के रूप में बिहार के पारंपरिक और पौष्टिक पेय सत्तू का जिक्र किया और राज्य के प्रसिद्ध जरदालू आम का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री द्वारा इन क्षेत्रीय उत्पादों का जिक्र करना राष्ट्रीय मंच पर बिहार की अनूठी पहचान को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ये टिप्पणियां बिहार के किसानों, उद्यमियों और आम नागरिकों की मेहनत को स्वीकार करती हैं और राज्य की समृद्ध कृषि और खाद्य परंपराओं को दर्शाती हैं। चौधरी ने कहा कि बिहार की इन विशिष्टताओं को राष्ट्रीय मंच पर स्थान मिलने से राज्य के स्थानीय उत्पादों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अधिक पहचान मिलेगी और किसानों एवं उत्पादकों को प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अपनी सांस्कृतिक विरासत, कृषि उपज और लोक परंपराओं के माध्यम से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा, बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय उत्पादों और जनजीवन से जुड़े मुद्दों का जिक्र करने के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। राष्ट्रीय मंच पर स्थान मिलने से राज्य के लोगों का उत्साह और गौरव बढ़ा है।

जनता 2027 के चुनावों में भाजपा की सारी तिकड़म निकाल देगी : अखिलेश यादव

लखनऊ, 31 मई (भा.)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर अनैतिक तरीकों से चुनाव जीतने का आरोप लगाया और दावा किया कि लोग भविष्य के चुनावों में पार्टी की राजनीतिक चालों को नाकाम कर देंगे। यादव ने यह बात भाजपा विधायक श्याम प्रकाश के शनिवार के एक बयान के जवाब में कही। प्रकाश ने कहा था कि चुनाव केवल विकास के आधार पर नहीं जीते जाते, बल्कि तिकड़म और रणनीति के माध्यम से भी जीते जाते हैं। भाजपा विधायक के इस बयान का वीडियो एक्स पर साझा करते हुए यादव ने पार्टी पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा में जितना अधिक बेईमान व्यक्ति होता है, वह उतना ही ऊंचा पद पाता है। उन्होंने कहा, भाजपा बेईमानी से चुनाव जीतती है, इस बात को स्वीकार करके भाजपा के विधायक ने भ्रष्ट भाजपायी राजनीति का एनकाउंटर कर दिया है ।

संक्षिप्त खबरें

बिहार के 18 जिलों में बारिश-वज्रपात का अलर्ट जून से सितंबर तक सामान्य से कम होगी वर्षा

पटना, 31 मई (एजें.)। बिहार के कई जिलों में आंधी, गरज-चमक और वज्रपात की संभावना जताई गयी है। राज्य के 18 जिलों को यलो अलर्ट श्रेणी में रखा गया है, जबकि शेष जिलों में किसी विशेष चेतावनी की आवश्यकता नहीं बताई गयी है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, गया, पटना, नालंदा, नवादा, बेगूसराय, शेखपुरा और लखीसराय जिलों में मौसम खराब रहने की संभावना है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका, जमुई, वैशाली, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। इन जिलों में आज सुबह से धूप निकली है। कई जिलों में वज्रपात के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की आशंका है। बिहार में इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान सामान्य से कम वर्षा होने के संकेत मिले हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग () के दीर्घावधि पूर्वानुमान के अनुसार जून से सितंबर 2026 के बीच देश के साथ-साथ बिहार के कई हिस्सों में वर्षा सामान्य से कम रह सकती है। इससे कृषि क्षेत्र और जल संसाधनों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। दक्षिण-पश्चिम मानसून काल (जून से सितंबर) के दौरान सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। यह पूर्वानुमान किसानों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राज्य की कृषि काफी हद तक मानसूनी बारिश पर निर्भर रहती है।

गोंडा में कोडीन युक्त कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ी गयी, बिक्री पर रोक

गोंडा, 31 मई (भा.)। गोंडा जिले में कोडीन युक्त कफ सिरप की एक बड़ी खेप मिलने के बाद प्रशासन ने बिक्री पर रोक लगाकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी (एडीएम) आलोक कुमार ने बताया कि कौड़िया क्षेत्र की एक फार्मा फर्म ने नोएडा से कोडीन युक्त कफ सिरप की खेप मंगायी थी। यह खेप जिला मुख्यालय पर जानकी नगर स्थित एक परिवहन कंपनी के गोदाम पर पहुंची थी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और औषधि विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। इस खेप में 132 गत्ते शामिल हैं। औषधि निरीक्षक सुमित वर्मा के अनुसार, गत्तों में कफ सिरप की 3,168 बोतलें हैं। अधिकारियों के अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने दवाओं के नमूने जांच के लिए भेज दिये हैं। जांच पूरी होने तक इसकी बिक्री पर रोक लगा दी गयी है। संबंधित फर्म ने खरीद के बिल और दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। फर्म से पिछले छह माह के खरीद-बिक्री संबंधी रिकॉर्ड भी मांगे गये हैं। एडीएम ने बताया कि जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इतनी बड़ी मात्रा में कोडीन युक्त कफ सिरप किस प्रयोजन से मंगाई गयी थी और इसकी आपूर्ति किन क्षेत्रों में होनी थी। पूरे रिकॉर्ड और आपूर्ति श्रृंखला की विस्तृत जांच की जा रही है। जिले में इससे पहले भी कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध भंडारण और बिक्री के मामले सामने आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक 2025 में की गयी कार्रवाई में तीन मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित किये गये थे जबकि एक फार्मा फर्म का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया था।

कुशीनगर में एक युवक की हत्या मोबाइल टावर के पास मिला शव

कुशीनगर, 31 मई (भा.)। कुशीनगर जिले के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक की हत्या कर दी गयी और उसका शव एक मोबाइल टावर के पास मिला। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के बरडीहा गांव निवासी संदीप यादव (24) को शनिवार रात करीब 11 बजे कोई उसके घर से बुलाकर ले गया। परिजनों के अनुसार, संदीप ने किसी को अपने घर से जाने की जानकारी नहीं दी थी। देर रात करीब एक बजे संदीप के मोबाइल से गांव के ही एक युवक को फोन पर बताया गया कि संदीप मोबाइल टावर के पास पुलिया पर गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा है। सूचना पर जब ग्रामीण वहां पहुंचे तो संदीप मृत मिला। अहिरौली बाजार थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी प्रविन्द्र राय ने बताया कि पुलिस हत्या के कारणों और आरोपियों की तलाश में जुट गयी है। उन्होंने कहा कि जांच की जा रही है कि संदीप को किसने बुलाया और हत्या क्यों की गयी।

शाहजहांपुर में रामगंगा नदी में डूबने से दो लड़कों की मौत

शाहजहांपुर, 31 मई (भा.)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में रामगंगा नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से दो लड़कों की डूबकर मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान सर्वज्ञ (15) और उत्कर्ष (16) के रूप में हुई है। दोनों पड़ोसी हरदोई जिले के रूपापुर क्षेत्र स्थित एक चीनी मिल में कार्यरत कर्मचारियों के बेटे थे। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बताया कि यह घटना शनिवार को अल्लाहगंज थाना क्षेत्र में हुई। दोनों लड़के अपने एक मित्र के साथ स्कूटर से रामगंगा नदी पर गये थे। पुलिस के अनुसार, सर्वज्ञ और उत्कर्ष नदी में नहाने के लिए उतरे थे, लेकिन वे गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे। उनके साथी काव्य ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। दीक्षित ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोज अभियान शुरू किया, लेकिन दोनों लड़कों का पता नहीं चल सका। इसके बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम को भी बचाव अभियान में लगाया गया। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह दोनों लड़कों के शव नदी से बरामद कर लिए गये। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ऑर्केस्ट्रा की लड़कियों ने युवक के घर किया हंगामा, संचालक पर लगा गंभीर आरोप

दरभंगा, 31 मई (एजें.)। दरभंगा के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के पंडसराय में ऑर्केस्ट्रा टीम में काम करने वाली लड़कियां एक युवक के घर पहुंच गईं और नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर गलत धंधा कराने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। मामला इतना बढ़ गया कि सड़क पर दोनों पक्षों के लोगों के बीच घंटों तक हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा और भारी भीड़ जुट गयी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची बहादुरपुर थाना पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। लड़कियों का आरोप है कि ऑर्केस्ट्रा संचालक लड़कियों का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देता है और गलत काम करने के लिए दबाव बनाता है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक राधेश्याम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामला तब और भड़क गया जब पुलिस वाहन के चालक द्वारा कथित रूप से युवतियों के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे जाने का आरोप लगा, जिसके बाद युवतियां और आक्रोशित हो गईं। काफी समझाने-बुझाने के बाद पुलिस वाहन को वहां से जाने दिया गया। बताया जाता है कि बहेड़ी थाना क्षेत्र के भच्छी गांव निवासी कृष्ण कन्हैया उर्फ राधेश्याम पर आरोप लगाया गया है कि वह 28 मई की रात ऑर्केस्ट्रा में काम करने वाली एक लड़की को जबरन बहेड़ी के एक होटल में ले गया था। आरोप है कि उसके बाद से वह लड़की लापता है। लड़कियों का कहना है कि पूछताछ करने पर आरोपी यह नहीं बता रहा है कि लड़की कहां है और किस हालत में है। पीड़ित पक्ष की लड़कियां काफी खोजबीन के बाद पंडसराय मोहल्ले पहुंचीं और राधेश्याम से लड़की को वापस करने की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया। हंगामे के दौरान बहादुरपुर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची। इस दौरान लड़कियां पुलिस वाहन के सामने खड़ी हो गईं और अपनी साथी लड़की की बरामदगी की मांग करने लगीं।

चुनाव विकास से नहीं, तिकड़म से जीते जाते हैं : भाजपा विधायक श्याम प्रकाश

हरदोई, 31 मई (भा.)। हरदोई जिले के गोपामऊ विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक श्याम प्रकाश ने कहा कि चुनाव विकास से नहीं, तिकड़म से जीते जाते हैं। प्रकाश अपने बयान को लेकर फिर चर्चा में हैं। टड़ियावां ब्लॉक में प्रधानों के कार्यकाल में छह माह की वृद्धि पर शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में उन्होंने चुनाव और राजनीति पर बेबाक टिप्पणी की। कार्यक्रम में प्रधानों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा, चुनाव केवल विकास कार्यों के आधार पर नहीं जीते जाते। राजनीतिक तिकड़म और रणनीति भी अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, हमने भी बहुत विकास कार्य कराकर देख लिए। जिन गांवों में सड़कें बनवा दीं, वहां के बक्सों में वोट ही नहीं निकले। चुनाव विकास से नहीं, तिकड़म से जीते जाते हैं। प्रकाश ने प्रधानों से आगामी पंचायत चुनाव की तैयारी करने को कहा। उन्होंने कहा, साम, दाम, दंड, भेद जो भी तिकड़म कर पाना कर लेना, लेकिन अगला चुनाव जीतना है। विधायक ने प्रधानों से कहा कि ऐसा कोई कार्य न करें जिससे भाजपा सरकार का प्रधानों पर से विश्वास उठ जाए। सरकार और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय बनाये रखना जरूरी है ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। प्रधानों के कार्यकाल में छह माह की बढ़ोतरी के फैसले का स्वागत करते हुए मौजूद प्रधानों ने खुशी जताई। समारोह में बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान और क्षेत्र के लोग मौजूद रहे, जहां विधायक श्याम प्रकाश का फूल-मालाओं और स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों का पालन करते हुए निवर्तमान ग्राम प्रधानों को ही ग्राम पंचायतों का प्रशासक नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, बयान में यह स्पष्ट किया गया है कि निवर्तमान प्रधान नयी ग्राम पंचायतों के गठन तक या अधिकतम छह महीने की अवधि तक पंचायतों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों का संचालन करते रहेंगे। राज्य की ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई, 2026 को समाप्त हो गया था।

बीपीएससी शिक्षिका विवाद में गुंजन कुमारी का बयान
पति के आरोपों को बताया बेबुनियाद कोर्ट में चल रहा मामला

वैशाली, 31 मई (एजें.)। शिक्षिका प्रकरण में अब शिक्षिका गुंजन कुमारी का बयान सामने आया है। उन्होंने अपने पति अमन कुमार के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए गये आरोपों को आज तक साबित नहीं किया गया है। उनका कहना है कि वे चिल्ला-चिल्ला कर मीडिया में बयान नहीं दे रही हैं, बल्कि न्याय पाने के लिए अदालत का सहारा लिया है। गुंजन कुमारी ने बताया कि इंटरमीडिएट के बाद उनकी शादी हुई थी और बाद में उन्होंने किया। इसके बाद . में दाखिले के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उनके पति और परिवार दोनों ने किसी न किसी रूप में मदद की, तब जाकर उन्होंने . पूरा किया। इसके बाद उन्होंने और अन्य परीक्षाएं पास करने के लिए कड़ी मेहनत की और अंततः के जरिए शिक्षक बनीं। शिक्षिका ने कहा कि उनके पति यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने पढ़ाई के लिए जमीन बेची, लेकिन यह सच नहीं है। उनके अनुसार जमीन उनके पति ने अपने इलाज के लिए बेची थी, न कि उनकी पढ़ाई के लिए। उन्होंने कहा कि उनके पति बार-बार आरोप लगा रहे हैं लेकिन कोई भी आरोप अदालत में साबित नहीं कर पाए हैं। गुंजन कुमारी ने बताया कि उनकी 2023 में सुपौल जिले में पोस्टिंग हुई थी, जहां वह अपने बच्चों के साथ रह रही थीं। उन्होंने कहा कि वह अकेले नहीं थीं और स्कूल में अपने कर्तव्यों का पालन कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ अफवाहें फैलाकर उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया गया और स्कूल से हटाने की कोशिश की गयी। शिक्षिका ने कहा कि उनका एक नाबालिग बच्चा है, जिसे उनसे दूर रखा जा रहा है। उन्होंने न्यायालय में बच्चे की कस्टडी के लिए आवेदन दिया है और मीडिया से भी सहयोग की अपील की है। उनका कहना है कि बच्चा उनके पास रहेगा तो वह खुद सच्चाई बता सकेगा। गुंजन कुमारी ने बताया कि उन्होंने अपने पति के खिलाफ तलाक की अर्जी अदालत में दाखिल की है और अपने पक्ष में सबूत भी प्रस्तुत किये हैं। उन्होंने कहा कि उनके पति कोर्ट जाने के बजाय सड़क पर आरोप लगाकर माहौल बना रहे हैं, जबकि न्यायालय में ही सच्चाई सामने आएगी। शिक्षिका ने कहा कि उनके पति द्वारा लगाए गये अफेयर के आरोप पूरी तरह गलत हैं। उन्होंने कहा कि उनके सहकर्मियों या किसी अन्य व्यक्ति के साथ केवल पेशेवर बातचीत होती है, जिसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति बार-बार अनावश्यक विवाद खड़ा कर रहे हैं और लोगों को बदनाम कर रहे हैं। गुंजन कुमारी ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा है और वे चाहती हैं कि मामला कानून के दायरे में ही सुलझे। उन्होंने दोहराया कि बिना सबूत के लगाए गये आरोपों को वे स्वीकार नहीं करतीं और सच्चाई जल्द सामने आएगी।

चॉकलेट समझकर खा ली जहरीली गोली, 12 साल की बच्ची की मौत

जमुई, 31 मई (एजें.)। बिहार के जमुई जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां मासूम बच्चियों की अनजाने में हुई एक छोटी सी गलती ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। जानकारी के अनुसार, खैरा प्रखंड के गम्हरिया गांव में चार सहेलियों ने सड़क पर पड़ी सल्फास की गोली को चॉकलेट समझकर खा लिया। इस घटना में एक बच्ची की मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य बच्चियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया गया कि शुक्रवार दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद चारों बच्चियां घास काटने के लिए गांव के बहियार की ओर गयी थीं। सभी बच्चियां उत्क्रमित मध्य विद्यालय, गम्हरिया की छात्राएं हैं। बहियार के पास एक पुल पर बैठने के दौरान उनकी नजर सड़क पर पड़े एक कागज में लिपटे पदार्थ पर पड़ी। बच्चियों ने उसे चॉकलेट समझ लिया और आपस में बराबर-बराबर बांटकर खा लिया। कुछ देर बाद सभी बच्चियां अपने-अपने घर लौट गईं। शाम होते-होते उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें लगातार उल्टियां होने लगीं। परिजनों ने जब इसकी वजह पूछी तो बच्चियों ने सड़क पर मिली वस्तु खाने की बात बताई। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गयी और परिजन तत्काल सभी बच्चियों को इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन एक बच्ची की हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। गंभीर रूप से बीमार बच्ची की पहचान महेश ठाकुर की 12 वर्षीय पुत्री संजना कुमारी के रूप में हुई। परिजनों ने एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

विधायक पप्पू पांडेय की बढ़ीं मुश्किलें, जमीन विवाद केस जांच अब सीबीआई के हाथों में

गोपालगंज, 31 मई (एजें.)। बिहार के गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र में दर्ज एक हाई-प्रोफाइल और गंभीर आपराधिक मामले की जांच अब अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को सौंप दी गयी है। बिहार सरकार ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इसे आगे की जांच के लिए सीआईडी के हवाले करने का फैसला लिया है। इस मामले में सत्ताधारी दल जदयू के कुचायकोट विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय, उनके भाई सतीश पांडेय और चार्टर्ड अकाउंटेंट राहुल तिवारी समेत कई अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। सीआईडी को जांच मिलने के बाद इलाके के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में सरगर्मी तेज हो गयी है। एक तरफ जहां मामले की जांच का जिम्मा सीआईडी को सौंपा गया है, वहीं दूसरी ओर इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से आरोपी पक्ष को फिलहाल राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान फिलहाल किसी भी प्रकार की दंडात्मक या दबावपूर्ण कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने पटना हाई कोर्ट को सुझाव दिया है कि इस मामले से जुड़ी प्राथमिकी को रद्द करने की याचिका पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई कर जल्द निर्णय लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट के इस रुख के बाद विधायक और उनके समर्थकों ने फिलहाल राहत की सांस ली है। यह पूरा मामला इसी वर्ष 1 अप्रैल को दर्ज कराई गयी एक प्राथमिकी से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ता जितेंद्र कुमार राय ने पुलिस को दिये गये आवेदन में आरोप लगाया था कि कुचायकोट थाना क्षेत्र के बेलवा गांव में स्थित 16 एकड़ 93 डिसमिल की कीमती जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। शिकायत के अनुसार, जब वह अपनी जमीन की देखरेख के लिए पहुंचे तो वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन पर जमीन अपने नाम करने का दबाव बनाया। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने वहां बने कमरे का ताला तोड़कर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया और भय पैदा करने के उद्देश्य से फायरिंग भी की। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भोला पांडेय उर्फ राकेश पांडेय, गुड्डू कुमार, दीपक कुमार और नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हालांकि, मामले का एक मुख्य आरोपी राहुल तिवारी घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है। एफआईआर में शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि जमीन पर कब्जे के प्रयास और पूरी घटना के पीछे एक सुनियोजित साजिश थी, जिसमें विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय और उनके भाई सतीश पांडेय की भूमिका भी शामिल है। सीआईडी को मामला सौंपे जाने के बाद अब स्थानीय स्तर पर कागजी प्रक्रिया शुरू हो गयी है। हालांकि, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार स्थानीय पुलिस ने अभी तक केस से जुड़े सभी रिकॉर्ड और केस डायरी सीआईडी को हस्तांतरित नहीं किये हैं। फिलहाल गोपालगंज पुलिस को सीआईडी की विशेष टीम के पहुंचने का इंतजार है। टीम के आने के बाद सभी दस्तावेज सौंपे जाएंगे और मामले की जांच नये सिरे से आगे बढ़ाई जाएगी।

बिहार में अब सफर होगा महंगा, सरकारी और प्राइवेट बसों का बढ़ जाएगा भाड़ा

पटना, 31 मई (एजें.)। बिहार के आम लोगों की जेब पर महंगाई की एक और मार पड़ने वाली है। परिवहन विभाग ने 1 जून से राज्य की करीब 1500 सरकारी बसों का किराया 10 से 15 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है। सरकारी बसों का किराया बढ़ते ही प्राइवेट बस संचालकों और ऑटो संगठनों ने भी किराया बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। सरकार के नये नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब अलग-अलग श्रेणियों की बसों के लिए प्रति किलोमीटर की दरें अलग-अलग हैं। साधारण बसों का किराया पहले पहले 1.50 प्रति किलोमीटर था, जो अब बढ़कर 1.71 रुपया हो गया है। वहीं एसी डीलक्स बसों का किराया पहले 2.00 रुपए प्रति किलोमीटर था, जो अब बढ़कर 2.30 रुपए प्रति किलोमीटर हो गया है। जबकि प्रीमियम बसों जैसे, वोल्वो और मर्सिडीज आदि बसों में यात्रा करने के लिए यात्रियों को अब 2.88 रुपया प्रति किलोमीटर देना होगा। पटना से चलने वाली एसी सरकारी बसों के किराए में भी बेतहाशा वृद्धि हो जाएगी। पटना से भागलपुर जाने में पहले 500 रूपए देने पड़ते थे, जबकि अब 543 रुपए देने पड़ेंगे। पटना से पूर्णिया जाने में पहले 550 लगता था जो बढ़कर 704 रुपया हो जाएगा। पटना से दरभंगा का किराया पहले 250 रुपया था जो बढ़कर 361 रुपया कर दिया गया है। पटना से गया का किराया पहले 170 रुपया था जो बढ़कर अब 250 रुपया हो गया है। वहीं पटना से सासाराम का किराया 300 रुपए से बढ़कर 339 रुपया कर दिया गया है। पटना से राजगीर का किराया 170 रुपया से बढ़कर 228 कर दिया गया है। पटना से मुजफ्फरपुर का किराया 150 रुपया से बढ़ाकर 218 रुपया कर दिया गया है। सरकारी बसों का किराया बढ़ते ही बिहार मोटर ट्रांसपोर्ट फेडरेशन ने भी राज्य की करीब 40 हजार प्राइवेट बसों का किराया 15 फीसदी बढ़ाने का एलान कर दिया है। फेडरेशन के अध्यक्ष उदय शंकर प्रसाद सिंह ने बताया कि किराए में इस बढ़ोतरी को लेकर रविवार को प्राइवेट बस संचालकों की एक अहम बैठक बुलाई गयी है। इस बैठक में तय किया जाएगा कि प्राइवेट बसों का किराया सरकारी बसों के बराबर रखा जाए, या उससे कम-ज्यादा किया जाए। बसों के साथ-साथ अब पटना में ऑटो से चलना भी महंगा होने वाला है। ऑटो संगठनों की बैठक में किराए में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी पर सहमति बन गयी है। पटना जिला ऑटो रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि पटना समेत पूरे राज्य में ऑटो का किराया 25% बढ़ाने का फैसला लिया जा चुका है। इसका आधिकारिक प्रस्ताव सोमवार को विभाग को सौंप दिया जाएगा, जिसके बाद 5 जून से नयी दरें लागू हो सकती हैं।

दिल्ली से बिहार जाने के दरम्यान ट्रेन में हुआ गर्भपात, आरपीएफ बनी मसीहा

खुर्जा/खुर्जा जंक्शन, 31 मई (एजें.)। बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी चुनचुन कुमार यादव ने बताया कि वह दिल्ली में मजदूरी करते हैं। तीन साल पहले ही उनकी शादी हुई थी तो उनकी पत्नी रूही उनके साथ दिल्ली में रहती थी। चुनचुन ने बताया कि रूही चार माह की गर्भवती थी। ऐसे में सही देखरेख और उपचार के लिए वह रूही को गांव छोड़ने जा रहे थे। बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में सवार महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गयी और गर्भपात हो गया। ऐसे में ट्रेन को तुरंत खुर्जा जंक्शन पर रोका गया, जहां से महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां महिला का उपचार चल रहा है। बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी चुनचुन कुमार यादव ने बताया कि वह दिल्ली में मजदूरी करते हैं। तीन साल पहले ही उनकी शादी हुई थी तो उनकी पत्नी रूही उनके साथ दिल्ली में रहती थी। चुनचुन ने बताया कि रूही चार माह की गर्भवती थी। ऐसे में सही देखरेख और उपचार के लिए वह रूही को गांव छोड़ने जा रहे थे। इसके लिए बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के स्लीपर 5 में सीट बुक कराई थी। रविवार को वह पत्नी के साथ ट्रेन में बैठकर रवाना हो गये। खुर्जा जंक्शन पहुंचने से पहले ही उनकी पत्नी तबीयत बिगड़ी और रक्तस्राव शुरू हो गया, जिसके बाद उन्होंने कंट्रोल रूम पर सूचना दी। दो बजकर दस मिनट पर खुर्जा जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर ट्रेन को रोका गया। जहां पर आरपीएफ उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को स्ट्रेचर की मदद से प्लेटफार्म से बाहर लेकर आए। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से जटिया महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने गर्भपात होने की जानकारी दी। इसके बाद महिला को भर्ती कर उपचार दिया गया। बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में सवार महिला यात्री रूही की तबीयत बिगड़ने पर ट्रेन को तत्काल प्रभाव से रुकवाया गया। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से महिला को जटिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। गर्भवती महिला के रक्त बहने की परेशानी थी।

महानदी विवाद में ओडिशा के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगा बीजद : नवीन पटनायक

भुवनेश्वर, 31 मई (भा.)। बीजू जनता दल (बीजद) के प्रमुख नवीन पटनायक ने कहा है कि उनकी पार्टी महानदी जल विवाद में ओडिशा के हितों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। पटनायक ने शनिवार को यहां अपने आवास नवीन निवास में पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह के साथ एक बैठक के दौरान यह बात कही। पटनायक के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, बीजू जनता दल महानदी जल बंटवारे के मामले में ओडिशा के हितों से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं होने देगा और यह संघर्ष जारी रहेगा। महानदी बचाओ आंदोलन के संयोजक सुदर्शन दास के साथ एक प्रतिनिधिमंडल ने पटनायक से मुलाकात कर पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के साथ नदी के जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से जारी विवाद पर चर्चा की। पूर्व मंत्री देवी प्रसाद मिश्र और राज्य सरकार की महानदी समिति के सदस्य एवं विधायक निरंजन पुजारी भी चर्चा में शामिल हुए। मिश्र ने कहा कि बीजद इस मुद्दे के सामने आने के बाद से महानदी विवाद में राज्य के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा की मांग के बाद केंद्र ने 2018 में महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ ने नदी के ऊपरी हिस्से में बैराज और जल अवरोधक संरचनाएं बनाई हैं, जिससे पानी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हुआ है और ओडिशा में नदी के निचले हिस्से में रहने वाले लोगों के लिए समस्याएं पैदा हुई हैं। मिश्र ने कहा, महानदी एक अंतर्राज्यीय नदी है और कोई एक राज्य बैराज बनाकर उसके प्रवाह को नहीं रोक सकता। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ओडिशा, छत्तीसगढ़ और केंद्र में सत्ता में होने का जिक्र करते हुए पार्टी की आलोचना की। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप कर विवाद का समाधान करने का आग्रह किया। ओडिशा के अटॉर्नी जनरल पीतांबर आचार्य ने कहा कि मामला फिलहाल न्यायाधिकरण के समक्ष विचाराधीन है, लेकिन बातचीत के जरिये राजनीतिक समाधान निकालना बेहतर होगा। आचार्य ने कहा, हम बातचीत के जरिये मामले का समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि न्यायाधिकरण की प्रक्रिया लंबी है। इस बीच, ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने घोषणा की कि पार्टी महानदी बचाओ आंदोलन का समर्थन करेगी।

आप विधायक पठानमाजरा को बलात्कार मामले में नियमित जमानत मिली

चंडीगढ़, 31 मई (भा.)। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत ढ्ढसह पठानमाजरा को उनके खिलाफ पिछले साल दर्ज बलात्कार के मामले में नियमित जमानत दे दी। अदालत ने शुक्रवार को दिये गये आदेश में पठानमाजरा को अपना पासपोर्ट अधीनस्थ अदालत में जमा करने और महीने में दो बार संबंधित थाने में पेश होने का निर्देश दिया। पटियाला के सनौर से पहली बार विधायक बने पठानमाजरा को 25 मार्च को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया था। वह पिछले साल दो सितंबर से बलात्कार के मामले में फरार थे। पंजाब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जब हरियाणा के करनाल गयी थी तब वह हिरासत से भाग निकले थे। बलात्कार, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी के आरोपों में उनके खिलाफ एक सितंबर, 2025 को सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज किया गया था। यह मामला जीरकपुर की एक महिला की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। उसने आरोप लगाया है कि विधायक ने खुद को तलाकशुदा बताकर उससे संबंध बनाए और बाद में 2021 में उससे शादी कर ली, जबकि वह पहले से ही विवाहित थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि वह 2013-14 में फेसबुक के माध्यम से पठानमाजरा के संपर्क में आई थी और उन्होंने अगस्त 2021 में शादी कर ली थी। उसने आरोप लगाया है कि विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पठानमाजरा द्वारा मार्च 2022 में दायर हलफनामे को देखने के बाद ही उसे उनकी मौजूदा शादी के बारे में पता चला।

शादी समारोह के दौरान आइसक्रीम में छिपकली मिलने से मचा हड़कंप प्रशासन से जांच की मांग

सुकमा, 31 मई (एजें.)। सुकमा जिले के एर्राबोर क्षेत्र में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान आइसक्रीम में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार समारोह में आंध्र प्रदेश से पहुंचे कुछ विक्रेता आइसक्रीम बेच रहे थे। इसी दौरान एक आइसक्रीम में छिपकली दिखाई देने के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। घटना के बाद समारोह में मौजूद लोगों ने तत्काल आइसक्रीम खाना बंद कर दिया और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि मामले को लेकर कुछ देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। इधर, घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आइसक्रीम के भीतर छिपकली दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। स्थानीय लोगों ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से खाद्य पदार्थों की जांच और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

तुंगभद्रा नदी में डूब रही लड़की को बचाने की कोशिश में पांच लोग डूबे

मंत्रालयम, 31 मई (भा.)। कुरनूल जिले में तुंगभद्रा नदी में गिरी एक नाबालिग लड़की को बचाने की कोशिश में पांच लोग डूब गये। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे लड़की नदी में अपने पैर धो रही थी, तभी वह फिसल गयी और तेज धारा में बह गयी। अधिकारी ने बताया, लड़की को बचाने की कोशिश में नदी में कूदे पांच लोग डूब गये, हालांकि लड़की को बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस घटना में जान गंवाने वाले सभी व्यक्ति आसपास के गांवों के रहने वाले थे। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम की सहायता से मृतकों के शवों को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

मुंबई में बारिश से कुछ इलाकों में जलजमाव, यातायात बाधित

मुंबई, 31 मई (भा.)। मुंबई में रविवार सुबह मानसून-पूर्व व्यापक बारिश हुई जिससे पिछले कुछ दिनों से गर्मी और उमस से प्रभावित शहर को राहत मिली। मुंबई, इसके पश्चिमी उपनगर और पूर्वी उपनगर समेत कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई जिससे कुछ इलाकों में जलजमाव की सूचना मिली। पड़ोसी नवी मुंबई के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई। दादर, माटुंगा, खार, चेंबूर, मानखुर्द, कुर्ला, सांताक्रूज, विले पार्ले, अंधेरी और वर्सोवा उपनगरों में पिछले एक-दो घंटों में भारी बारिश हुई। जलजमाव के कारण यातायात धीमा हो गया जिससे कुछ क्षेत्रों में वाहन चालकों और यात्रियों को असुविधा हुई। अचानक हुई भारी वर्षा से बचने के लिए कई दोपहिया वाहन चालक फ्लाईओवर, स्काईवॉक और दुकानों के शेड के नीचे शरण लेते दिखे। तत्काल किसी बड़ी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि नगर निगम के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

भारत में विलुप्ति की राह पर बढ़ रहे गिद्धों ने फिर पकड़ी उड़ान

मुंबई, 31 मई (भा.)। विषैली पशु-चिकित्सा दवाओं के कारण लगभग दो दशक पहले भारत में गिद्धों की आबादी बेहद कम हो गयी थी और वे आसमान से लगभग लुप्त हो गये थे लेकिन अब 700 से अधिक गिद्धों के कैद में प्रजनन और चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रमों की बदौलत उनकी वापसी हो रही है तथा देश के संरक्षित बाघ अभयारण्य उनके लिए नये सुरक्षित ठिकाने बन रहे हैं। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) और विभिन्न राज्य सरकारों के नेतृत्व में जारी अत्यंत संकटग्रस्त सफेद-पीठ वाले और लंबी एवं पतली चोंच वाले गिद्धों की पुनर्बहाली परियोजना अब एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच चुकी है। बीएनएचएस के निदेशक किशोर रिठे ने बताया कि हरियाणा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और असम मेंगिद्धों को प्रायोगिक रूप से जंगल में छोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीपीएस और जीएसएम ट्रांसमीटरों के माध्यम से की जा रही निगरानी से उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। उदाहरण के लिए, पेंच बाघ अभयारण्य से छोड़ा गया लंबी चोंच वाला एक गिद्ध केवल 17 दिन में 750 किलोमीटर की यात्रा कर महाराष्ट्र के नासिक पहुंच गया। हालांकि, रिठे ने कहा कि इस परियोजना की दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि संरक्षित क्षेत्रों से बाहर भी गिद्धों के लिए भोजन के सुरक्षित स्रोत उपलब्ध हों। उन्होंने कहा, गिद्धों के प्रजनन और पुनर्स्थापन कार्यक्रम की सफलता तभी संभव है जब संरक्षित क्षेत्रों के बाहर भी उनके लिए सुरक्षित वातावरण बनाया जाए। हानिकारक एनएसएआईडी दवाओं को पूरी तरह खत्म करना और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना इन प्रजातियों के संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। बीएनएचएस ने 1999 में भारतीय उपमहाद्वीप में गिद्धों की आबादी में भारी गिरावट का दस्तावेजीकरण किया था। बाद के शोध में यह साबित हुआ कि डाइक्लोफेनाक नामक पशु-चिकित्सा में प्रयुक्त गैर-स्टेरॉयडल सूजनरोधी दवा (एनएसएआईडी) गिद्धों की सामूहिक मौत का मुख्य कारण थी। पशुओं (विशेष गाय, भैंस) के इलाज में इस दवा का उपयोग किया जाता था। जब ऐसे पशुओं की मृत्यु हो जाती थी, तो उनके शवों में डाइक्लोफेनाक के अवशेष मौजूद रहते थे। गिद्ध इन मृत पशुओं को खाते थे और दवा उनके शरीर में पहुंच जाती थी। इस खोज के बाद 2006 में इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके बाद केटोप्रोफेन, एसेक्लोफेनाक और निमेसुलाइड जैसी अन्य हानिकारक दवाओं पर भी रोक लगाई गयी। गिद्धों को पूर्ण विलुप्ति से बचाने के लिए बीएनएचएस और राज्य वन विभागों ने रॉयल सोसाइटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स (आरएसपीबी) के सहयोग से पिंजौर (हरियाणा), राजाभातखावा (पश्चिम बंगाल), रानी (असम) और भोपाल (मध्य प्रदेश) में चार जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र स्थापित किये। इन केंद्रों में वर्तमान में 740 गिद्ध रखे गये हैं। अब तक इस कार्यक्रम के तहत 80 गिद्ध उपलब्ध कराए गये हैं और 110 गिद्धों को जंगल में छोड़ा जा चुका है। पुनर्स्थापन कार्यक्रम के तहत कई महत्वपूर्ण सफलताएं मिली हैं। वर्ष 2020 में हरियाणा में छोड़े गये सफेद-पीठ वाले गिद्ध अब जंगल में प्राकृतिक रूप से प्रजनन करने लगे हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल से छोड़े गये 31 गिद्ध सुरक्षित रूप से भारत, नेपाल और भूटान तक फैल चुके हैं। इनमें से किसी भी गिद्ध की मृत्यु हानिकारक एनएसएआईडी दवाओं के कारण नहीं हुई। महाराष्ट्र गिद्धों की पुनर्बहाली का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। यहां पेंच, ताडोबा-अंधारी और मेलघाट बाघ अभयारण्यों में गिद्धों को छोड़ा जा रहा है।

सरगना समेत तीन सदस्यों ने झारखंड पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

रांची, 31 मई (भा.)। झारखंड में एक गिरोह के सरगना समेत तीन सदस्यों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। गिरोह के सरगना पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। झांगुर गिरोह के सरगना रामदेव उरांव (47) के खिलाफ 29 आपराधिक मामले दर्ज थे। उसने अपने दो अन्य साथियों के साथ शनिवार रात आत्मसमर्पण किया। रांची (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव गोस्वामी ने बताया, पांच लाख रुपये के इनामी और झांगुर गिरोह के सरगना रामदेव उरांव सहित गिरोह के तीन सदस्यों ने हथियार डाल दिये हैं। उसके दो अन्य साथियों की पहचान प्रसाद उरांव (24) और सुबास उरांव (23) के रूप में हुई है। ये तीनों गुमला जिले के निवासी हैं। अधिकारी ने बताया कि इन अपराधियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक एसएलआर राइफल समेत दो स्वचालित हथियार बरामद किये हैं।

पृष्ठ 1 का शेष

मुख्यमंत्री ने राजनाथ...

उम्मीद की जा रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर असम को देश के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक की जानकारी मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए वरिष्ठ नेता से मिलने को हमेशा एक समृद्ध करने वाला अनुभव बताया। उन्होंने रक्षा मंत्री को बुद्धिमत्ता और ज्ञान का एक बड़ा केंद्र बताते हुए कहा कि उनके एक उत्कृष्ट प्रशासक, समर्पित जनसेवक और अनुभवी पार्टी कार्यकर्ता के विशाल अनुभव से हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने असम विधानसभा चुनावों के दौरान किये गये प्रचार प्रयासों के लिए रक्षा मंत्री का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया और राज्य के भविष्य के विकास के लिए उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन मांगा। इसके साथ ही उन्होंने औद्योगिक विकास और रणनीतिक बुनियादी ढांचे पर राज्य के बढ़ते ध्यान के अनुरूप आने वाले वर्षों में असम को रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। यह महत्वपूर्ण बैठक ऐसे समय में हुई है, जब केंद्र सरकार आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत रक्षा विनिर्माण को मजबूत करने और स्वदेशी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने पर लगातार जोर दे रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच विकसित असम के विजन के तहत राज्य की विकास यात्रा को और तेज करने के रोडमैप पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कहा कि सर्बानंद सोनोवाल डांगोरिया के साथ हर मुलाकात असम के भविष्य पर विचार-विमर्श करने और राज्य की प्रगति की समीक्षा करने का एक बेहतरीन अवसर होती है। इस बैठक में पिछले एक दशक के दौरान असम में हुए विकासात्मक कार्यों की समीक्षा की गई और राज्य की आर्थिक वृद्धि, बुनियादी ढांचे के विकास तथा समग्र प्रगति को मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों नेताओं ने असम को एक विकसित और समृद्ध राज्य बनाने के उद्देश्य से शुरू की जाने वाली प्रमुख पहलों पर अपने विचार साझा किये। यह बैठक असम की विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और विकसित असम के सपने को साकार करने में केंद्र और राज्य सरकार के बीच निरंतर जारी बेहतर समन्वय को दर्शाती है।

एपीडब्ल्यू ने की...

सौमेन बरुवा, अंतिमा देवरा चेरौगी और पूर्व सचिव दुलाल पेगु के नेतृत्व में सरकारी धन की खुली लूट मची, जिसमें दैमारी के करीबी माधव डेका और संयुक्त सचिव दीर्घा बरुआ ने भी पूरा साथ दिया। एपीडब्ल्यू ने इन तमाम जानकारियों को सामने रखते हुए नवनिर्वाचित विधानसभा दास से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। संगठन ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सौमेन बरुआ एंड कंपनी ने असम विधानसभा को पूरी तरह मछली बाजार बनाकर रख दिया था। यहां तक कि एस्कॉर्ट सुरक्षा प्रदान करने वाले एक साधारण व्यक्ति को दैमारी ने विधानसभा अध्यक्ष का विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त कर दिया था। इसके अलावा सेना की ओर से विधानसभा को तोहफे में मिली कीमती वैनिटी वैन आज देखरेख के अभाव में जंगलों के बीच लावारिस हालत में कबाड़ हो रही है। संगठन के नेताओं ने आगे खुलासा किया कि विधानसभा के नए भवन के लिए विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति के नाम पर भी करोड़ों रुपये का गबन किया गया है। इसके साथ ही विधानसभा सचिवालय में नियुक्तियों को लेकर भी बहुत बड़ा घोटाला किया गया, जहां करीब 125 लोगों को विभिन्न पदों पर बैकडोर से नियुक्त किया गया। इनमें से 28 लोगों को सीधे तौर पर तत्कालीन सचिव दुलाल पेगु ने मनमाने ढंग से नौकरी दी थी। एपीडब्ल्यू ने वर्तमान अध्यक्ष दास से आग्रह किया है कि वे बिना देर किए इस पर कड़ी कार्रवाई शुरू करें, जिसके लिए संगठन उन्हें सभी आवश्यक सबूत सौंपने को तैयार है। नेताओं ने तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि लोकतंत्र का यह मंदिर अब अपवित्र हो चुका है, इसलिए जांच के साथ-साथ यहां यज्ञ करवाकर और शांति जल छिड़ककर विधानसभा को फिर से पवित्र किया जाना चाहिए।

जांस के लिए होगा...

मिलकर वह स्वयं पूरे मामले का गहन परीक्षण करेंगे ताकि विधानसभा सचिवालय की पूरी व्यवस्था को दुरुस्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने सचिवालय के भीतर हुई अवैध और नियमों के खिलाफ नियुक्तियों का मुद्दा भी बेहद प्रमुखता से उठाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विधानसभा सचिवालय में अनुचित और गैर-कानूनी तरीके से कई लोगों को पिछले दरवाजे से नौकरियां दी गयी हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि चाहे ये नियुक्तियां अस्थायी आधार पर की गयी हों या फिर मास्टर रोल के आधार पर, जिन भी लोगों को इस तरह गलत तरीके से नियुक्त किया गया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश विधानसभा सचिव को तत्काल प्रभाव से दे दिये गये हैं। इसके अलावा अध्यक्ष ने जनता और संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि यदि इस पूरे प्रकरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति के पास कोई अन्य शिकायत, दस्तावेज या प्रामाणिक जानकारी हो तो वह बिना किसी संकोच के सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। दूसरी तरफ हाल ही में विधानसभा सचिव के साथ-साथ 12 अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को अचानक सेवा से मुक्त किये जाने से उपजे विवाद पर भी दास ने स्थिति पूरी तरह साफ की। उन्होंने इन चर्चाओं को खारिज करते हुए बताया कि जिन कर्मियों के सेवाकाल को पहले प्रशासनिक जरूरतों के चलते आगे बढ़ाया गया था, उनके उसी बढ़े हुए कार्यकाल की समय-सीमा पूरी होने के कारण ही उन्हें सेवा से मुक्त किया गया है। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से वैध है और कानून के तय दायरे में रहकर ही इन सभी कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने का प्रशासनिक कदम उठाया गया है, जिसे किसी भी रूप में विवादों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मोदी ने लोगों से की..

चौसा, मालदा...हर नाम के साथ लोगों की यादें जुड़ी हुई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर कोई दक्षिण भारत जाए तो उसे बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, पश्चिम बंगाल के हिमसागर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सुवर्णरखा जैसी अन्य किस्में मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यानी, जगह बदलती है और साथ ही आम का रूप-रंग एवं उसका स्वाद भी बदल जाता है। आम की यह यात्रा अब गांवों से वैश्विक बाजार तक भी पहुंच रही है।

इस्राइल का लेबनान के...

गोलान ब्रिग्रेड इस्राइल की सेना की सबसे पुरानी पैदल सेना (इंफैंट्री) यूनिट में से एक है। आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसकी एयर डिफेंस यूनिट ने रविवार को ईरानी हवाई सीमा में घुसे अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अधिकारियों के साथ व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में करीब दो घंटे तक बैठक की। इसके बाद भी ईरान के साथ संभावित समझौते पर अंतिम फैसला नहीं लिया। पीट हेगसेथ ने फिर चेतावनी दी है कि ईरान या तो समझौता स्वीकार करे या फिर बल प्रयोग का सामना करने के लिए तैयार रहे। सुप्रीम लीडर के सलाहकार मोहसिन रजाई ने अमेरिका पर कूटनीति को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका समुद्री नाकाबंदी जारी रखकर बातचीत की प्रक्रिया के साथ धोखा कर रहा है। ओमान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक संदिग्ध तैरती हुई समुद्री बारूदी सुरंग (फ्लोटिंग माइन) देखे जाने की जानकारी दी। जहाजों और मछुआरों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की। अमेरिका और ईरान के बीच हुए संघर्ष के दौरान ईरान के ऊपर मार गिराये गये एक अमेरिकी लड़ाकू विमान को लेकर नयी जानकारी सामने आयी है। बताया जा रहा है कि इस विमान को शायद चीन में बनी मिसाइल ने निशाना बनाया था। अमेरिकी समाचार चैनल एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में अमेरिकी एइ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान को कंधे से दागी जाने वाली एक मिसाइल ने मार गिराया था। विमान में दो लोग सवार थे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार अभी भी इस घटना की पूरी जांच चल रही है। हालांकि शुरुआती सबूत इस ओर इशारा करते हैं कि विमान को जिस मिसाइल से निशाना बनाया गया, वह चीन में बनी थी। पेंटागन के मुताबिक विमान से बाहर निकलने के बाद पायलट को करीब सात घंटे के भीतर बचा लिया गया था। वहीं दूसरे अधिकारी को निकालने में अमेरिकी अधिकारियों को करीब 2 दिन लगे थे। रिपोर्ट के अनुसार यह कई दशकों में पहली बार था, जब किसी अमेरिकी लड़ाकू विमान को दुश्मन की सीधी गोलीबारी या मिसाइल हमले में मार गिराया गया। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उन्होंने सेना को लेबनान में अपने जमीनी अभियान का दायरा और बढ़ाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस्राइल अब उन इलाकों पर अपनी पकड़ और मजबूत करेगा जो पहले हिजबुल्लाह के कंट्रोल में थे। यह बयान ऐसे समय आया है, जब इजराइली सेना लितानी नदी को पार कर दक्षिणी लेबनान में और अंदर तक पहुंच चुकी है। इस्राइल ने लितानी नदी से आगे जहरानी नदी तक के इलाके को भी युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है और कई कस्बों के लोगों को वहां से निकलने के आदेश दिये हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि लोग यह सुनकर हैरान होंगे कि हमने ईरानी सेना को क्यों छोड़ा और उसके साथ इतनी नरमी क्यों बरती। ट्रंप के मुताबिक ईरानी सेना को देश की अन्य सरकारी संस्थाओं की तुलना में थोड़ी नरम है।

भारत संग सीमा विवाद...

ब्रिटिश भारत के समय से जुड़ा है। इसलिए नेपाल ने इस मामले पर सिर्फ भारत और चीन ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन से भी बातचीत की है। काठमांडू का मेयर रहते हुए बालेन शाह ने ग्रेटर नेपाल का नक्शा अपने ऑफिस में लगाया था। इसमें हिमाचल के पश्चिमी कांगड़ा से लेकर पश्चिम बंगाल में पूर्वी तीस्ता के एरिया को ग्रेटर नेपाल का हिस्सा बताया गया है। काठमांडू का मेयर रहते हुए बालेन शाह ने ग्रेटर नेपाल का नक्शा अपने ऑफिस में लगाया था। इसमें हिमाचल के पश्चिमी कांगड़ा से लेकर पश्चिम बंगाल में पूर्वी तीस्ता के एरिया को ग्रेटर नेपाल का हिस्सा बताया गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को नेपाल की संसद को संबोधित किया है। इस साल मार्च में हुए चुनावों के बाद सत्ता संभालने के बाद यह पहला मौका है, जब नेपाल के प्रधानमंत्री शाह ने संसद में अपनी बात रखी है। दरअसल, विपक्षी दलों के सांसद लगातार मांग कर रहे थे कि प्रधानमंत्री संसद में आकर देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखें। इसके बाद बालेन शाह ने संसद को संबोधित किया और सांसदों के सवालों के जवाब दिये। नेपाल में मार्च 2026 में बालेन शाह के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक कूटनीतिक और रणनीतिक संबंधों में काफी बदलाव और असहजता देखी गयी है। भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के फैसले पर बालेन शाह प्रशासन ने सख्त आपत्ति जतायी। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोहराया कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा नेपाल का अभिन्न अंग हैं। मई महीने में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री नेपाल के दौरे पर जाने वाले थे, ताकि वे प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से बालेन शाह को भारत आने का आधिकारिक न्योता दे सकें। लेकिन पीएम बालेन शाह ने भारतीय विदेश सचिव को मुलाकात का समय देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण भारत को यह दौरा टालना पड़ा। नेपाल में जब भी कोई नई सरकार बनती है, तो परंपरा के अनुसार वहां के नये पीएम भारतीय राजदूत से अलग से शिष्टाचार मुलाकात करते हैं। हालांकि बालेन शाह ने भारतीय राजदूत से अलग मिलने के बजाय सभी विदेशी राजदूतों से एक साथ (सामूहिक रूप से) मुलाकात की। इससे नयी दिल्ली को यह संदेश गया कि उनकी सरकार भारत को कोई विशेष या पारंपरिक तरजीह नहीं देना चाहती। नेपाल में आम तौर पर परंपरा रही है कि पद संभलाने के बाद प्रधानमंत्री भारत का दौरा करते हैं, लेकिन बालेन ने कार्यभार संभालते ही यह घोषणा कर दी कि वे अपने कार्यकाल के पहले वर्ष किसी भी देश के आधिकारिक दौरे पर नहीं जाएंगे।

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम...

कम 30 खाली फार्म-6 और घोषणा पत्र साथ रखें। इससे ऐसे लोग, जिनका नाम अभी वोटर लिस्ट में नहीं है, नये मतदाता के तौर पर आवेदन कर सकेंगे। जो लोग 28 जून तक एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे बाद में दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान फार्म-6 और घोषणा पत्र के साथ आवेदन कर सकेंगे। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों की भागीदारी बढ़ाने के लिए बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को भी फॉर्म एकत्र करने की अनुमति दी है। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के रोजाना 50 तक फॉर्म लोगों से लेकर ड्राफ्ट प्रकाशन से पहले बीएलए को सौंप सकेंगे। आयोग का कहना है कि राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दल जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त भी नियुक्त कर सकते हैं, ताकि पूरी प्रक्रिया तेजी और सुचारु तरीके से पूरी हो सके। चुनाव आयोग ने सभी पात्र मतदाताओं से इस प्रक्रिया में भाग लेने और घर-घर पहुंचने वाले चुनाव अधिकारियों को सहयोग देने की अपील की है। आयोग का कहना है कि यह अभियान मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए चलाया जा रहा है। चुनाव आयोग ने 14 मई को हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन की घोषणा की थी। यह का तीसरा फेज है। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन होगा।

जनरल सुब्रमणि ने...

शामिल करने और उनके एकीकरण की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में हमेशा पेशेवर दक्षता और निर्णायक सैन्य क्षमता का परिचय दिया है। हम देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं भारत के नागरिकों को आश्वस्त करता हूं कि सशस्त्र बल समर्पण, साहस, सम्मान और पेशेवर दक्षता के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहेंगे। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष के रूप में जनरल सुब्रमणि का मुख्य कार्य एकीकृत सैन्य कमान बनाकर थिएटराइजेशन मॉडल को लागू करना होगा। जनरल सुब्रमणि ने 40 वर्ष से अधिक के अपने शानदार कैरियर में विभिन्न तरह के संघर्ष क्षेत्रों और भौगोलिक परिस्थितियों में सेवा दी तथा कमान, स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी कई पदों पर कार्य किया। उन्होंने एक जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक थलसेना के उप प्रमुख के रूप में सेवा दी और वह मार्च 2023 से जून 2024 तक मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रहे। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के स्नातक हैं। उन्हें 14 दिसंबर, 1985 को गढ़वाल राइफल्स की आठवीं बटालियन में शामिल किया गया था। जनरल सुब्रमणि ब्रिटेन के ब्रैकनेल स्थित संयुक्त सेवा कमान एवं स्टाफ कॉलेज और नयी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के पूर्व छात्र हैं। उनके पास लंदन स्थित किंग्स कॉलेज से स्नातकोत्तर और मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में एमफिल की डिग्री है। उन्होंने ऑपरेशन राइनो के तहत असम में उग्रवाद-रोधी अभियानों में 16 गढ़वाल राइफल्स, जम्मू कश्मीर में 168 इंफैंट्री ब्रिगेड और चुनौतीपूर्ण अभियानगत माहौल में मध्य क्षेत्र में 17 माउंटेन डिवीजन की कमान संभाली। उन्होंने पश्चिमी मोर्चे पर भारतीय सेना की एक प्रमुख स्ट्राइक कोर सहित दो कोर की कमान संभालकर भी अपनी विशिष्ट पहचान बनायी। जनरल सुब्रमणि की स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी नियुक्तियों में एक माउंटेन ब्रिगेड के ब्रिगेड मेजर, कजाखस्तान में रक्षा अताशे, सैन्य सचिव शाखा में सहायक सैन्य सचिव, जम्मू कश्मीर में राष्ट्रीय राइफल्स सेक्टर के उप कमांडर और रक्षा मंत्रालय (थलसेना) के एकीकृत मुख्यालय में सैन्य खुफिया के उप महानिदेशक के पद शामिल हैं।

एडमिरल कृष्णा...

और युद्धक क्षमता बनाये रखे, ताकि वह देश के सुरक्षा और आर्थिक हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा कर सके। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना क्षमता-वृद्धि और आधुनिकीकरण की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि मेरा प्रयास होगा कि नौसेना की प्रगति की गति को बनाये रखा जाए, जारी सभी परियोजनाओं को सुढ़ किया जाए, जहां आवश्यकता हो वहां उन्हें और विस्तार दिया जाए तथा अत्याधुनिक व उभरती प्रौद्योगिकियों को शामिल करके हमारी अभियानगत क्षमताओं को और अधिक मजबूत बनाया जाए। उन्होंने कहा कि मैं अपने जीवन का हर एक दिन नौसेना को और अधिक बेहतर, मजबूत, सक्षम तथा प्रभावशाली बनाने के लिए समर्पित करूंगा, ताकि वह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास और देश की आर्थिक समृद्धि के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा कर सके। एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि भारतीय नौसेना एकीकृत सैन्य कमान, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की भी सराहना करते हुए उन्हें दुनिया के सबसे उत्कृष्ट सैन्य पेशेवरों में से एक बताया। स्वामीनाथन एक जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे और वह संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, ज्वाइंट सर्विसेस कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, श्रीवेनहम, ब्रिटेन, कॉलेज ऑफ नेवल वारफेयर, करांजा और यूएस वॉर कॉलेज, न्यूपोर्ट के पूर्व छात्र हैं। परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित एडमिरल स्वामीनाथन ने अपने नौसैनिक करियर में अभियानों, स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने मिसाइल पोत आईएनएस विद्युत और आईएनएस विनाश, मिसाइल कार्वेट आईएनएस कुलिश, दिशा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मैसूरु तथा विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य की कमान संभाली। रियर एडमिरल के पद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसैन्य कमान मुख्यालय में चीफ स्टाफ ऑफिसर (प्रशिक्षण) के रूप में सेवा दी।

ट्विशा के : सीबीआई...

गवाहों के बयान और मृतका के परिजन द्वारा लगाये गये आरोपों पर पर्याप्त विचार क्यों नहीं किया। हालांकि गिरिबाला सिंह ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बता रही हैं। उन्होंने सीबीआई के सामने यह आशंका भी व्यक्त की कि गर्भपात के बाद अवसाद में आने के कारण ट्विशा ने आत्मघाती कदम उठाया हो सकता है। पूछताछ के दौरान सीबीआई ने केस डायरी में दर्ज गवाहों के बयानों का हवाला देते हुए यह जानने की कोशिश की कि कई गवाह और परिवार के सदस्य लगातार प्रताड़ना और क्रूरता के आरोप क्यों लगा रहे हैं? एजेंसी ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटों का भी जिक्र किया। जांच अधिकारियों ने पूछा कि ट्विशा के शरीर पर मिले कथित मृत्यु-पूर्व चोटों के निशान कैसे आए और उस समय परिवार के सदस्य मौके पर मौजूद थे या नहीं। साथ ही यह भी जानने का प्रयास किया गया कि ये चोटें शव को संभालने की सामान्य प्रक्रिया से मेल क्यों नहीं खातीं। सूत्रों के मुताबिक इन सवालों पर गिरिबाला सिंह ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और अधिकांश समय खामोश रहीं। सीबीआई ने वॉट्एसएप चैट और दूसरे डिजिटल सबूतों को पूछताछ का प्रमुख आधार बनाया है। एजेंसी ने शादी के बाद ट्विशा शर्मा और ससुराल पक्ष के संबंधों, संभावित विवादों और मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से जुड़े आरोपों पर विस्तृत जवाब मांगे हैं। इसके अलावा ट्विशा की गर्भावस्था को लेकर परिवार में हुई चर्चाओं और उस पर कथित दबाव डाले जाने के आरोपों के संबंध में भी सीबीआई ने कई सवाल पूछे हैं। 29 मई को रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। जहां से दोनों को 5-5 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। जांच एजेंसी ने हाईकोर्ट में प्रस्तुत अपने पक्ष का हवाला देते हुए यह भी पूछा कि कई नोटिस जारी होने के बावजूद पूछताछ में उपस्थित होने में देरी क्यों हुई।

अभिषेक बनर्जी पर...

पहुंचीं थी। अपोलो में डॉक्टरों ने अभिषेक को घर पर आराम की सलाह दी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने शनिवार रात प्रेस कांफ्रेंस की। भाजपा नेताओं और दक्षिण कोलकाता के डीसीपी की ओर से डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को धमकी भरे फोन आ रहे थे। अगर अभिषेक की हालत गंभीर नहीं थी तो उन्हें इंटेसिव थैरेपी यूनिट (आईटीयू) में क्यों रखा गया? फिर अचानक उन्हें अस्पताल से छुट्टी क्यों दी गयी? अब अभिषेक का इलाज घर पर ही होगा। उनके घर पर ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य मेडिकल उपकरण लगाये गये हैं। दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित सोनारपुर बेहत संवेदनशील इलाका माना जाता है। यहां टीएमसी और भाजपा के बीच चुनावों के दौरान और बाद में राजनीतिक हिंसा होती रही हैं।

बंगाल मंत्रिमंडल...

अधिकारी ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। अधिकारी के साथ उस दिन चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। इनमें अग्निमित्रा पॉल, निसिथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और के. टुडु शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री के काफिले से अलग होने के बाद भी नहीं हटायी लाल-नीली बत्ती, दुरुपयोग का वीडियो वायरल

कोटा, 31 मई (एजें.)। कोटा में शिक्षा मंत्री के काफिले से जुड़ी एक अनुबंधित बोलेरो गाड़ी का निजी कार्यों में इस्तेमाल किये जाने का मामला सामने आया है। गाड़ी पर अब भी लाल-नीली बत्ती और पुलिस का मोनोग्राम लगा हुआ था, जबकि वह सरकारी ड्यूटी में उपयोग नहीं हो रही थी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और वाहन मालिक के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। राजस्थान के कोटा जिले में सरकारी गाड़ी का निजी काम में इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। सरकारी ड्यूटी से बाहर होने के बावजूद भी गाड़ी पर लाल-नीली बत्ती और पुलिस का मोनोग्राम लगा हुआ था। मामला सामने आने के बाद अब नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो गये हैं। अभी तक सामने आया है कि यह गाड़ी शिक्षा मंत्री के काफिले से जुड़ी हुई थी। लेकिन अब गाड़ी मालिक और उसका परिवार

इसे अपने निजी कार्यों में इस्तेमाल कर रहा है। वहीं वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में भी हड़कंप मच गया है। दरअसल, शिक्षा विभाग के लिए अनुबंधित यह बोलेरो गाड़ी पहले शिक्षा मंत्री के काफिले में शामिल थी। लेकिन एक महीने से पेट्रोल-डीजल की बचत के चलते इस गाड़ी का काफिले में उपयोग नहीं हो रहा था। बावजूद इसके, गाड़ी पर लगी लाल-नीली बत्ती और पुलिस का मोनोग्राम नहीं हटाया गया। सामने आया है कि गाड़ी का मालिक पीरूलाल और उसके परिवार के सदस्य इस वाहन का निजी कार्यों तथा शहर में घूमने के लिए उपयोग कर रहे थे। जिस समय यह वीडियो बनाया गया, उस समय गाड़ी में दो युवक और दो युवतियां मौजूद थीं। गाड़ी मालिक पीरूलाल का दावा है कि अधिकारियों ने उन्हें निजी काम के लिए इस गाड़ी का उपयोग करने की अनुमति दी थी। साथ ही यह भी कहा गया था कि लाल और नीली बत्ती को कपड़े से ढक देना है। वहीं अब शिक्षा विभाग इस पूरे मामले से बचने की कोशिश करता नजर आ रहा है। कुछ जानकारों का कहना है कि जब यह वाहन सरकारी ड्यूटी में इस्तेमाल ही नहीं हो रहा था, तो इस पर से लाल-नीली बत्ती और पुलिस का मोनोग्राम क्यों नहीं हटाया गया? मामला सामने आने के बाद अब पुलिस प्रशासन भी सक्रिय हो गया है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गयी है। कोटा शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुभाष मिश्रा ने बताया कि मामला सामने आने के बाद जांच करवाई जा रही है। साथ ही वाहन की पहचान कर उसके मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं शिक्षा विभाग से भी इस संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह सरकारी मोनोग्राम और पहचान चिह्नों का उपयोग करना गैरकानूनी है।

बाइक सवार को बचाते हुए हवा में उछली स्कॉर्पियो, एक की मौत

दौसा, 31 मई (एजें.)। जयपुर-आगरा हाईवे पर रेटा गांव के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर कई बार पलट गयी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि पांच लोग घायल हो गये। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दौसा जिले में जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-21 पर रेटा गांव के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गयी और एक कार से टकराने के बाद सड़क पर कई बार पलट गयी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि पांच अन्य घायल हो गये। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गयी। सूचना मिलने पर सिकंदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। इनमें से एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर कर दिया गया।

सात हजार रुपये लेते ट्रैफिक प्रभारी रंगे हाथ पकड़ा गया

बारां, 31 मई (एजें.)। बारां में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए यातायात प्रभारी एसआई चंद्रप्रकाश को सात हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी पर अवैध खनन में लगी ट्रैक्टर-ट्रॉली को बिना कार्रवाई संचालित करने देने के बदले मासिक वसूली मांगने का आरोप है। बारां के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को बारां में बड़ी कार्रवाई करते हुए यातायात प्रभारी सब-इंस्पेक्टर (एसआई) चंद्रप्रकाश को सात हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर अवैध खनन में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को बिना किसी रोक-टोक संचालित करने देने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम ने बताया कि 25 मई 2026 को एक परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि यातायात प्रभारी चंद्रप्रकाश ने उसकी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़कर पहले 27,000 रुपये वसूले थे। इसके बाद वाहन को निर्बाध रूप से चलाने देने के एवज में 10,000 रुपये प्रतिमाह 'मासिक बंदी' की मांग की गयी थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी

ने 26 मई को गोपनीय सत्यापन कराया। जांच के दौरान परिवादी से 7,000 रुपये की रिश्वत मांगने की शिकायत सही पाई गयी। इसके बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। मंगलवार को एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक प्रेमचंद और उनकी टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार परिवादी ने आरोपी को रिश्वत की राशि सौंपी। जैसे ही आरोपी ने सात हजार रुपये स्वीकार किये, एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की राशि बरामद कर ली गयी। एसीबी की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के कई इलाकों में बारिश, फलोदी में अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री दर्ज

जयपुर, 31 मई (भा.)। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर तथा राज्य के पश्चिमी भागों में कुछ स्थानों पर रविवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गयी। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, कोटपूतली-बहरोड़ जिले के शाहपुरा में सर्वाधिक 55 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक, धूलभरी आंधी चलने और ओलावृष्टि की गतिविधियां भी दर्ज की गयीं। विभाग के अनुसार, इस अवधि में राज्य का अधिकतम तापमान फलोदी में 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सिरोही में 18.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

50 यात्रियों से भरी रोडवेज बस पलटी कई घायल, छह की हालत गंभीर

अलवर, 31 मई (एजें.)। अलवर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-248ए पर नटनी का बारा के समीप शनिवार देर शाम राजस्थान रोडवेज की मत्स्य नगर डिपो की बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गयी और पलट गयी। हादसे में करीब 8 से 10 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये। इसके अलावा कई अन्य यात्रियों को भी चोटें आई हैं, जिनका प्राथमिक उपचार अकबरपुर अस्पताल में कराया गया। गंभीर रूप से घायल छह यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद अलवर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, अलवर से शाम को जयपुर के लिए रवाना हुई मत्स्य नगर डिपो की बस धर्मपुरा गांव के समीप नटनी का बारा क्षेत्र में अचानक अनियंत्रित हो गयी और सड़क से नीचे उतरकर पलट गयी। हादसे के समय बस में लगभग 50 यात्री सवार थे। घटना में चालक रामू योगी, राकेश, मुकेश मीणा, संतोष पांडे, बद्री प्रसाद एवं सावित्री देवी सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गये, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए अलवर रेफर किया गया है। वहीं अन्य घायलों का उपचार अकबरपुर अस्पताल में जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही अकबरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। 108 एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। बस में सवार यात्रियों ने बताया कि बस सामान्य गति से चल रही थी। इसी दौरान अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और बस सड़क से नीचे उतरकर पलट गयी। हादसे में कई यात्रियों के सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रूपारेल नदी क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों ने बस पलटने की सूचना मिलते ही तुरंत 108 एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गये और घायलों को बस से बाहर निकालने तथा अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

30 फीट नीचे भूख से तड़प रही थी कोबरा, रेस्क्यू टीम ने बाहर निकाला

सिरोही, 31 मई (एजें.)। राजस्थान के सिरोही जिले के आबूरोड शहर से हैरान कर देने वाला घटनाक्रम सामने आया है। यहां पांच बंगले के पास सफाई कार्य के दौरान एक पुराने सूखे कुएं में कोबरा सांप और उसके अंडे मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, झाड़ियों से ढका यह कुआं काफी समय से दिखाई नहीं देता था। सफाई के दौरान जब लोगों ने कुएं में झांककर देखा तो करीब 30 फीट गहराई में एक मादा कोबरा और उसके अंडे दिखाई दिये। स्थानीय निवासी गोपाल भाई ने इसकी सूचना रेस्क्यू रास्कल्स टीम के चिंटू यादव को दी। सूचना मिलते ही चिंटू यादव अपनी टीम के अजय कुमार, नितेश आलिका, जयस राणा और डॉ. सतीश जोशी के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने रोप, हार्नेस और हेड टॉर्च की सहायता से कुएं में उतरकर कोबरा और उसके करीब 17 अंडों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू टीम के अनुसार, मादा कोबरा काफी समय से कुएं में फंसी हुई थी और बाहर निकलने के लिए उसे कोई सहारा नहीं मिल रहा था। लंबे समय से भोजन नहीं मिलने के कारण उसकी हालत भी कमजोर हो चुकी थी। समय रहते रेस्क्यू नहीं होने पर उसकी जान को खतरा हो सकता था। रेस्क्यू के बाद कोबरा को वन विभाग के नेतृत्व में सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। वहीं अंडों को सुरक्षित रखने के लिए लकड़ी के बुरादे में रखा गया है, ताकि उनसे निकलने वाले बच्चे सुरक्षित रह सकें। मौके पर मौजूद लोगों ने रेस्क्यू टीम के कार्य की सराहना करते हुए तालियां बजाकर उनका आभार व्यक्त किया।

दबोचा गया 10 हजार का इनामी ड्रग्स सप्लायर

दौसा, 31 मई (एजें.)। दौसा जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो और पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक मामले में हाईवे से ट्रामाडोल कैप्सूल की बड़ी खेप बरामद की गयी, जबकि दूसरे मामले में एक साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को दिल्ली बॉर्डर से पकड़ा गया। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने दौसा-मनोहरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-148 पर कार्रवाई करते हुए ट्रामाडोल कैप्सूल की बड़ी खेप जब्त की। गुप्त सूचना के आधार पर हाईवे पर नाकाबंदी की गयी थी। इसी दौरान दौसा से मनोहरपुर की ओर जा रही एक सफेद बोलेरो को रोककर तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान वाहन से 9,600 ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद हुए, जिनका कुल वजन करीब छह किलोग्राम बताया गया है। टीम ने मादक पदार्थ के साथ बोलेरो वाहन को जब्त कर चालक विजय सैनी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अलवर जिले के गोलाकाबास क्षेत्र का निवासी है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ट्रामाडोल कैप्सूल अलवर से खरीदकर लाया था और उन्हें बेचने के लिए ले जा रहा था।

2028 में तीसरे नंबर पर होगी भाजपा, मदन राठौर पर भड़के बेनीवाल

जयपुर, 31 मई (एजें.)। राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौर के आरोपों पर सांसद हनुमान बेनीवाल ने तीखा पलटवार किया है। बेनीवाल ने कहा कि राठौर उनकी लोकप्रियता का राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने सामाजिक बहिष्कार वाले बयान पर कानूनी नोटिस और एफआईआर की चेतावनी दी, साथ ही दावा किया कि 2028 के विधानसभा चुनाव में भाजपा तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। राजस्थान की राजनीति में बयानबाजी का दौर लगातार तेज होता जा रहा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौर द्वारा सांसद हनुमान बेनीवाल पर नशे को बढ़ावा देने और समाज में अराजकता फैलाने के आरोप लगाने के बाद बेनीवाल ने आक्रामक अंदाज में जवाब देते हुए भाजपा नेतृत्व पर कई गंभीर राजनीतिक हमले किये हैं। बेनीवाल ने कहा कि मदन राठौर केवल लोकप्रियता हासिल करने के लिए उनका नाम इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि एक समय राठौर उनके पास बैठकर भाजपा की ही आलोचना किया करते थे, लेकिन अब राजनीतिक लाभ के लिए उन पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। नशा करने और युवाओं को नशे की ओर धकेलने के आरोपों को खारिज करते हुए बेनीवाल ने कहा कि वह न तो पान, बीड़ी

या सिगरेट का सेवन करते हैं और चाय भी सीमित मात्रा में पीते हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश के युवाओं को जागरूक करने का काम कर रहे हैं, जिससे भाजपा और कांग्रेस दोनों परेशान हैं। मदन राठौर के सामाजिक बहिष्कार वाले बयान पर बेनीवाल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक बहिष्कार का अधिकार किसी राजनीतिक दल या नेता को नहीं है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं और वह इस मामले में कानूनी सलाह ले रहे हैं। बेनीवाल ने बताया कि हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से चर्चा चल रही है तथा जल्द ही मदन राठौर को कानूनी नोटिस भेजा जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर उनके कार्यकर्ता एफआईआर भी दर्ज कराएंगे। राजनीतिक मोर्चे पर हमला जारी रखते हुए बेनीवाल ने दावा किया कि भाजपा पंचायत राज चुनाव कराने से बच रही है, क्योंकि उसे अपनी वास्तविक स्थिति का अंदाजा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को तीसरे स्थान के लिए तैयारी करनी चाहिए। बेनीवाल ने यह भी कहा कि यदि उन्होंने किसी के विरोध का आह्वान किया तो उसका असर पूरे प्रदेश में दिखाई देगा। काले झंडे दिखाने की घटना पर भी बेनीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मामूली विरोध को मुद्दा बनाकर उनके समर्थकों को गिरफ्तार कराया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता के अहंकार से बाहर निकलकर जनता के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। बेनीवाल ने अंत में दावा किया कि भाजपा को खड़ा करने में उनके परिवार का भी योगदान रहा है और आज वही लोग उन पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद जनता के मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

राजस्थान में अपराधी आएगा तो वापस नहीं जा पाएगा : सीएम भजनलाल

जयपुर, 31 मई (एजें.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीधे तौर ये कह दिया है कि प्रदेश में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रहेगा। यहां अपराधियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश की कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अपराधियों और भ्रष्ट अधिकारियों को बेहद सख्त संदेश दिया है। शनिवार को 'राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन' के अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि प्रदेश में अब न तो अपराध पनपेगा, न भ्रष्टाचारियों को पनाह मिलेगी और न ही कानून तोड़ने वालों को बख्शा जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, राजस्थान में यदि कोई अपराधी पैर पसारेगा, तो वह वापस नहीं जा पाएगा; उसे उसके सही मुकाम (जेल) तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कर्मचारियों से पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ जनसेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न खाऊंगा, न खाने दूंगा के मूलमंत्र पर चलते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सरकार ने अब तक भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 103 अधिकारियों को निलंबित (सस्पेंड) किया है। 6 अफसरों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही रिश्वतखोरी, ट्रैप, पद के दुरुपयोग और आय से अधिक संपत्ति के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी गयी है, जबकि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य मामलों में भी कठोर कार्रवाई अमल में लाई गयी है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की सुरक्षा में चूक

नागौर, 31 मई (एजें.)। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की सुरक्षा में हुई चूक के बाद भजनलाल सरकार ने बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया है। कुचामन सिटी में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकर्ताओं की ओर से मदन राठौड़ को काले झंडे दिखाने और रास्ता रोकने के मामले में कई पुलिस अधीक्षक समेत कई प्रशासनिक पदाधिकारियों पर गाज गिरनी शुरू हो गयी है। सरकार ने डीडवाना-कुचामन के एसपी ज्ञानचंद यादव को हटाकर जयपुर मुख्यालय में एसपी (सिविल राइट्स) के पद पर भेज दिया है। अब उनकी जगह सीआईडी-सीबी में तैनात डॉ. प्यारे लाल शिवरान को डीडवाना-कुचामन का नया एसपी नियुक्त किया गया है। दरअसल, शुक्रवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ कुचामन सिटी के दौरे पर थे। इसी दौरान पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में ही आरएलपी कार्यकर्ताओं ने उनका रास्ता रोककर काले झंडे दिखाए। इस सुरक्षा चूक के बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया, लेकिन तहसीलदार कैलाश ईनाणियां ने रात 9 बजे ही सभी को जमानत दे दी। जमानत के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपियों पर राजकार्य में बाधा डालने का नया केस दर्ज कर रात 12 बजे उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया। इस लापरवाही पर सरकार ने त्वरित कार्रवाई की। कलेक्टर अवधेश मीना ने राजस्व विभाग के आदेश पर रात 1 बजे ही तहसीलदार कैलाश ईनाणियां का तबादला बांसवाड़ा कर दिया। शनिवार को जयपुर में उच्च स्तरीय बैठकों के दौर के बाद रात 10 बजे एसपी ज्ञानचंद यादव को भी हटा दिया गया। डीडवाना-कुचामन की कमान संभालने वाले डॉ. प्यारे लाल शिवरान राजस्थान पुलिस के एक बेहद अनुभवी और जमीन से जुड़े अधिकारी हैं। डॉ. प्यारे लाल शिवरान मूल रूप से राजस्थान के सीकर जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा बगरिया बाल विद्या निकेतन (लक्ष्मणगढ़, सीकर) से पूरी की।

भिवाड़ी में स्पा सेंटरों पर पुलिस का छापा; 27 से ज्यादा युवतियां हिरासत में, छह युवक गिरफ्तार

कोटपूतली-बहरोड़, 31 मई (एजें.)। भिवाड़ी में पुलिस ने रॉयल प्लाजा और जेनेसिस मॉल स्थित कई स्पा सेंटरों पर एक साथ छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान 27 से अधिक युवतियों को हिरासत में लिया गया और छह युवकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को इन स्पा सेंटरों में कथित अवैध गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। भिवाड़ी शहर में स्पा सेंटरों की आड़ में संचालित किये जा रहे कथित अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए रॉयल प्लाजा और जेनेसिस मॉल स्थित कई स्पा सेंटरों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 27 से अधिक युवतियों को हिरासत में लिया गया, जबकि छह युवकों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और दोनों मॉल परिसरों में लोगों की भीड़ जुट गयी। जानकारी के अनुसार, भिवाड़ी पुलिस को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ स्पा सेंटरों में मसाज और वेलनेस सेवाओं की आड़ में अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। शिकायतों के सत्यापन और निगरानी के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे एक साथ कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भिवाड़ी बाईपास स्थित रॉयल प्लाजा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा जेनेसिस मॉल में संचालित करीब एक दर्जन स्पा सेंटरों को निशाना बनाया गया। कार्रवाई का नेतृत्व मटिला चौकी प्रभारी पुनीत मीणा और भिवाड़ी मोड़ चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार ने किया। छापेमारी में 20 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल रहे, जिनमें महिला पुलिसकर्मियों की भी विशेष तैनाती की गयी थी। रॉयल प्लाजा में संचालित चार स्पा सेंटरों पर पुलिस ने जांच की, जहां से करीब 8 से 10 युवतियों को हिरासत में लिया गया। वहीं, जेनेसिस मॉल में स्थित पांच से छह स्पा सेंटरों पर कार्रवाई के दौरान 27 से अधिक युवतियां पुलिस के कब्जे में आईं और छह युवकों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटरों के दस्तावेज, कर्मचारियों की जानकारी और अन्य रिकॉर्ड भी खंगाले। छापेमारी के बाद सभी युवतियों और गिरफ्तार युवकों को पूछताछ के लिए भिवाड़ी मोड़ पुलिस चौकी लाया गया। पुलिस उनकी पहचान और पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच के आधार पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न कानूनी धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। मटिला चौकी प्रभारी पुनीत मीणा ने बताया कि पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि कुछ स्पा सेंटरों में नियमों के विपरीत गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसी आधार पर संयुक्त कार्रवाई की गयी। उन्होंने कहा कि स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे किसी भी प्रकार के अवैध और अनैतिक कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसे प्रतिष्ठानों की निगरानी जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद शहर में स्पा सेंटरों के संचालन और उनकी वैधता को लेकर चर्चा तेज हो गयी है। दोनों मॉल भिवाड़ी के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र माने जाते हैं, ऐसे में एक साथ हुई इस बड़ी कार्रवाई ने स्थानीय लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

बिना बैंड बाजे की अलवर में हुई शादी

जयपुर, 31 मई (एजें.)। राजस्थान कैडर में एक और नाम शामिल हो गया है। हम बात कर रहे हैं युवा अधिकारी अदिति वार्ष्णेय की, जो अब आधिकारिक रूप से राजस्थान कैडर का हिस्सा बन चुकी हैं। केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की मंजूरी के बाद, उनके गुजरात से राजस्थान कैडर में इंटर-कैडर स्थानांतरण का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। दोनों राज्यों के कार्मिक विभागों ने कार्यमुक्ति और नये पदभार की औपचारिकताएं भी पूरी कर ली हैं। उल्लेखनीय है कि गुजरात से राजस्थान में हुए इस प्रशासनिक फेरबदल का मुख्य आधार अदिति वार्ष्णेय का विवाह राजस्थान कैडर के ही होनहार आईएएस अधिकारी माधव भारद्वाज के साथ होना है। ने सेवा नियमों के विशेष प्रावधानों के तहत अदिति को राजस्थान कैडर में समायोजित करने का निर्णय लिया है। आईएएस अदिति वार्ष्णेय और आईएएस माधव भारद्वाज फरवरी 2026 में अपनी शादी को लेकर

राष्ट्रीय सुर्खियों में आए थे। किसी भी प्रकार की शाही या तड़क-भड़क वाली शादी को छोड़कर, इस आईएएस जोड़े ने अलवर के मिनी सचिवालय में बेहद सादगी से कोर्ट मैरिज की थी। अदिति वार्ष्णेय यूपी के बरेली में बिहारीपुर की रहने वाली हैं। उनके पिता कपड़े के व्यापारी हैं। मां इंदु वार्ष्णेय गृहिणी हैं। बताया जाता है कि अदिति ने अपनी गृहणी माँ, इंदु वार्ष्णेय के आईएएस बनने के अधूरे सपने को हकीकत में बदला। दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से स्नातक करने के बाद उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की, लेकिन यूपीएससी की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्होंने मास्टर्स बीच में ही छोड़ दी। वर्ष 2026 की शुरुआत से अदिति वार्ष्णेय गुजरात के जामनगर में प्रांत अधिकारी (एसडीएम) के पद पर तैनात थीं, जहाँ उन्होंने अपनी शांत, अनुशासित और कुशल कार्यशैली से अपनी एक विशेष पहचान बनाई। अब राजस्थान कैडर में उनके शामिल होने से राज्य की ब्यूरोक्रेसी को एक नयी प्रशासनिक ऊर्जा और युवा दूरदर्शिता मिलेगी, जिससे राज्य के विकास कार्यों को नया दृष्टिकोण प्राप्त होगा।

दूषित पानी पीने से एक ही परिवार के छह सदस्य अस्पताल में भर्ती

बांसवाड़ा, 31 मई (एजें.)। बांसवाड़ा जिले के निचली नाल गांव में दूषित पानी पीने से एक ही परिवार के छह सदस्य बीमार हो गये। सभी को उल्टी-दस्त और घबराहट की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एमजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद ग्रामीणों ने पेयजल स्रोतों की जांच की मांग की है। बांसवाड़ा जिले के आंबापुरा थाना क्षेत्र के निचली नाल गांव में दूषित पानी पीने से एक ही परिवार के छह सदस्य बीमार हो गये। अचानक उल्टी-दस्त और घबराहट की शिकायत होने पर सभी को एंबुलेंस के माध्यम से पहले बदरेल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें महात्मा गांधी (एमजी) अस्पताल रेफर कर दिया गया। सभी मरीजों का उपचार जारी है। परिजनों के अनुसार, निचली नाल निवासी लक्ष्मी, नारायण, गुड्डी, रीना, मोना और भूमिका ने शनिवार को घर में ही पानी का सेवन किया था। पानी पीने के कुछ ही समय बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। एक-एक कर परिवार के सदस्यों को तेज उल्टियां, दस्त और बेचैनी की शिकायत होने लगी। घर में एक साथ कई लोगों के बीमार होने से परिजनों में हड़कंप मच गया। स्थिति गंभीर होती देख अन्य परिजनों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर सभी को बदरेल अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन मरीजों की हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए एमजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। महात्मा गांधी (एमजी) अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में सभी मरीजों का उपचार जारी है। अस्पताल प्रशासन मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

मनु और सम्राट ने जीता रजत

विश्वकप में भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा

म्यूनिख, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और सम्राट राणा की जोड़ी ने शनिवार को आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन याओ कियानशुन और हू काई ने बेहद करीबी मुकाबले में मात्र 0.3 अंक के अंतर से हराया। इस रजत पदक के साथ भारत ने प्रतियोगिता का समापन दो स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ किया और पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। चीन चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

फाइनल में रोमांचक मुकाबला

फाइनल की शुरुआत भारतीय जोड़ी के लिए धीमी रही। पहले पांच-पांच शॉट्स की सीरीज के बाद भारत 100.0 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर था। सम्राट ने 51.0 और मनु ने 49.0 अंक बनाए। दूसरी सीरीज में मनु ने शानदार वापसी करते हुए 51.5 अंक जुटाए, जबकि सम्राट ने 49.9 अंक हासिल किए। इसके बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर पहुंच गई। तीसरी सीरीज के बाद भारत ने चीन से अंतर घटाकर सिर्फ 0.1 अंक कर दिया। मनु ने 51.8 और सम्राट ने 50.7 अंक का बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहली एलिमिनेशन सीरीज के बाद भारतीय जोड़ी ने 2.2 अंकों की बढ़त बना ली थी। मनु ने 30.9 और सम्राट ने 30.5 अंक हासिल किए, जबकि चीनी जोड़ी दबाव में दिखाई दी।हालांकि, अगले चरण में सम्राट के 31.2 अंकों के बावजूद मनु के कुछ कमजोर शॉट्स के कारण चीन ने वापसी कर ली। 21वें शॉट के बाद भारत की 2.2 अंकों की बढ़त खत्म हो गई और चीनी जोड़ी 0.2 अंक आगे निकल गई। अंतिम सीरीज में मनु ने 10.6 का शानदार शॉट लगाया, लेकिन सम्राट केवल 8.8 अंक ही जुटा सके। इसके बाद चीन ने बढ़त बनाए रखी और भारतीय जोड़ी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीन की दूसरी जोड़ी शेन यीहाओ और बू शुआइहांग ने कांस्य पदक जीता।

क्वालिफिकेशन में दूसरी भारतीय जोड़ी 10वें स्थान पर

क्वालिफिकेशन राउंड में भारत की दूसरी जोड़ी सुरुची सिंह और श्रवण कुमार 575-20× के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रही। सुरुची ने 291-11× और श्रवण ने 284-9× का स्कोर किया।दिन के पहले सत्र में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय जोड़ियां पदक दौर में जगह नहीं बना सकीं। एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता की जोड़ी 630.0 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रही। आर्या बोर्से और शाहू तुषार माने की जोड़ी 629.6 अंकों के साथ 16वें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में चीन के वांग जिफेई और शेंग लिहाओ ने स्वर्ण पदक जीता। नॉर्वे की जैनेट हेग डुएस्टैड और जॉन-हर्मन हेग ने रजत, जबकि चीन की हान जियायु और मा सिहान की जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

कोको गॉफ का अभियान समाप्त नाओमी ओसाका अगले दौर में

पेरिस, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की।

इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा जिन्होंने डारिया कसाटकिना को 6-0, 7-5 से हराया।

फिर से जीत दर्ज की

इसके अलावा जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7 (7), 7-6 (4), 6-7 (4), 7-6 (8) से हराया। जुआन का अगला मुकाबला 2021 में विंबलडन के फाइनलिस्ट रहे माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्हें फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6 (3), 5-7, 6-7 (4), 6-4, 7-6 (13) से हराने में पांच घंटे, 13 मिनट लगे।

चौथे राउंड में जगह बनाई

वहीं, फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई। इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को दो घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेजांद्रो तबिलो ने 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी मोइसे कौमे को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 (9) से पराजित किया।

अभय और चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश के अगले दौर में

बर्मिंघम। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन को 11-8, 11-5, 11-4 से, जबकि विश्व में 44वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से हराया। टंडन फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसोर्ड के खिलाफ मैच के बीच से हट गए। उस समय यह भारतीय खिलाड़ी 14-12, 4-7 से पीछे चल रहा था। महिला वर्ग में विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत मिस्र की विश्व में 36वें नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गारास से हार गईं। गारास ने यह मैच 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीता।

राजबारी एथलेटिक क्लब की नयी समिति का गठन

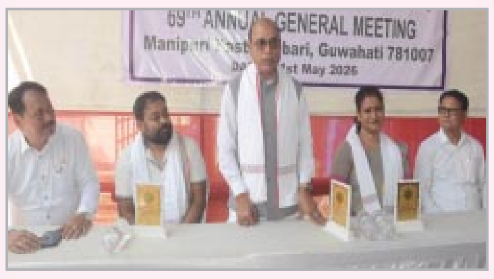

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं)। राजबारी एथलेटिक क्लब की 69वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आज कार्यकारी अध्यक्ष ऊषाम दीपक सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से एक नयी समिति का गठन किया गया। इस नयी समिति में विधायक विजय गुप्ता को नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि ऊषाम दीपक सिंह कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार संभालते रहेंगे। इसके साथ ही अंगम बिजुल सिंह को महासचिव और एम बारिन सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया है, जबकि वाई धन सिंह, एल पंचम सिंह और अम्लान भद्र को क्लब के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। इस बैठक में विधायक विजय गुप्ता, गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के मेयर मृगेन शरणिया, पार्षद विनीता दत्त चौधरी और राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के अध्यक्ष बलेन बैश्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और उन्होंने अपने संक्षिप्त विचार साझा किये। कार्यक्रम के अंत में कार्यकारी अध्यक्ष ने सभी उपस्थित सदस्यों और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

असम ने जीते 21 पदक

गुवाहाटी, 31 मई (ख.सं)। असम पारंपरिक कुश्ती संघ के तत्वावधान में गुवाहाटी के दिसपुर स्थित भोगेश्वरी फुकननी इंडोर स्टेडियम में 29 से 31 मई तक आयोजित 19वीं राष्ट्रीय पारंपरिक कुश्ती चैंपियनशिप में असम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 21 पदक अपने नाम किये हैं। घरेलू मैदान पर खेलते हुए असम की टीम ने 4 स्वर्ण, 8 रजत और 9 कांस्य पदक हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में असम की ओर से वर्जिल मुदेयार, लाकी शांडिल्य बोरा, जिष्णुप्रीया कलिता और जयराज श्याम ने बेहतरीन दांव-पेंच दिखाते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं रजत पदक विजेताओं में पुनीत कुमार चोमाल, निकेश बसुमतारी (दो रजत पदक), लाकी शांडिल्य बोरा, जिष्णुप्रीया कलिता, सूरज महंत, दाश्रिंग देलग्रेफो और भास्कर आचार्य डेका शामिल थे। इसके अलावा देव गोटाल, जयंत कलिता (दो कांस्य पदक), मायन ज्योति शर्मा, वर्जिल मुदेयार, सुभम थापा, गौतम देउरी, उदय शंकर भुइयां और राजदीप कश्यप ने टीम के लिए कांस्य पदक जीते। चैंपियनशिप के सफल समापन पर संघ के महासचिव नूर आलम सरकार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बेबी बॉस पर फिदा हुए क्रिकेट के भगवान

15 वर्षीय युवा की जमकर तारीफ की

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वैभव में कुछ ऐसा है जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। सचिन का मानना है कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वैभव खेल रहे हैं, वह वास्तव में खास है।आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए वैभव ने 776 रन बनाए और 237.31 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्होंने 72 छक्के लगाए और एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

वैभव की बल्लेबाजी ने किया प्रभावित

मुंबई में आयोजित क्रिकइन्फो ऑनर्स कार्यक्रम में सचिन ने वैभव की बल्लेबाजी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'हर कोई वैभव सूर्यवंशी की बात कर रहा है और मैंने उसकी बल्लेबाजी देखी। वह शानदार थी। मेरा मानना है कि वह सचमुच बहुत खास खिलाड़ी है।' सचिन ने कहा कि सिर्फ बड़े शॉट लगाने की क्षमता ही नहीं, बल्कि वैभव का रिस्ट वर्क भी उन्हें बेहद प्रभावित करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ गेंद को मारने की क्षमता ही नहीं, बल्कि उसका रिस्ट वर्क भी मुझे बहुत आकर्षित करता है। मैदान के हर हिस्से में शॉट खेलने के लिए रिस्ट वर्क का अच्छा होना जरूरी है।'सचिन ने कहा कि वैभव अंधाधुंध बल्लेबाजी नहीं करते, बल्कि गेंद की लाइन और लेंथ को दूसरों से पहले पढ़ लेते हैं। उन्होंने कहा, 'वह गेंद को सिर्फ ताकत से नहीं मार रहा है। वह बाकी खिलाड़ियों से पहले गेंद की लाइन और लेंथ समझ लेता है और इसलिए आसानी से छक्के लगाने में सफल होता है।'

सचिन ने दी सूर्यवंशी को खास सलाह

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने युवा खिलाड़ी को सलाह देते हुए कहा कि उसे अपने स्वाभाविक खेल को नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं उसे यही कहूंगा कि वह जैसा है, वैसा ही बना रहे। टेस्ट क्रिकेट में उम्र और अनुभव के साथ वह चुनौतियों से निपटना सीख जाएगा। सबसे जरूरी है समाधान खोजने वाली सोच रखना।'सचिन ने आगे कहा, 'समस्याएं हमेशा रहेंगी। करियर की आखिरी गेंद तक रहेंगी। हर गेंदबाज हर गेंद पर सवाल पूछता है, लेकिन आपको उसका जवाब ढूंढना होता है।

टेस्ट क्रिकेट में देखने की उम्मीद

सचिन ने उम्मीद जताई कि भविष्य में वैभव भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट भी खेलेंगे। हालांकि उन्होंने प्रशंसकों और विशेषज्ञों से युवा खिलाड़ी पर ज्यादा दबाव नहीं बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, 'सिर्फ मैं ही नहीं, हर कोई उसे किसी न किसी समय टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। लेकिन ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन और समर्थन की जरूरत होती है। अगर वह अच्छा कर रहा है तो हमें उसका आनंद लेना चाहिए और लगातार उस पर दबाव नहीं बनाना चाहिए कि उसे इस टीम में चुना जाए या उस टीम में। यह फैसला चयनकर्ताओं पर छोड़ देना चाहिए।'यह पहली बार नहीं है जब सचिन ने वैभव की तारीफ की हो। इससे पहले भी उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में खेली गई 97 रन की विस्फोटक पारी के बाद उनकी बल्लेबाजी की सराहना की थी। सचिन ने तब सोशल मीडिया पर लिखा था, 'वैभव सूर्यवंशी का बैट स्विंग शानदार है। इससे भी ज्यादा प्रभावित करने वाली बात यह है कि वह पैरों की ओर आने वाली गेंदों के लिए जिस तरह जगह बनाते हैं, उससे उन्हें अपने शॉट खुलकर खेलने की आजादी मिलती है। वह पारी वास्तव में शानदार थी।'

नॉर्वे शतरंज में गुकेश ने प्रज्ञानंद को हराया, दिव्या महिला वर्ग में शीर्ष पर पहुंचीं

ओस्लो, एजेंसी। ओस्लो में चल रहे नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के पांचवें दौर में एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में आर. प्रज्ञानंद को हराकर अहम जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने जीत हासिल कर अंक तालिका में एकल बढ़त बना ली।

पांचवें दौर का सबसे चर्चित मुकाबला भारत के दो युवा ग्रैंडमास्टर्स गुकेश और प्रज्ञानंद के बीच खेला गया। मुकाबले के अधिकांश हिस्से में प्रज्ञानंद बेहतर स्थिति में नजर आए और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।हालांकि, अंतिम चरण में गुकेश ने मौके का फायदा उठाया। समय के दबाव और बढ़ते तनाव के बीच प्रज्ञानंद अपनी बढ़त को कायम नहीं रख सके। इसके बाद गुकेश ने स्थिति पर पूरी पकड़ बना ली और जीत दर्ज करने में सफल रहे। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला लंबे समय तक रणनीतिक लड़ाई के रूप में चला, लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने धीरे-धीरे बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन वेस्ली सो ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और क्लासिकल मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।दूसरे क्लासिकल मुकाबले में टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा और विन्सेंट कीमर के बीच खेल ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए और अंक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया।

पेरिस सेंट जर्मेन ने लगातार दूसरी बार जीता चैंपियंस लीग का खिताब

पेरिस, एजेंसी। बुडापेस्ट के पुस्कास एरेना में खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित क्लब खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर फाइनल में पहुंची आर्सेनल ने मुकाबले की तेज शुरुआत की। लिआंड्रो ट्रॉसार्ड ने पीएसजी की क्लियरेंस को रोका, जिसके बाद काई हैवर्ट्ज गेंद लेकर आगे बढ़े और कठिन कोण से शानदार फिनिश करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

पहला गोल खाने के बावजूद पीएसजी दबाव में नहीं दिखा और उसने पहले हाफ के अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, गैब्रियल और विलियम सलीबा की अगुआई में आर्सेनल की रक्षापंक्ति ने उन्हें साफ मौके नहीं दिए। दूसरी ओर, आर्सेनल के पास बढ़त दोगुनी करने का अवसर भी आया, लेकिन मार्किन्होस ने अंतिम क्षणों में शानदार ब्लॉक कर हैवर्ट्ज को दूसरा गोल करने से रोक दिया।आर्सेनल पूरे टूर्नामेंट में मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करता आया था और खिताब जीतने के लिए उसे सिर्फ क्लीन शीट की जरूरत थी। लेकिन दूसरे हाफ में क्रिस्थियन मोस्केरा ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया को पेनल्टी क्षेत्र में गिरा दिया, जिसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। ओस्मान डेम्बेले ने स्पॉट किक पर डेविड राया को गलत दिशा में भेजते हुए गोल किया और पीएसजी को 1-1 की बराबरी दिला दी।

नुकसान बना फायदा, भारत के एक्सपोर्ट में ट्विस्ट गिरते रुपये में बाजी पलटने का दम देख रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर रुपये को अक्सर इकोनॉमिक स्ट्रेस यानी आर्थिक तनाव का संकेत माना जाता है। हालांकि, भारत के निर्यातकों के लिए यह अप्रत्याशित फायदे के तौर पर उभर सकता है। सरकार की ताजा आर्थिक समीक्षा में यह बात कही गई है। लेकिन, वित्त मंत्रालय ने आगाह किया है कि यह फायदा तभी मिलेगा जब ग्लोबल डिमांड मजबूत बनी रहे। साथ ही महंगाई को कंट्रोल में रखा जाए। मई महीने की अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में आर्थिक मामलों के विभाग ने तर्क दिया कि रुपये की हालिया गिरावट को केवल करेंसी की कमजोरी के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। इसके बजाय, उसने कहा कि कई सालों तक विनिमय दर के

ज्यादा होने के बाद इस बदलाव ने भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'करेंसी की गिरावट को अंदरूनी कमजोरी के संकेत के तौर पर देखने की सोच समझ में आती है। लेकिन, इसकी बारीकी से जांच होनी चाहिए।' पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपया दबाव में आ गया है। इसके पीछे कई कारण हैं। इनमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का लगातार बाहर जाना और पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव शामिल है। समीक्षा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारत की मुद्रा में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद यह 4.9 प्रतिशत और कमजोर हो गई। 26 मई तक यह 95.7 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गई। फिर भी सरकार का तर्क है कि ज्यादा महत्वपूर्ण पैमाना नॉमिनल एक्सचेंज रेट नहीं, बल्कि रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट है। यह व्यापारिक साझेदारों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा का ट्रेड-वेटेड और इनफ्लेशन-एडजस्टेड पैमाना है। अप्रैल 2026 में भारत का था। यह एक दशक से भी ज्यादा समय में सबसे निचला स्तर था। 100 के मानक स्तर से यह काफी नीचे था। रिपोर्ट में बताया गया कि नवंबर 2024 में कई सालों के सबसे ऊंचे स्तर 108.03 पर पहुंच गया था। इससे हालिया सुधार से पहले वैश्विक बाजारों में भारतीय सामान कम प्रतिस्पर्धी हो गए थे। समीक्षा में कहा गया है, 'अब जब भारत का औसत से नीचे है तो भारतीय सामान और सेवाओं की कीमतें वास्तविक रूप से पिछले एक दशक में किसी भी समय की तुलना में ज्यादा प्रतिस्पर्धी हैं।'

कमजोर करेंसी को लेकर चेतावनी भी

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपये में 1 प्रतिशत की गिरावट से मध्यम अवधि में भारत के माल व्यापार (मर्चेंडाइज ट्रेड) संतुलन में 1.45 प्रतिशत का सुधार हो सकता है। हालांकि, समीक्षा में इस धारणा के प्रति भी आगाह किया गया है कि कमजोर करेंसी का मतलब अपने आप ही ज्यादा निर्यात होना है। इसमें कहा गया है, 'दूसरी शर्त ग्लोबल मांग है।

एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया

मुकेश अंबानी की रिलायंस को 46,078.30 करोड़ की चपत, दो सरकारी कंपनियों को फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में पिछले हफ्ते ओवरऑल गिरावट रही। इस बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स कुल 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत और एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया। इस गिरावट का असर देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सामूहिक रूप से कुल 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ।

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, एसबीआई, लार्सन एंड टुब्रो और

एलआईसी का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया।

रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान: रिलायंस का मार्केट कैप 46,078.30 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 33,333.06 करोड़ रुपये घटकर 11,46,641.84 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत भी 25,408.96 करोड़ रुपये कम होकर 11,14,886.53 करोड़ रुपये पर आ गई। टीसीएस का मूल्यांकन 22,920.58 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये रहा।

इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 13,169.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,04,210.54 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन भी 7,253.24 करोड़ रुपये घटकर 5,63,262.33 करोड़ रुपये रह गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन भी 6,311.41 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 9,00,589.91 करोड़ रुपये रह गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में गिरावट इन कंपनियों का कुल 1.54 लाख करोड़ का मार्केट कैप स्वाहा रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा 46,078.30 करोड़ का नुकसान एसबीआई, एलआईसी और लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में तेजी नौ कंपनियों ने गंवाए 2.18 लाख करोड़ रुपये, पिछले हफ्ते केवल एक कंपनी को हुआ फायदा

एसबीआई और एलआईसी में उछाल

इस रुख के उलट लार्सन एंड टुब्रो की बाजार हैसियत पिछले सप्ताह 20,608.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,60,836.64 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 13,753.62 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 8,89,831.54 रुपये रहा। एलआईसी की बाजार हैसियत भी 6,040.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,20,484.06 करोड़ रुपये हो गई। इस उतार-चढ़ाव के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की

कच्चे तेल में गिरावट के बीच पेट्रोल-डीजल पर सरकार का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बीच सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। पेट्रोल, डीजल और एटीएफ यानी विमान ईंधन पर एक्पोर्ट ड्यूटी में कमी की गई है। यह व्यवस्था 1 जून से शुरू होगी और अगले 15 दिनों तक जारी रहेगी। पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है जबकि डीजल पर यह 13.5 रुपये और एटीएफ पर 9.5 रुपये प्रति लीटर होगी। सरकार हर 15 दिन में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी की समीक्षा करती है। कच्चे तेल की कीमत के आधार पर इसे तय किया जाता है। सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर 1.5 रुपये प्रति लीटर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी रहेगी और रोड एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस लागू नहीं होगा। पहले यह 3 रुपये थी। इसी तरह डीजल के एक्सपोर्ट पर स्थ्ष्ठ प्रति लीटर 16.5 रुपये से घटाकर 13.5 रुपये

और एटीएफ पर 16 रुपये से घटाकर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। सरकार ने साथ ही साफ किया है कि घरेलू बाजार में मौजूदा एक्साइज ड्यूटी के रेट्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

देश में पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स की शुरुआत की गई थी। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित हुई है जिससे कीमतों में काफी तेजी आई। सरकार ने देश में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की उपलब्धता बनाए रखने के लिए 27 मार्च को एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई थी। विंडफॉल टैक्स से रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े प्राइवेट रिफाइनर्स प्रभावित होते हैं। रिलायंस बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थों का एक्सपोर्ट करती है। रिलायंस देश में डीजल और एटीएफ की बड़ी एक्सपोर्टर है। जामनगर में उसकी दो रिफाइनरीज में करीब 5 मिलियन टन एटीएफ का उत्पादन होता है जो देश के कुल उत्पादन का करीब एक चौथाई है। इसका एक बड़ा हिस्सा एक्सपोर्ट किया जाता है। साथ ही ओएनजीसी और ऑयल इंडिया भी फ्यूल प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट करती हैं।

कच्चे तेल की कीमत

इस बीच 6 मार्च के बाद शुक्रवार को पहली बार इंडियन ऑयल बास्केट की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई है। भारतीय रिफाइनर्स के लिए कच्चे तेल की कीमत शुक्रवार को 97.52 डॉलर प्रति बैरल रह गई जबकि बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 91.12 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

केंद्रीय वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ाई

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके फायदे की हो सकती है। दरअसल, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब नई तारीख 15 जून 2026 होगी। यह उन लोगों के लिए राहत की बात है जो अब तक वेबसाइट के जरिए आठवें वेतन आयोग के सामने अपनी बात नहीं रख सके हैं। बता दें कि यह दूसरी बार है जब वेतन आयोग ने डेडलाइन बढ़ाई है। पहले आखिरी तारीख 31 मई तय साफ कर दिया है कि इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा। बंगाल के हितधारकों के साथ बैठक का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

यश बैंक से लेकर एसबीएफसी तक, 100 से कम के 3 शेयर करा सकते हैं कमाई, निवेशकों के लिए बड़ा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने बीते सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और आखिरकार मार्केट गिरावट के साथ बंद हुई। लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बिकवाली के दबाव के चलते प्रमुख सूचकांक लाल निशान में रहे। शुक्रवार को निफ्टी 50 करीब 0.72 प्रतिशत गिरकर 23,547.75 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,775.74 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, बड़ी कंपनियों के शेयरों में दबाव देखने को मिला, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में निवेशकों की रुचि बनी रही। मिडकैप इंडेक्स 0.54 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सप्ताह में भी बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। चॉइस ब्रोकिंग के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुमीत बगाड़िया के अनुसार निफ्टी के चार्ट पर मंदी का संकेत देने वाला पैटर्न बन रहा है, जिससे निकट अवधि में दबाव बना रह सकता है। तकनीकी विश्लेषण के अनुसार निफ्टी के लिए 23,200 से 23,250 का स्तर महत्वपूर्ण सपोर्ट माना जा रहा है, जबकि 23,750 से 23,800 के बीच मजबूत रेजिस्टेंस मौजूद है। वहीं, बैंक निफ्टी की बात करें तो इस इंडेक्स में भी कमजोरी देखने को मिली। शुक्रवार को बैंक निफ्टी 614 अंकों से ज्यादा टूटकर 54,239 के स्तर पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बैंक निफ्टी 53,900

से 54,000 के सपोर्ट जोन को बनाए रखने में सफल रहता है, तो रिकवरी संभव है, अन्यथा बाजार में और दबाव देखने को मिल सकता है।

ऐसे माहौल में सुमीत बगाड़िया ने सोमवार 1 जून 2026 के लिए 100 से कम कीमत वाले तीन शेयरों पर दांव लगाने की सलाह दी है। उनका मानना है कि इन शेयरों में तकनीकी रूप से तेजी के संकेत दिखाई दे रहे हैं और निकट अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है। पहला शेयर यस बैंक है। बगाड़िया ने इस शेयर को 23.15 के स्तर पर खरीदने की सलाह दी है। उनका लक्ष्य 25 रखा गया है, जबकि जोखिम को सीमित रखने के लिए 22.25 का स्टॉप लॉस लगाने की सलाह दी गई है। बैंकिंग सेक्टर में सुधार की उम्मीद के बीच यह शेयर निवेशकों की नजर में बना हुआ है। दूसरा शेयर ढ्ढस्नह्रष्ठ है। इस शेयर को 68.53 के स्तर पर खरीदने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह शेयर 75 तक जा सकता है। इसके लिए 65 का स्टॉप लॉस निर्धारित किया गया है। हाल के दिनों में इस शेयर में अच्छी ट्रेडिंग गतिविधि देखने को मिली है। तीसरा और आखिरी शेयर फाइनेंस है। यह शेयर 94.30 के आसपास खरीदने की सलाह दी गई है। एक्सपर्ट का मानना है कि निकट अवधि में यह 103 तक पहुंच सकता है। इसके लिए 89.80 का स्टॉप लॉस सुझाया गया है।

लाखों की कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर महिला चला रही ऑटो, फिर भी नहीं पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक महिला की स्टोरी सोशल मीडिया पर छाई हुई है। उन्होंने आईटी सेक्टर में लगभग एक दशक तक काम किया। अपना कॉर्पोरेट करियर छोड़कर अब वह ऑटो-रिक्शा चला रही हैं। उन्हें इसका जरा भी पछतावा नहीं है। उन्होंने कम तनावपूर्ण और ज्यादा संतोषजनक जिंदगी की तलाश में अपनी मर्जी से ऑटो-रिक्शा ड्राइवर बनने का फैसला किया है इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो के मुताबिक, यह महिला पहले नौ साल तक आईटी मैनेजर के तौर पर काम करती थी। लेकिन, उन्हें अपनी लाखों की नौकरी से जुड़े दबाव और काम के मुश्किल शेड्यूल से जूझना पड़ता था। काम और निजी जिंदगी के बीच बेहतर संतुलन बनाने के लिए महिला ने फैसला किया। कॉर्पोरेट जगत छोड़कर अपना खुद का ऑटो-रिक्शा चलाने का मन बनाया। मकसद था कि वह अपनी शर्तों पर काम कर सकें और अपना शेड्यूल खुद तय करें।

महिला ने बताया कि अब वह

हर महीने लगभग 60,000 रुपये कमाती हैं। अपने पिछले पेशे के मुकाबले अब वह कहीं ज्यादा खुश हैं। इस महिला के साथ हुई अपनी बातचीत को शेयर करते हुए इंस्टाग्राम यूजर डॉ. नेजरीन मिधलाज ने लिखाः 'आज, मैं एक महिला ऑटो ड्राइवर से मिली। वह आत्मविश्वास से भरी, अच्छे कपड़े पहने हुए और अपनी जिंदगी से पूरी तरह संतुष्ट थी। जब मैंने उससे पूछा कि पुरुषों के दबदबे वाले इस क्षेत्र में काम करना कैसा लगता है तो उसका जवाब मेरे दिल में बस गया।' उन्होंने आगे लिखाः 'उसने बताया कि वह नौ साल तक आईटी मैनेजर थी। उसने वह सब कुछ पीछे छोड़ दिया- दबाव, तनाव और लगातार बनी रहने वाली टेंशन। अब, वह अपना खुद का ऑटो चलाती है। वह हर महीने लगभग 60,000 रुपये कमाती है। सबसे जरूरी बात, उसने कहा कि वह खुश है।' महिला की कहानी से लोग प्रभावित

इस महिला की कहानी ने सोशल मीडिया के कई यूजर्स को प्रभावित किया। उन्होंने एक पारंपरिक करियर के रास्ते के बजाय मन की शांति को प्राथमिकता देने के उसके फैसले की तारीफ की। एक यूजर ने कमेंट किया- 'वह एक सादी और खुशहाल जिंदगी चाहती हैं।

कम उम्र में शादी और पति मिला शराबी, चंद पैसों से शुरू किया ऐसा काम कि आज 8,300 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मीरा कुलकर्णी उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल से हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत और अपने टैलेंट के बूते 8,300 करोड़ रुपये का आयुर्वेदिक स्किनकेयर ब्रांड खड़ा किया है। इसका नाम 'फॉरेस्ट एसेंशियल्स' है। सिर्फ 2 लाख रुपये से मीरा ने इस कंपनी की शुरुआत की थी। आइए, यहां मीरा कुलकर्णी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मीरा कुलकर्णी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था जो परंपराओं और संस्कृति को बहुत महत्व देता था। उन्होंने कम उम्र में ही शादी कर ली थी। इस उम्मीद में कि उनकी जिंदगी खुशहाल होगी।

हालांकि, उनके पति का कारोबार लड़खड़ाने लगा। पति की शराब की लत ने स्थिति को बद से बदतर बना दिया। आखिरकार, मीरा ने अपने पति से तलाक लेने का कठिन फैसला लिया। अपने बच्चों को अकेले (सिंगल मदर के तौर) ही पालने का चुनाव किया। उन सालों को याद करते हुए मीरा कुलकर्णी ने एक बार कहा था, 'मुझे अपनी जिंदगी बिल्कुल नए सिरे से शुरू करनी पड़ी। जरा भी अंदाजा नहीं था कि भविष्य में क्या होने वाला है।'

मीरा की पढ़ाई-लिखाई की बात करें तो उन्होंने चेन्नई के 'स्टेला मैरिस कॉलेज' से फाइन आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया है। टिहरी गढ़वाल को भारत में आयुर्वेद का बड़ा केंद्र माना जाता है। ऐसे में वह

अपनी शुरुआती जिंदगी में ही आयुर्वेदिक लाइफस्टाइल से जुड़ गई थीं। आयुर्वेद में अपनी दिलचस्पी के चलते मीरा ने कई सालों तक वैद्यों और मॉडर्न बायोकेमिस्ट्स के साथ मिलकर कई तरह के प्रोडक्ट्स बनाने पर काम किया।

45 साल की उम्र में मीरा ने आयुर्वेद और नेचुरल ट्रीटमेंट के प्रति अपने प्रेम को कुछ ठोस रूप देने का फैसला किया। हाथ में सिर्फ 2 लाख रुपये की रकम लेकर उन्होंने साल 2000 में फॉरेस्ट एसेंशियल्स की नींव रखी। उनकी सोच एकदम साफ थी- ऐसे स्किनकेयर प्रोडक्ट तैयार करना जो आयुर्वेदिक परंपराओं पर आधारित हों। लेकिन, जिनकी पैकेजिंग मॉडर्न लक्जरी की तर्ज पर हो। मीरा ने बहुत छोटे स्तर से शुरुआत की। अपनी रसोई में ही हाथ से बने साबुन और तेलों के साथ प्रयोग किए। ये प्रोडक्ट बहुत जल्द ही उन ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो गए, जो प्रामाणिकता और गुणवत्ता को महत्व देते थे।

उनके लिए एक बड़ा मौका तब आया, जब 'हयात रीजेंसी' होटल ग्रुप ने अपने होटलों के लिए उन साबुनों का ऑर्डर दिया। साथ ही यह भी चाहा कि उनके कमरों में सिर्फ 'फॉरेस्ट एसेंशियल्स' के ही साबुन रखे जाएं। धीरे-धीरे, लेकिन लगातार कंपनी को बड़े होटल ग्रुप से ऑर्डर मिलने लगे। उनके दूसरे प्रोडक्ट्स की बिक्री भी तेजी से बढ़ने लगी। उस छोटी सी शुरुआत से कंपनी लगातार आगे बढ़ती गई। मीरा ने उत्पादों की शुद्धता, पारंपरिक फॉर्मूलों और आकर्षक प्रजेंटेशन पर खास ध्यान दिया। इसने भीड़-भाड़ वाले बाजार में उनके ब्रांड को एक अलग पहचान दिलाई। उनकी लगन और मेहनत तब रंग लाई जब कंपनी पर अंतरराष्ट्रीय लक्जरी ब्रांड एस्टे लॉडर की नजर पड़ी। इसने मीरा की कंपनी में माइनॉरिटी स्टेक खरीद ली।

अब हजारों करोड़ का साम्राज्य

आज, मीरा की कंपनी के भारत भर में 130 से भी ज्यादा स्टोर हैं। यह ब्रांड 120 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का एक्सपोर्ट करता है। इसकी प्रोडक्ट कैटेगरी में स्किनकेयर, हेयरकेयर, बॉडी केयर और वेलनेस से जुड़ी चीजें शामिल हैं। इन सभी को आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर ही तैयार किया जाता है। इस ब्रांड का सालाना रेवेन्यू लगभग 432 करोड़ रुपये है। इसका वैल्यूएशन बढ़कर 8,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। मीरा की इस सफलता ने उन्हें भारत की सबसे अमीर महिला उद्यमियों में से एक बना दिया है। 'फॉरेस्ट एसेंशियल्स' भारत के ज्यादा बड़े और लग्जरी होटल ग्रुप्स की मुख्य सप्लायर भी है। इनमें मशहूर 'ताज ग्रुप ऑफ होटल्स' और 'द ओबेरॉय होटल्स' भी शामिल हैं। मीरा कुलकर्णी की निजी नेट वर्थ लगभग 1,290 करोड़ रुपये आंकी गई है। आंकड़ों से परे उनकी असली विरासत भारत में सुंदरता के पैमानों को नए सिरे से परिभाषित करने में है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि आयुर्वेद जैसी हमारी अपनी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां, अगर पूरी ईमानदारी और नएपन के साथ पेश की जाएं।

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड दे रही मुफ्त का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड ने पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी इसी हफ्ते एक्स-बोनस ट्रेड कर रहने जा रही है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी की तरफ से 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा। ट्रेंट लिमिटेड ने अपने पोजीशनल निवेशकों को 10 साल में 2285 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, कंपनी एक्स-डिविडेंड भी अगले 15 दिन के अंदर ट्रेड करने वाली है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में इस कंपनी ने बताया है कि 2 शेयर पर शेयर बोनस के तौर पर योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 4 जून 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें दो शेयर पर 1 शेयर का लाभ होगा। डिविडेंड भी दे रही है कंपनी इस कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। ट्रेंट लिमिटेड ने बताया है कि 1 शेयर पर योग्य निवेशकों को 6 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए भी रिकॉर्ड डेट घोषित है। कंपनी शेयर बाजारों में 12 जून को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन पिछले एक साल में कैसा: शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर ट्रेंट लिमिटेड के शेयर बीएसई में 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4230 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले तीन महीन के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8.47 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। बता दें, एक साल में ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

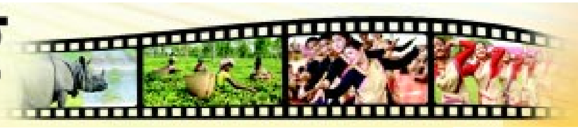

आर्थिक संकट में देश संभालना बड़ी जिम्मेदारी : मनोज बाजपेयी

साल 1991 के आर्थिक संकट पर बनी फिल्म *गवर्नर: दसाइलेंट सेवियर* को लेकर मनोज बाजपेयी ने बातचीत की। उन्होंने कहा कि फिल्म में एक आरबीआई गवर्नर के देश की उम्मीद बनने और देश को संकट से निकालने की जंग दिखाई गई है। मनोज ने इसे इकोनॉमिक थ्रिलर बताया। उन्होंने वैश्विक हालात, ईरान-यूएस तनाव, आम आदमी की परेशानियों, ओटीटी और थिएटर की कमी पर भी राय रखी।

सवाल : फिल्म गवर्नर : द साइलेंट सेवियर *किस बारे में है?*

जवाब: यह सिर्फ एक आरबीआई गवर्नर नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी की कहानी है। आर्थिक संकट के समय हर नजर आप पर हो तो कितना दबाव होता है, फिल्म यही दिखाती है। ऐसे समय परिवार और निजी जिंदगी पीछे छूट जाती है। फिल्म उसी संघर्ष और दबाव को दिखाती है।

सवाल: फिल्म में इकोनॉमिक्स और आरबीआई जैसे कठिन विषय हैं। आम दर्शक इसे कैसे समझ पाएंगे?

जवाब : फिल्म में जीडीपी, फिस्कल डेफिसिट और इन्फ्लेशन जैसे शब्द हैं, लेकिन उन्हें आसान तरीके से दिखाया गया है। यह क्लासरूम वाली फिल्म नहीं, बल्कि इकोनॉमिक थ्रिलर है। यहां कम समय में देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने की चुनौती ही रोमांच पैदा करती है।

सवाल: इस किरदार की तैयारी कैसे की?

जवाब : मैंने स्क्रिप्ट कई बार पढ़ी और जो बातें समझ नहीं आईं, उन्हें डायरेक्टर व राइटर्स से समझा। डायरेक्टर पढ़ने का मटेरियल और वीडियो भेजते थे। किरदार का लुक और बोलने का तरीका तय किया गया। करीब ढाई महीने तैयारी चली। टेक्निकल शब्दों को समझकर उन्हें आसान तरीके से दर्शकों तक पहुंचाना सबसे मुश्किल था।

सवाल : एक तरफ आप राम गोपाल वर्मा की फिल्म कर रहे थे, जहां माहौल बिल्कुल अलग था, जबकि गवर्नर के सेट पर लोग आपको बहुत शांत और गंभीर इंसान के तौर पर देखने लगे थे। ऐसा क्या था इस किरदार में?

जवाब : यह किरदार कम बोलने वाला इंसान है, जो ज्यादातर अपने विचारों में व्यस्त रहता है। नंबर, गणित और बड़ी जिम्मेदारियों से जुड़े लोग अक्सर शांत होते हैं और लगातार चुनौतियों पर सोचते रहते हैं। आरबीआई गवर्नर भी हर समय संकट सुलझाने में लगा रहता है, इसलिए यह गंभीर नहीं बल्कि भीतर से लगातार सोचने वाले व्यक्ति का किरदार है।

सवाल : क्या फिल्म में गंभीरता के साथ ह्यूमर भी देखने को मिलेगा?

जवाब : बिल्कुल। फिल्म में फैमिली बॉन्डिंग है। मधु मेरी पत्नी का रोल कर रही हैं। उनकी फिल्म *रोजा* देखकर पागल हो गए थे। उनके साथ के सीन हल्के और प्यारे हैं। ऑफिस के कुछ हिस्सों में भी ह्यूमर है। थ्रिलर होने के कारण दर्शक कहानी से जुड़े रहेंगे।

सवाल : आप इतिहास के छात्र भी रहे हैं। 1991 के आर्थिक संकट और आज के हालात में क्या समानता देखते हैं?

जवाब : 1991 में गल्फ वॉर के दौरान तेल के दाम बढ़ रहे थे और भारत आर्थिक संकट से जूझ रहा था। आज भी यूएस-ईरान जैसे तनावों का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। तेल महंगा होता है, डॉलर मजबूत होता है और भारत जैसे देशों पर दबाव बढ़ता है। इतिहास पूरी तरह नहीं दोहराता, लेकिन उसकी झलक जरूर दिखती है।

सवाल : ऐसे संकट के समय आम आदमी क्या कर सकता है?

जवाब : बड़े आर्थिक फैसले एक्सपर्ट्स और सरकारों का काम हैं। आम आदमी अपने खर्च नियंत्रित कर सकता है। मुश्किल समय में लोग फिजूल खर्च, घर खरीदने, घूमने और बड़े खर्चों से बचते हैं। लोग संभलकर चलते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि आगे का समय कठिन हो सकता है। गवर्नर में मनोज बाजपेयी का किरदार पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने देश को आर्थिक संकट से बाहर निकाला था। गवर्नर में मनोज बाजपेयी का किरदार पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने देश को आर्थिक संकट से बाहर निकाला था।

सवाल : क्या आम आदमी सिस्टम बदल सकता है?

जवाब : सिस्टम तभी तक मजबूत रहता है, जब तक आम आदमी सवाल नहीं पूछता। समस्याएं नहीं सुनी जाएं तो लोग आवाज उठाते हैं। इतिहास में कई बार आम आदमी ने बदलाव लाया है। इमरजेंसी और 1991 के संकट जैसे दौरों में भी लोगों की ताकत सामने आई है।

सवाल : फिल्म की रिलीज के साथ दूसरी बड़ी फिल्में भी आ रही हैं। क्या ऐसी फिल्मों को सोलो रिलीज मिलनी चाहिए?

जवाब : भारत में सबसे बड़ी समस्या थिएटर की कमी है। सरकार और इंडस्ट्री ज्यादा सिनेमाघर बनवाएं तो छोटी-बड़ी सभी फिल्मों को बराबर मौका मिलेगा। हर फिल्म को दर्शकों तक पहुंचने का अधिकार है।

देखो हंस न देना.....

एक औरत पति से मिलने जेल गई। वहां उसने जेलर से कहा : तुम लोग मेरे पति से इतना काम क्यों करवाते हो?
जेलर : कौन-सा काम? वो तो सिर्फ खाता है, पीता है और सोता है।
औरत : तो क्या मेरे पति झूठ बोल रहे हैं कि वो सुरंग खोद रहे हैं।

पप्पू : दिनदिहाड़े घर में चोरी हो जाती हैं तो सब कहते हैं, मैंने नहीं देखा और जब गर्लफ्रेंड को घर लाओ तो पूरा मोहल्ला कहता है, हमने देखा...हमने देखा।

ये आदत हर मिनट छीन रही करीब 15 जिंदगियां

तंबाकू-सिगरेट हर साल दुनिया भर में 80 लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बनती है जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, धूम्रपान छोड़ना अच्छी सेहत के लिए सबसे जरूरी उपाय है। पर इस आदत को छोड़े कैसे? आइए इसके आसान तरीके जान लेते हैं।

तंबाकू वाली चीजें, चाहे वो खैनी हो या सिरगेट-बीड़ी हमारी सेहत के लिए कितनी नुकसानदायक हैं, ये अब किसी से छिपा नहीं है। बच्चे-बच्चे को पता है कि तंबाकू कैंसर का कारण बनता है। हालांकि चिंता की बात ये है कि जागरूकता के बावजूद दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग तंबाकू-सिगरेट की लत का शिकार हैं।

आंकड़े बताते हैं कि तंबाकू-सिगरेट के कारण हर मिनट करीब 15 लोगों की मौत हो जाती है, वहीं ये सालाना दुनियाभर में 80 लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण भी बनती है। इनमें 70 लाख से ज्यादा सीधे तौर पर इस्तेमाल करने वाले लोग और लगभग 13 लाख ऐसे लोग शामिल हैं जो खुद धूम्रपान नहीं करते, लेकिन दूसरों के धूम्रपान से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आने से मारे जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण होने वाली मौतें रोकी जा सकती हैं, इसलिए लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। तंबाकू को आमतौर पर सिर्फ फेफड़ों की समस्या बढ़ाने वाला माना जाता रहा है। पर इससे हृदय, मस्तिष्क, रक्त वाहिकाओं, मुंह, गले, पेट और शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। लंबे समय तक धूम्रपान करने वालों में कैंसर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और कई अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर महिमा ने दी प्रतिक्रिया

महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो *ऑफ कैंपस* की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं।

सोशल मीडिया पर एरियाना चौधरी और मिका अब्दुल्ला के बीच तुलना को लेकर खूब चर्चा है। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज *ऑफ कैंपस* में *ऐली हेस* का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

इस वायरल ट्रेंड पर हंसते हुए महिमा ने बताया कि उनके दोस्त, परिवार और फैंस लगातार उन्हें इस हॉलीवुड एक्टर के क्लिप और स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। महिमा चौधरी ने कहा, हां, मुझे पता है। मुझे वह (एरियाना) बहुत पसंद है, वह कमाल की है। दो अलग-अलग महाद्वीपों के लोगों में इतनी जबरदस्त समानता कैसे हो सकती है? यह समानता इतनी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई कि कुछ लोगों को तो यह भी लगने लगा कि एरियाना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उनसे अभी एक्टिंग नहीं शुरू की है।

महिमा ने कहा कि उन्हें ये तुलनाएं प्यारी लगती हैं। उन्होंने कहा, किसी इतने प्यारे इंसान को देखना और यह सुनना कि आप दोनों एक जैसे दिखते हैं, बहुत अच्छा लगता है। मैं इस समानता से बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे वह बहुत प्यारी लगती है। अगर लोग कहते हैं कि मैं उसके जैसी दिखती हूं या एरियाना उसके जैसी दिखती है, तो मैं बहुत खुश होती हूं। उन्होंने अभी-अभी 12वीं पास की है।

गर्मियों में आप भी मुंह में छाले से परेशान हैं? कारण और राहत

क्या आप भी इन दिनों मुंह में छाले की समस्या से परेशान हैं? मुंह में होने वाले ये छोटे सफेद या लाल घाव काफी असहज करने वाले हो सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि गर्मी के दिनों में छाले होने की समस्या काफी बढ़ जाती है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्मी का मौसम सिर्फ पसीना और थकान ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शरीर के अंदर कई ऐसी समस्याएं पैदा कर सकता है जिसपर अक्सर लोगों का ध्यान ही नहीं जाता। मुंह में छाले होना ऐसी ही समस्या है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जो लोग दिनभर धूप में काम करते हैं, कम पानी पीते हैं, ज्यादा चाय-कॉफी लेते हैं या पहले से गैस्ट्रिक समस्याओं से जूझ रहे होते हैं, उनमें मुंह के छालों का खतरा ज्यादा होता है।

वैसे तो छाले कुछ आसान से उपायों की मदद से आसानी से ठीक हो जाते हैं, हालांकि अगर सामान्य तरीकों से आराम न मिल रहा हो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

-गमियों में डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी होना काफी आम है। पानी की कमी की वजह से मुंह की अंदरूनी परत सूखने लगती है।

-डिहाइड्रेशन मुंह के टिश्यू को संवेदनशील बना देता है, जिससे उनमें सूजन और छोटे घाव बनने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा गर्मियों में ज्यादा मसालेदार, तला-भुना या बहुत गर्म खाना खाने की वजह से भी छाले हो सकते हैं। अधिक मिर्च और एसिडिक फूड्स मुंह की पतली परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जिससे छाले या घाव हो सकते हैं।

इन कारणों को भी जान लीजिए

-शरीर में विटामिन बी12, आयरन और फोलिक एसिड की कमी वाले लोगों में भी मुंह के छाले ज्यादा देखने को मिलते हैं। गर्मी के मौसम में पसीने के जरिए शरीर से जरूरी मिनरल्स तेजी से बाहर निकलते हैं, जिससे यह जोखिम और बढ़ सकता है।

-तनाव, नींद में कमी और कमजोर इम्यून सिस्टम भी इस समस्या को बढ़ाते हैं। कुछ मामलों में पेट की गड़बड़ी, कब्ज या एसिडिटी के कारण भी छाले हो सकते हैं।

-स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक लंबे समय तक धूप में रहने वाले, बाहर काम करने वाले लोगों में खतरा अधिक होता है। अगर छाले बहुत बड़े हों, बार-बार हों या तीन हफ्ते से ज्यादा समय तक बने रहें तो इसे सामान्य समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में जांच जरूरी हो जाती है।

छाले होने पर क्या करें? ` : .

गर्मी के दिनों में यदि मुंह में छाले हो गए हैं तो सबसे पहले शरीर के हाइड्रेशन लेवल में सुधार के उपाय करें। डॉक्टर गर्मियों में पर्याप्त पानी, नारियल पानी, छाछ और इलेक्ट्रोलाइट्स लेने की सलाह देते हैं।

याद्दाश्त जाने पर भी मेरा नाम सुनकर रिएक्ट करते थे, विशाल भारद्वाज ने बशीर बद्र के साथ अपने रिश्ते पर की बात

निर्माता-निर्देशक विशाल भारद्वाज दिग्गज दिवंगत शायर बशीर बद्र के काफी करीब रहे हैं। हाल ही में बशीर बद्र के निधन के बाद विशाल भारद्वाज ने उनके साथ अपने संबंधों के बारे में बात की। विशाल ने बताया कि डिमेंशिया के चलते उनकी याददाश्त काफी हद तक मिट गई थी, लेकिन फिर भी मेरा नाम सुनकर वो प्रतिक्रिया देते थे।

विशाल भारद्वाज पर बशीर बद्र की कविताओं का इतना गहरा प्रभाव था कि उन्हें आज भी वह पहला शेर याद है जो उन्होंने इतने साल पहले सुना था। ये शेर था- *ये एक पेड़ है, आ इससे मिल के रो ले हम, यहां से तेरे मेरे रास्ते बदलते हैं।*

विशाल ने कहा कि जब भी मैं उनका हालचाल जानने के लिए फोन करता, उनके बेटे तैयब और राहत आपा (बद्र की पत्नी) मुझे बताते कि वो अब भी मेरा नाम सुनकर प्रतिक्रिया देते हैं। मुझे याद है जब हमें पता चला कि उन्हें डिमेंशिया है, तो हम बहुत रोए थे। 2010 में उन्होंने कई दिनों तक बोलना बंद कर दिया था और एक दिन मैं एक शेर भूल गया था। मैंने कहा, मेरा दिमाग भी धड़कता है मेरे दिल की तरह...और उनसे पूछा, डॉक्टर साहब, मुझे अगली पंक्ति याद नहीं आ रही और उन्होंने अचानक कहा, मिटा दिए हैं फासले सब मोहब्बत ने।

विशाल भारद्वाज ने स्वतंत्र रूप से बशीर बद्र की कई गजलों का संगीत तैयार किया है और उन्हें रिलीज किया है। इनमें हाल ही में मैं घना अंधेरा हूं शामिल है। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन में कविता का सफर मेरे व्यक्तित्व, मेरी रचनात्मकता का सबसे मजबूत हिस्सा है।

मेरा संगीत मेरी कविता की वजह से है। मेरी फिल्में मेरी कविता की वजह से हैं। मेरे पिता भी कवि थे। मैं बशीर बद्र और गुलजार को अपने दूसरे माता-पिता के समान मानता हूं। उन्होंने मुझे संवारा है। मुझे बहुत खुशी है कि मेरे जीवन में उनका इतना प्रभाव रहा।

अपनी दोस्ती को याद करते हुए विशाल ने बताया कि इसकी शुरुआत मेरठ में हुई, जहां बशीर बद्र रहते और पढ़ाते थे। उनकी बेटी और विशाल की बहन क्लासमेट थीं। सिंगर-संगीतकार ने कहा कि उस समय मेरी याददाश्त बहुत तेज थी, मैं आसानी से कविताएं याद कर लेता था।

कास्टिंग डायरेक्टर के कमेंट से घबरा गईं थी नेहा धूपिया

बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने अक्सर अपने करियर की शुरुआत में झेले गए हार्श ब्यूटी स्टैंडर्ड और कमेंट्स के बारे में बात की है। अब अभिनेत्री नेहा धूपिया ने बताया है कि कैसे एक कास्टिंग डायरेक्टर की उनकी स्माइल पर किए गए कमेंट ने उनके आत्मविश्वास को गहराई से प्रभावित किया और कई साल तक उनके व्यवहार को बदल दिया।

हाल ही में अपने शो *डबल डेट* के हालिया एपिसोड के दौरान नेहा धूपिया ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। इस दौरान नेहा ने इंडस्ट्री में एक्ट्रेस के लुक्स और सुंदरता पर किए जाने वाले कमेंट्स को लेकर बात की।

अपने अनुभव को याद करते हुए नेहा ने कहा कि मुझे अपने करियर के बहुत शुरुआती दिनों में जब मैं इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थी, एक टीवी शो के ऑडिशन के लिए जा रही थी। मैं एक कास्टिंग डायरेक्टर की कार में बैठी थी और उन्होंने मेरी तरफ देखा और मैं मुस्कुरा दी।

उन्होंने कहा, तुम्हें मुस्कुराना नहीं चाहिए। तुम मुस्कुराती हो तो अच्छी नहीं लगती। जब तुम नहीं मुस्कुराती हो तो तुम्हारे चेहरे पर ज्यादा शक्ति झलकती है।

नेहा ने कहा कि उस टिप्पणी ने उन पर गहरा असर डाला। एक्ट्रेस ने कहा कि उसके बाद मैंने मिस इंडिया का खिताब भी जीता, लेकिन मेरी फोटोज देखिए मैं मुस्कुरा नहीं रही हूं। इससे उबरने में मुझे 8-10 साल लग गए। उसने कहा था कि तुम्हारी स्माइल तुम पर जंचती नहीं है।

उन्होंने यह भी बताया कि मिस यूनिवर्स का खिताब हारने से उनका आत्मविश्वास भी हिल गया था और इमोशनली उबरने में उन्हें करीब आठ से दस महीने लग गए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो नेहा धूपिया आखिरी बार वेब सीरीज *परफेक्ट फैमिली* में नजर आई थीं। सचिन पाठक द्वारा निर्देशित इस शो का निर्माण पंकज त्रिपाठी ने किया था।

तान्या मित्तल को अमीर पति नहीं चाहिए

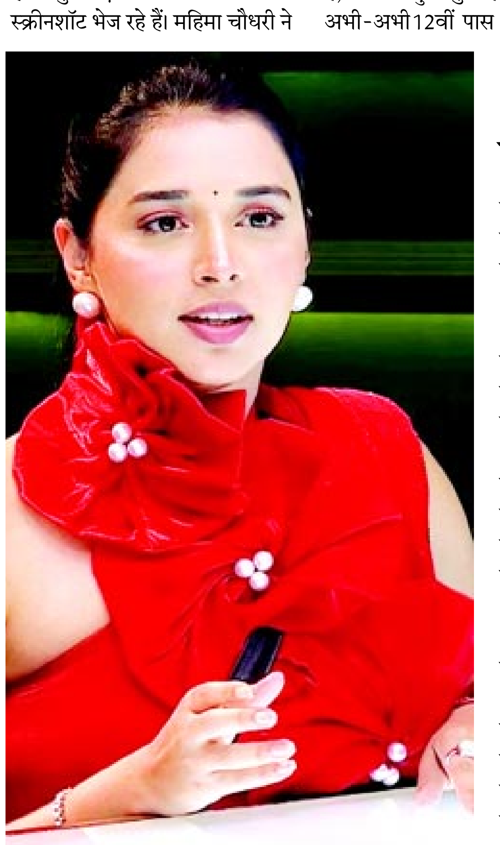

इन्फ्लुएंसर और पूर्व *बिग बॉस* कंटेस्टेंट तान्या मित्तल ने कहा कि वह अमीर पार्टनर नहीं चाहतीं। वह खुद इतनी आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहती हैं कि अपने पार्टनर की हर बड़ी पैसों से जुड़ी जरूरत को आसानी से पूरा कर सकें।

इंटरव्यू में तान्या मित्तल ने कहा, मैं जिससे प्यार करती हूं या जिसके साथ हूं, उसके लिए अपना सब कुछ देने को हमेशा तैयार रहती हूं। मैं ऐसा पहले भी कर चुकी हूं और आगे भी करूंगी। मैं नहीं चाहती कि मुझे कोई अमीर पति मिले। अगर मेरे पति के पास कुछ भी न हो, तब भी मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मैं चाहती हूं कि वह रोज सुबह उठकर मुझसे 10-15 लाख रुपए मांगे और मेरी इतनी क्षमता हो कि मैं उसे हर दिन 10-15 लाख रुपए दे सकूं। मतलब, मैं ऐसी गर्लफ्रेंड/पत्नी बनना चाहती हूं।

तान्या मित्तल जल्द कॉमेडी और कुकिंग रियलिटी शो *मां है ना* में नजर आएंगी। इसमें तान्या मां सुनीता मित्तल के साथ जोड़ी में दिखेंगी। हाल ही में *मां है ना* के प्रमोशनल इवेंट्स के दौरान तान्या और *स्प्लिट्सविला 6 विनर* गुल्लू उर्फ कुशल तंवर के बीच हल्की-फुल्की नोकझोंक देखने को मिली थी।

जब गुल्लू के बारे में पूछा गया, तो तान्या ने कहा कि दूसरों को हराने के लिए उनका खाना खराब करना गलत है। जब आप खुद पर कॉन्फिडेंट नहीं होते, तब आप दूसरों के साथ ऐसा करते हैं। तान्या ने यह भी कहा था कि वह उन लोगों को पसंद नहीं करतीं जो लाइन क्रॉस करते हैं। दोनों की बातचीत का वीडियो वायरल हो गया।

इसके बाद बिना किसी का नाम लिए तान्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, एक बार फिर पुरुषों के अहंकार को चुनौती देकर खुशी हुई। जलन हो रही है? मैं समझ सकती हूं। कुछ पुरुष मजबूत और आत्मनिर्भर महिलाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन कुछ सिर्फ उनके बारे में बातें ही कर पाते हैं।

उन्होंने आगे लिखा, जब कुछ लोग एक ऐसी महिला से असहज महसूस कर रहे हैं जो खुद को किसी के लिए छोटा नहीं करती, तब मैं अपनी मेहनत से आगे बढ़ रही हूं, सफलता हासिल कर रही हूं और लोगों का प्यार व आशीर्वाद बटोर रही हूं। जलते रहिए, देखते रहिए और बातें करते रहिए। मैं अपनी पहचान और काम से हमेशा याद रखी जाऊंगी।

जब से *बिग बॉस सीजन-19* हमारे टीवी और ओटीटी स्क्रीन पर आया है, तब से सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक स्पिरिचुअल इनफ्लुएंसर तान्या मित्तल रही हैं। 29 साल की तान्या शो में अपने अलग-अलग बयानों से सुर्खियों में छाई हुई हैं। पहले वीकेंड का वार में होस्ट सलमान खान ने भी उन्हें *बॉस* कहा था क्योंकि *बिग बॉस 19* की ये कंटेस्टेंट इस बात से हैरान थीं कि घरवाले उन्हें बॉस नहीं बल्कि नाम से बुला रहे थे।

तान्या मित्तल की उम्र भी चर्चा का विषय रही है। शो में तान्या को 2000 की पैदाइश बताया। हालांकि एक रेडिट थ्रेड ने दावा किया कि ऐसा नहीं है, और पहले के उदाहरणों का हवाला देते हुए जिसमें उन्होंने खुद को 29 या उससे ज्यादा उम्र का बताया था। इसके अलावा 2017 में उनके 18वें जन्मदिन पर में ली गई एक पुरानी तस्वीर शेयर होने की वजह से और कनफ्यूजन हो गया। इसके अलावा तान्या ने शो में 21 साल की टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर को *बच्ची* भी कहा, जो नेटिजन्स को पसंद नहीं आया।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

सोमवार, 1 जून 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30°	19°
डिब्रुगढ़	29°	17°
तिनसुकिया	30°	18°
शिवसागर	30°	19°

बोकाखात में उचित दाम न मिलने से किसान नाराज

बोकाखात, 31 मई (सं) । असम के बोकाखात उपजिले के गोलोंग तेमेरा पंचायत के देवीथान इलाके में इस समय टमाटर किसानों के बीच बेहद चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है। कड़ी मेहनत और पसीना बहाकर उगाई गई फसल अब उचित कीमत न मिलने के कारण किसानों को किंटल के हिसाब से फेंकनी पड़ रही है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि इलाके के थोक व्यापारी टमाटर के लिए सिर्फ 1 से 2 रुपये प्रति किलो से ज्यादा देने को तैयार नहीं हैं। वहीं दूसरी तरफ राज्य के खुले बाजारों में यही टमाटर 40 से 70 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है।

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

जोरहाट में अखिल असम कलवार समाज ने किया मेधावियों को सम्मानित

खबर संवाददाता

जोरहाट, 31 मई। अखिल असम कलवार समाज, जोरहाट ने वर्ष 2026 की दसवीं एवं बारहवीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वजातीय 15 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। सम्मान समारोह का आयोजन सॉलिसिटर रोड स्थित हिन्दुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी परिसर में दिन के 11 बजे किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के जिला अध्यक्ष शंकर प्रसाद कलवार (बबलू), केंद्रीय समिति के महासचिव राममनोहर जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष रामनाथ चौधरी, ठाकुरबाड़ी समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी तथा होलोंगुड़ी के भोलानाथ जायसवाल को मंचासीन कर फुलाम गामोछा भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई। इसके पश्चात मेधावी विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए फुलाम गमोछा एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया

गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कुमकुम चौधरी, अनोखी चौधरी, अदिति चौधरी, अनुष्का गुप्ता, तानिया कलवार, यशराज चौधरी, आशुतोष चौधरी, रोशन कलवार, कार्तिक चौधरी, करण चौधरी, आदित्य जायसवाल, मुकेश कलवार तथा सिद्धार्थ चौधरी शामिल थे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला सचिव सूरज चौधरी, कोषाध्यक्ष राजू गुप्ता सहित अन्य वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व और समाज में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सफल संचालन केंद्रीय समिति के प्रचार सचिव राजकुमार चौधरी ने किया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

दिवेश कांकाणी के आद्यश्राद्ध पर विशेष
बचपन के दोस्तों में जिंदा रहता है खोया बचपन

■ मनोज राठी, जोरहाट

कहते है बीता बचपन फिर लौट कर नहीं आता। लेकिन बचपन जिंदा रहता है बचपन के दोस्तों के रूप में। ऐसा ही बचपन का दोस्त था दिवेश। हम तब से साथ थे, जब हमें दुनिया की कोई समझ नहीं थी। जीवन की पगडंडी पर चार दशक हम साथ चले तो बचपन में पहली बार पैडल मार कर साइकल भी साथ ही चलाना सीखा। बचपन से जुड़ी ऐसी कई यादें है जो अब लौट कर जेहन में ताजा हो जाती है। वह स्वभाव से मिस्टर कूल था। किसी से तकरार तो दूर की बात है, दूसरे के झगड़े में भी वह सुलह करवाने में माहिर था। भले मामला किसी अपने का न हो, लेकिन उसकी कोशिश होती कि दो हाथ फिर से मिल जाए। दोस्तों के बीच उसकी बात कोई नहीं काटता था। मेरे लिए तो वह बचपन का दोस्त ही नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा था। वक्त का पाबंद था और रात को घर जाने का जैसे ही तय समय होता दोस्तों के बीच से वह हवा हो जाता। वह सौभाग्यशाली था कि तीन भाइयों के बीच अद्भुद मेलजोल का वह साक्षी रहा। अपनी मां का लाडला था धनेश। इसी नाम से पुकारती थी मां। बचपन में हमने साथ काफी क्रिकेट खेला। गले में रुमाल बांधकर बैटिंग के पूरे तामझाम के साथ वह मैदान पर उतरता। दौड़ कर एक-एक रन लेना उसे नहीं भाता था और लंबे शॉट लगाने की उसे आदत थी। जीवन सफ़र में भी हमारे साथ एक-एक कदम चलने कि बजाय उसने बड़ी छलांग लगा दी। उसका यूं अचानक चले जाना हम सभी दोस्तों, खास कर मेरे लिए बड़ा सदमा है। अस्पताल के आईसीयू में देर रात दोस्तों के बीच उससे मिलने वाला मै इकलौता था। मैने कई बार आवाज दी, लेकिन उसकी चेतना शून्य हो चुकी थी। मेरे पुकारने पर उसने जवाब नहीं दिया। इस पुकार का जवाब अब कभी नहीं मिलेगा। यह केवल स्मृतियों में शेष है। जो समय उसके साथ बिताया, वह जीवन भर अनमोल रहेगा। ईश्वर उसे अपने चरणों में स्थान दे।

दुमदुमा के लोटस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन

संवाददाता

दुमदुमा, 31 मई। तिनसुकिया जिले के दुमदुमा स्थित लोटास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों को जानलेवा तंबाकू उत्पादों के नुकसान से बचाने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज सुबह विद्यालय की सामूहिक गुरु वंदना और प्रार्थना के बाद, प्रधानाचार्य मानस कुमार दे ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खैनी और गुटखा जैसे तंबाकू उत्पादों ने काले बादलों की तरह चारों तरफ से घेर लिया है। यह खतरनाक कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म दे रहा है और कई लोगों को अपंग बना रहा है। इसलिए, इस यमदूत रूपी तंबाकू उत्पादों से खुद को पूरी तरह दूर रखकर अच्छे कार्यों में मन लगाना चाहिए। इसके बाद नौवीं कक्षा की छात्रा संघमित्रा गुप्ता और छात्र जोनाकज्योति श्याम ने अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में मानव शरीर पर तंबाकू उत्पादों के घातक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया और सभी को प्रभावित किया। फिर आम जनता और नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिनेश गोयल, सचिव अर्जुन बरुआ, प्रधानाचार्य मानस कुमार दे, शिक्षकों और छात्रों ने एक तंबाकू विरोधी रैली निकाली। इस रैली ने दुमदुमा शहर का भ्रमण किया और जनता से विशेष सराहना प्राप्त की। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के बीच दो श्रेणियों मे प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में गरिमा कुमार और हरीश गोगोई ने पहला, नेहा पंडित और प्रियाश्री सैकिया ने दूसरा तथा निवारण बर्मन ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग में रिफा रजक, प्रीतम कलिता और अभय पंडित (तीनों) ने पहला, चाहत गुप्ता और रितिका देव ने दूसरा तथा मानन चौधरी और गीतांशु लहकर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सफलतापूर्वक संपन्न हुए इस पूरे कार्यक्रम का संचालन वैष्णवी गुप्ता और निष्ठा शाह ने किया।

मायुमं,तिनसुकिया शाखा का निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद पहचान शिविर का सफल आयोजन

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 31 मई। मारवाड़ी युवा मंच,तिनसुकिया शाखा द्वारा जिला अंधता नियंत्रण समिति,तिनसुकिया एवं लायन के.के.सहारिया चैरिटेबल आई हॉस्पिटल, डिब्रूगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आज तिनसुकिया गौशाला परिसर, न्यू डेवलपमेंट,नौपुखरी में एक निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद पहचान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर के दौरान मरीजों की नेत्र जांच,शुगर जांच,रक्त जांच,टीबी स्क्रीनिंग एवं एक्स-रे की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।इस शिविर में कुल 203 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।जांच के उपरांत 60 मरीजों में मोतियाबिंद(कैटरैक्ट)की पहचान हुई,जिन्हें लायन के.के.सहारिया आई हॉस्पिटल,डिब्रूगढ़ ले जाया जाएगा,जहां उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष सी.ए.अर्पित केडिया, सचिव युवा देवीदत्त

लोहिया,कोषाध्यक्ष युवा शुभम तोदी,संयोजक श्री सौरव अग्रवाल एवं श्री अभिषेक अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री गिरीश पेड़ीवाल एवं श्री नारंग अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर में मंच के वरिष्ठ सदस्यों, समाज के गणमान्य व्यक्तियों, व्यापारी वर्ग एवं समाजसेवियों ने भी उपस्थित होकर आयोजन की सराहना की तथा मरीजों का उत्साहवर्धन किया। मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे वे बेहतर दृष्टि एवं स्वस्थ जीवन प्राप्त कर सकें। मंच ने शिविर के सफल संचालन हेतु लायन के.के. सहारिया चैरिटेबल आई हॉस्पिटल,डिब्रूगढ़ की चिकित्सक एवं स्वास्थ्य टीम,तिनसुकिया सिविल अस्पताल की टीम,जिला अंधता नियंत्रण समिति तथा तिनसुकिया गौशाला प्रबंधन के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया,जिन्होंने शिविर के आयोजन में अमूल्य सहयोग प्रदान किया। मंच ने विशेष रूप से शिविर के संयोजक श्री सौरव अग्रवाल एवं श्री अभिषेक अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व एवं समर्पण के लिए बधाई दी। उनके अथक प्रयासों एवं सुव्यवस्थित योजना के कारण शिविर अत्यंत सफल एवं लाभदायक सिद्ध हुआ।

लेखापानी पुलिस के जाल में फिर अल्फा (स्वा.) में शामिल होने जा रहे दो युवक

संवाददाता

जागुन, 31 मई। लेखापानी पुलिस ने एक बार फिर अल्फा (स्वतंत्र) में शामिल होने की तैयारी कर रहे दो युवकों को हिरासत में लिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन दिनों के भीतर मार्घेरिटा उपमंडल के कुल पांच युवकों को संगठन में शामिल होने की कोशिश के दौरान पुलिस ने पकड़ लिया है। एक ओर जहां केंद्र और राज्य सरकारें उग्रवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर अल्फा (स्वतंत्र) सीमावर्ती क्षेत्रों से लगातार नए सदस्यों की भर्ती करने की कोशिश कर रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा पूर्वोत्तर के उग्रवादी संगठनों पर निगरानी बढ़ाए जाने के बीच तिनसुकिया जिले में भी ऐसी गतिविधियों के बढ़ने की जानकारी सामने आई है। हाल ही में तिनसुकिया पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सुरक्षा बलों ने तिनसुकिया सहित राज्य के कई हिस्सों में अभियान चलाया। इसी पृष्ठभूमि में शनिवार को लेखापानी पुलिस ने पेंगरी थाना क्षेत्र के दो नंबर नलनी गांव निवासी उदय मोरान के पुत्र दुर्लभ मोरान (22) तथा अलीम मोरान के पुत्र रंगत मोरान (22) को हिरासत में लिया। दोनों से अधिक जानकारी जुटाने के लिए लेखापानी थाने में पूछताछ जारी है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले भी पुलिस ने संगठन में शामिल होने की तैयारी कर रहे तीन युवकों को हिरासत में लिया था। इनमें पेंगरी थाना क्षेत्र के दो नंबर टेकेरी गांव निवासी दिलीप मोरान के पुत्र अंटू मोरान (34), बूलू मोरान के पुत्र न्यूटन मोरान (22) तथा दो नंबर नलनी गांव निवासी दिनेश्वर मोरान के पुत्र विजय मोरान (28) शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और संगठन की कथित भर्ती गतिविधियों से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

टिंगखांग के राजगढ़ में भीषण अग्निकांड, लाखों की संपत्ति जलकर राख

मोरानहाट, 31 मंई (सं)। टिंगखांग के राजगढ़ क्षेत्र में रविवार को एक भीषण अग्निकांड की घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार, राजगढ़ निवासी रमलाल जायसवाल के घर के पीछे स्थित एक कपास गोदाम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और गोदाम पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक गोदाम में रखा भारी मात्रा में कपास, एक मोटरसाइकिल, एक स्कूटी तथा कई सिलाई मशीनें जलकर नष्ट हो चुकी थीं। बताया गया है कि गोदाम किराये पर लेकर उपयोग कर रहे रामातुला मनचोरी नामक व्यक्ति को इस हादसे में लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सौभाग्यवश इस अग्निकांड में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मोरान में असम माध्यमिक शिक्षक-कर्मचारी संघ की प्रेस वार्ता, शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग

मोरानहाट, 31 मई (सं)। असम माध्यमिक शिक्षक-कर्मचारी संघ ने मोरान में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान शिक्षकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। संघ के नेताओं ने प्रधानाध्यापकों की नियुक्ति, लंबित भर्ती प्रक्रिया, प्रभारी प्राचार्यों की समस्याएं, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमियां तथा शिक्षा प्रशासन की कार्यप्रणाली से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। प्रेस वार्ता में संघ के नेताओं ने कहा कि राज्य के अनेक विद्यालयों में अब भी प्रधानाध्यापक के पद रिक्त पड़े हैं। उन्होंने सरकार से इन रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग की, ताकि विद्यालयों का प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से चल सके। संघ ने लंबे समय से रुकी हुई नियुक्ति प्रक्रिया को पुनः शुरू करने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही, प्रभारी प्राचार्यों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील और सकारात्मक निर्णय लेने की अपील भी की। शिक्षक नेताओं ने सरकारी स्वास्थ्य सेवा योजना में मौजूद खामियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उनका कहना था कि योजना में ओपीडी (आउट पेशेंट विभाग) की सुविधा शामिल नहीं होने के कारण शिक्षकों को उपचार संबंधी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग भी उठाई गई। संघ ने शिक्षा प्रशासन को अधिक जिम्मेदार और सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर शिक्षक नेताओं ने शिक्षक समुदाय को लेकर की गई कुछ टिप्पणियों का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि समाज निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अमूल्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज पर अनावश्यक टिप्पणी करना उचित नहीं है। असम माध्यमिक शिक्षक-कर्मचारी संघ ने आशा व्यक्त की कि शिक्षा व्यवस्था के समग्र विकास के हित में सरकार शिक्षकों की मांगों और समस्याओं पर गंभीरता से विचार करेगी।

मेधावी विद्यार्थियों, सफल युवाओं एवं वरिष्ठजनों का भव्य सम्मान,नई कार्यकारिणी का गठन

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 31 मई । तैलिक साहू समिति,तिनसुकिया के तत्वावधान में रविवार को एक गरिमामय अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समाज में शिक्षा,प्रतिभा और संस्कारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले युवाओं तथा समाज के वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ एमबीबीएस में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं रिया गुप्ता,हर्ष साहू एवं पूजा गुप्ता का विशेष अभिनंदन किया गया।उपस्थित अतिथियों ने सम्मान-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के मुख्य अतिथि सीआरपीएफ की 68वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी अजय कुमार साह तथा विशिष्ट अतिथि तिनसुकिया विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष काजल गोहांई थे।उन्होंने विद्यार्थियों एवं युवाओं को निरंतर परिश्रम,अनुशासन एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हुए कहा कि शिक्षित एवं संस्कारित युवा ही समाज और राष्ट्र के विकास की सशक्त आधारशिला होते हैं। इस अवसर पर तिनसुकिया नगर पालिका के अध्यक्ष पुलक चेतिया,लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ संजय खेतान,अखिल असम भोजपुरी परिषद के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता,तैलिक साहू ट्रस्ट के अध्यक्ष राज किशोर प्रसाद,सचिव जगदीश गुप्ता,उपाध्यक्ष त्रिलोक गुप्ता, तैलिक साहू समिति के अध्यक्ष शशि शेखर गुप्ता,सचिव गोपाल साहू,अजय सिंह (मुन्ना सिंह),मनोज पांडे, संजय गिरी सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा की गई।सर्वसम्मति से पुरानी समिति को भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई।समाज के सदस्यों ने वर्तमान समिति के कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए पुनःउसी कार्यकारिणी को आगामी तीन वर्षों के लिए दायित्व सौंपने का निर्णय लिया।इस निर्णय का उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह न केवल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं,बल्कि समाज में शिक्षा, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक एकता को भी सुदृढ़ बनाते हैं।वरिष्ठजनों को उनके अनुभव,मार्गदर्शन और समाज के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुए इस कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन रोशन भारद्वाज द्वारा किया गया। बड़ी संख्या में अभिभावकों, युवाओं एवं समाज के सदस्यों की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक गरिमामय एवं सफल बनाया।

जागुन में नशा मुक्ति अभियान, कई विद्यालयों में जागरूकता सभा संपन्न

जागुन, 31 मई (सं)। विश्व धुम्रपान निषेध दिवस पर जागुन में एक दिवसीय नशा मुक्ति अभियान कई विद्यालयों में जागरूकता सभा रखकर किया गया। जागुन बजार स्थित डिवाइन डेन्टल केयर की तत्वावधान और डेन्टल सर्जन डॉ बिन्दु यादव अगुवाई में अखिल विश्व गायत्री परिवार जागुन के सक्रिय कार्यकर्ता के सहयोग में डि,पी,जी जागुन हाईस्कूल में विद्यार्थीयों के बीच में जाकर नशा मुक्ति अभियान तथा नशा से होनेवाली खतरनाक विमारीयों के बारे मोटिवेशनल वक्तव्य से जागरुकता पैदा किया गया। रामपुर गांव एम,ई, स्कूल जागुन में भी बच्चों को तालाब,गुट्का, तंबाकू और धूम्रपान से दूर रहने के लिए और इससे होने वाली भयंकर रोगों के बारे में डाक्टर बिन्दु यादव और जया भगत ने भलि भांति समझाया। दोपहर 3 बजे से 5 बजे डिवाइन डेन्टल केयर क्लिनिक पर निशुल्क दन्त चिकित्सा सेवा शिविर लगाया गया।इस शिविर का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया जागुन पुलिस चौकी प्रभारी त्रिदीप लाहन ने। आग्सु तिराप जागुन आंचलिक समिति के सभापति कृष्ण रिमाल, भोजपुरी परिषद से विजय भगत,अभिनाष चन्द्र,जागुन स्वर्ण शाखा साहित्य सभा के सचिव व पत्रकार खिलानाथ शर्मा, जागुन के समाजसेवी प्रदीप छेत्री के साथ कई लोग उपस्थित रहकर वक्तव्य रखा। सम्पूर्ण कार्यक्रमको का संचालन किया गायत्री परिवार के सक्रिय कार्यकर्ता राम नरेश यादव ने। यह नशा मुक्ति अभियान लेखापानी ,जागुन पूरे अंचल में चलाने के लिए संकल्प लिया गया।

राष्ट्रपति के करकमलों से स्वर्ण पदक पाकर लखीमपुर की बेटी प्रीति साह ने बढ़ाया असम का मान

संवाददाता

लखीमपुर, 31 मई। प्रतिभा, कठिन परिश्रम और अटूट संकल्प की मिसाल पेश करते हुए उत्तर लखीमपुर के बाजार पट्टी वार्ड संख्या-9 की होनहार बेटी प्रिती साह ने एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की है, जिस पर न केवल पूरा लखीमपुर जिला बल्कि समूचा असम गर्व महसूस कर रहा है। सिक्किम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए उन्हें प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने 27 मई 2026 को भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से प्राप्त कर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। प्रीति साह, उत्तर लखीमपुर निवासी रामानंद साह एवं मीना देवी की प्रतिभाशाली पुत्री हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर यह सिद्ध कर दिया कि सफलता परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा उत्तर लखीमपुर के वार्ड संख्या-6 स्थित सर्वेश्वर बरुआ उत्तर लखीमपुर हिंदी विद्यालय से प्राप्त की तथा वर्ष 2016 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने लखीमपुर गर्ल्स कॉलेज से वर्ष 2018 में उच्च माध्यमिक एवं वर्ष 2021 में स्नातक की शिक्षा उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ पूर्ण की। शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का सिलसिला यहीं नहीं रुका और उन्होंने वर्ष 2023 में सिक्किम विश्वविद्यालय से हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर (मास्टर्स) की पढ़ाई में पूरे विश्वविद्यालय में सर्वोच्च प्रदर्शन कर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का गौरव हासिल किया। इसके पश्चात वर्ष 2025 में उन्होंने देश की प्रतिष्ठित यूजीसी-नेट () परीक्षा सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर अपनी शैक्षणिक क्षमता का परिचय दिया और वर्तमान में वे मिजोरम विश्वविद्यालय से पीएच.डी. कर शोध कार्य में संलग्न हैं। राष्ट्रपति के हाथों स्वर्ण पदक प्राप्त करना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण माना जाता है और प्रीति साह की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि उनके विद्यालय, महाविद्यालय और पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। उनके शिक्षकों के अनुसार प्रीतित बचपन से ही अत्यंत मेधावी, अनुशासित और परिश्रमी छात्रा रही हैं तथा उनकी सफलता आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का सशक्त उदाहरण है, जो यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और सतत प्रयास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। प्रिती साह की इस उपलब्धि पर जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों और नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है, वहीं उत्तर लखीमपुर में इस ऐतिहासिक सफलता को लेकर गर्व, खुशी और उत्साह का वातावरण व्याप्त है।

प्रातः खबर
सोमवार, 1 जून 2026

मारवाड़ी युवा मंच की जोरहाट प्रगति शाखा ने हिंदुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी में अमृत धारा प्रकल्प की स्थापना कर श्रद्धालुओं को बड़ी राहत पहुंचाई। फोटो - खबर

ऊपरी असम में संगठनात्मक मजबूती पर एजेपी का फोकस डिब्रूगढ़ में लुरिन ज्योति गोगोई ने की अहम बैठक

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़ 31 मई। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पार्टी के अध्यक्ष लुरिन ज्योति गोगोई ने डिब्रूगढ़ में ऊपरी असम मंडल के अंतर्गत आने वाले तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, चराइदेव, शिवसागर, जोरहाट तथा गोलाघाट जिले के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और महासचिव के साथ एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक की। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने, आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन, जनता के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने तथा संगठनात्मक संरचना को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही पार्टी की विचारधारा, नीतियों और लक्ष्यों को समाज के विभिन्न वर्गों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर भी मंथन किया गया। लुरिन ज्योति गोगोई ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके जमीनी संगठन में निहित होती है। इसलिए प्रत्येक जिले में संगठन को अधिक सक्रिय, जनोन्मुखी और उत्तरदायी बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने पदाधिकारियों से जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर सक्रिय रहने तथा पार्टी के जनाधार को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा पार्टी की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने के संबंध में अपने सुझाव और अनुभव साझा किए। पार्टी नेतृत्व ने उपस्थित पदाधिकारियों के विचारों और सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि इन सुझावों से संगठन को और अधिक गतिशील बनाने में सहायता मिलेगी। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप संगठन को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाया जाए। लुरिन ज्योति गोगोई ने कहा कि असम जातीय परिषद राज्य के लोगों के अधिकारों, असमिया अस्मिता, क्षेत्रीय हितों तथा राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पार्टी राष्ट्रीय हित, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से एकजुट होकर आगे बढ़ेगी। बैठक को आगामी दिनों में पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले जनसंपर्क अभियानों, संगठनात्मक विस्तार कार्यक्रमों और राजनीतिक गतिविधियों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार आने वाले महीनों में ऊपरी असम सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

मरियानी रेलवे इंस्टीट्यूट में चित्रांकन और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

खबर संवाददाता

जोरहाट, 31 मई। तिनसुकिया रेल मंडल के अधीन मरियानी रेलवे इंस्टीट्यूट में आज बच्चों के बीच चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के साथ तालमेल बिठाते हुए रेलवे इंस्टीट्यूट में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में कुल 160 बच्चों ने हिस्सा लिया। इनमें से करीब 80 प्रतिशत बच्चे रेलवे से जुड़े कर्मियों के थे। दो वर्गों में हुई प्रतियोगिता के ए ग्रुप में कक्षा पहली से चौथी के प्रतिभागी शामिल हुए। जबकि ग्रुप बी में कक्षा पांचवीं से सातवीं के बच्चों ने हिस्सा लिया। ग्रुप ए में मेघरंजन गोगोई प्रथम, प्रांशी दिहिंगिया द्विती य, अनुस्मिता बसक तृतीय तथा अक्षिता बोरा चतुर्थ स्थान हासिल किया। वहीं ग्रुप बी में अदरिका राजखोवा पहले, मनन गाम दूसरे, आरोही रॉय तीसरे व भारती कुमारी चौथे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर मरियानी रेलवे इंस्टीट्यूट ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं निर्णायकों का आभार जताया।

बोकाखात में सड़क हादसा, युवक की मौके पर मौत

खबर संवाददाता

बोकाखात 31 मई। बोकाखात के गड़मूर में एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राकेश सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार राकेश सिंह अपनी बाइक (-05--0481) पर सवार होकर लखौजान से बोकाखात के नाहरजान स्थित अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान गड़मूर इलाके में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे एक खंभे से टकरा गई, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। बताया जाता है कि युवक वॉलीबॉल खेलकर घर वापस लौट रहा था। शाम को हुई तेज बारिश के बीच वह राष्ट्रीय राजमार्ग-37 से होकर अपने घर जा रहा था। खराब मौसम और सड़क की स्थिति के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस दुखद घटना से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

डिब्रूगढ़ टाउन रेलवे स्टेशन के पुनर्जीवन कार्य में आई तेजी, जुलाई तक पूरा होने की संभावना

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 31 मई। ऐतिहासिक महत्व रखने वाले डिब्रूगढ़ टाउन रेलवे स्टेशन को पुनर्जीवित करने की दिशा में रेलवे प्रशासन ने कार्यों में उल्लेखनीय तेजी ला दी है। स्टेशन को पुनः मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए दिन-रात युद्धस्तर पर कार्य चल रहा है और नई रेलवे पटरियों का बिछाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे सूत्रों के अनुसार परियोजना को जुलाई माह के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्टेशन परिसर और उससे जुड़े रेल मार्गों पर भारी मशीनरी तथा तकनीकी विशेषज्ञों की टीम लगातार कार्यरत है। नई पटरियों के निर्माण, ट्रैक कनेक्टिविटी और अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास का कार्य तेज गति से किया जा रहा है, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना को पूरा किया जा सके। डिब्रूगढ़ टाउन रेलवे स्टेशन कभी ऊपरी असम का एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र हुआ करता था। लंबे समय से इसकी पूर्ण सक्रियता बहाल करने की मांग स्थानीय लोगों और विभिन्न संगठनों द्वारा उठाई जाती रही है। अब पुनर्जीवन परियोजना के अंतिम चरण में पहुंचने से नागरिकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।रेलवे अधिकारियों का मानना है कि स्टेशन के पुनः परिचालन में आने से न केवल रेल यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि यात्रियों को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे डिब्रूगढ़ और ऊपरी असम के अन्य क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा यात्रियों को यात्रा संबंधी अतिरिक्त विकल्प प्राप्त होंगे। स्थानीय निवासियों ने इस विकास का स्वागत करते हुए कहा है कि डिब्रूगढ़ टाउन रेलवे स्टेशन का पुनर्जीवन लंबे समय से क्षेत्र की एक प्रमुख जन मांग रही है। उनका मानना है कि स्टेशन के पुनः सक्रिय होने से शहर की ऐतिहासिक पहचान को भी नया जीवन मिलेगा।सूत्रों के अनुसार परियोजना पूरी होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस और राजधानी एक्सप्रेस जैसी प्रमुख रेलगाड़ियों के डिब्रूगढ़ टाउन रेलवे स्टेशन से परिचालन की संभावना भी प्रबल हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो यह स्टेशन एक बार फिर पूर्वोत्तर भारत के महत्वपूर्ण रेलवे केंद्रों में अपनी पहचान स्थापित करेगा। रेलवे विशेषज्ञों का कहना है कि डिब्रूगढ़ टाउन रेलवे स्टेशन का पुनरुद्धार केवल एक आधारभूत संरचना परियोजना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास, यात्री सुविधा और आर्थिक गतिविधियों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके पूर्ण होने के बाद डिब्रूगढ़ की रेलवे कनेक्टिविटी में नई ऊर्जा का संचार होगा और शहर की भूमिका पूर्वोत्तर भारत के एक प्रमुख रेल केंद्र के रूप में और अधिक मजबूत होगी।

गोलाघाट लेखिका समारोह के तत्वावधान में प्रज्ञाश्री आरती सैकिया का जन्म शताब्दी समारोह संपन्न

खबर संवाददाता

गोलाघाट, 31 मई। सद्भाव, आस्था, विश्वास और आपसी आदान-प्रदान के माध्यम से स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए हमें अधिक प्रयास करने होंगे। इस दिशा में महिला समाज की भूमिका और योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं को बौद्धिक और सामाजिक रूप से हाथ से हाथ मिलाकर आगे बढ़ाना होगा। उक्त विचार अखिल असम लेखिका समारोह समिति की अध्यक्ष पुष्पा गोगोई ने व्यक्त किए। वे गोलाघाट जिला लेखिका समारोह समिति के तत्वावधान में जिला पुस्तकालय प्रेक्षागृह में आयोजित समाजरत्न एवं प्रज्ञाश्री आरती सैकिया की जन्म शताब्दी वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित खुली सभा का उद्घाटन करते हुए संबोधित कर रही थीं। उन्होंने लेखिका समारोह की जिला एवं शाखा समितियों से समाज के प्रति जिम्मेदार भूमिका निभाने का आह्वान भी किया।गोलाघाट जिला लेखिका समारोह समिति की अध्यक्ष डॉ. दिपाली बोरा की अध्यक्षता तथा संपादिका रूपा सैकिया के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में जन्मशती विशेष स्मारक ग्रंथ का लोकार्पण अखिल असम लेखिका समारोह समिति की पूर्व अध्यक्ष स्वर्ण गोगोई बरुआ ने किया।इस अवसर पर गोलाघाट जिला लेखिका समारोह समिति की पूर्व अध्यक्ष डालिमी सैकिया बोरा को प्रदान किए जाने वाले आजीवन साधना सम्मान' को औपचारिक रूप से अखिल असम लेखिका समारोह समिति की पूर्व अध्यक्ष एवं विशिष्ट साहित्यकार सुवर्णा सैकिया बोरदोलोई ने प्रदान किया। सभा में देरगांव शाखा लेखिका समारोह समिति की कार्यकारी अध्यक्ष कल्पना बोरा दत्त ने निर्धारित वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में अखिल असम लेखिका समारोह समिति की मुख्य संपादिका दिपाली गोगोई बरुआ, गोलाघाट नगरपालिका के अध्यक्ष दुलुमणि बोरबोरा, वरिष्ठ पत्रकार एवं असम साहित्य सभा के केंद्रीय पदाधिकारी दिगंत भूंइया, गोलाघाट जिला महिला समिति की अध्यक्ष जूरी दास राजखोवा, आरती सैकिया के पुत्र नंदन सैकिया तथा शिक्षाविद् तिलेश्वर तामुली सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।समारोह के दौरान समाजरत्न एवं प्रज्ञाश्री आरती सैकिया के जीवन पर आधारित एक आलेख्य का मंचन किया गया। इसे लेखिका एवं कवयित्री हेमा चौधरी गोगोई ने लिखा था तथा बर्णाली बोरा बर्मन ने इसका निर्देशन किया। इस प्रस्तुति को उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर चलाया गया जागरूकता अभियान

सिलचर, 31 मई (ख.सं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सिलचर कैंसर सेंटर ने जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, कछार के सहयोग से सिलचर भर में जागरूकता, प्रशिक्षण, प्रवर्तन और सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसका उद्देश्य तंबाकू मुक्त समाज को बढ़ावा देना और तंबाकू नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन को मजबूत करना था। इस आयोजन की शुरुआत दो जागरूकता रैलियों के साथ हुईएक सिलचर कैंसर सेंटर में (जो सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर के भीतर स्थित है) और दूसरी एसएम देव सिविल अस्पताल परिसर में। इन रैलियों में स्वास्थ्य पेशेवरों, छात्रों, कर्मचारियों और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वे तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों और तंबाकू छोड़ने के महत्व से जुड़े संदेशों वाले बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में स्थानीय हाई स्कूलों में तंबाकू जागरूकता के तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 और तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान पहल के प्रावधानों के तहत, तीन शैक्षणिक संस्थानों में 'पीली रेखा चिह्नांकन की शुरुआत की गयी। इनमें टोफी मॉडल स्कूल और अन्य प्रतिभागी स्कूल शामिल थे, जिनका उद्देश्य शैक्षणिक परिसरों के आसपास तंबाकू मुक्त क्षेत्रों को मजबूत करना था। एसएम देव सिविल अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में और 2003 पर एक संवेदीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 30 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस तंबाकू नियंत्रण नियमों के अनुपालन को मजबूत करना और तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थानों को बढ़ावा देना था।

कोकराझाड़ से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आज कोकराझाड़ स्थित साल्वेशन फाउंडेशन रिहैब सेंटर (नशामुक्ति केंद्र) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। यह आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति, कोकराझार द्वारा असम कैंसर केयर फाउंडेशन (कोकराझाड़), केयर इंडिया फाउंडेशन और टारगेट इंटरवेंशन एनजीओ के सहयोग से संपन्न हुआ। विशेषज्ञों ने दी चेतावनी कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कौशिक दास ने की। इस अवसर पर डॉ. वसीम अख्तर बारी ने अपने संबोधन में तंबाकू के जानलेवा प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार तंबाकू का सेवन शरीर के विभिन्न अंगों में कैंसर का कारण बनता है। डॉ. कौशिक दास ने युवा पीढ़ी को विशेष रूप से आगाह किया और उन्हें तंबाकू और नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापन सुभेंदु ब्रह्मा ने प्रस्तुत किया। कैंप में 61 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच जागरूकता सत्र के बाद वहां मौजूद कैदियों (इनमेट्स) के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तैयारी के साथ पहुंची थी। एनटीईपी कोकराझाड़ द्वारा उपलब्ध कराये गये पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से कैदियों के सीने की जांच की गयी। शिविर में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी की जांच भी की गयी। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 61 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में आरएनबी सिविल अस्पताल की आईसीटीसी टीम, एनटीईपी स्टाफ और रिहैब सेंटर के अन्य सहयोगी भी मौजूद रहे। **तेजपुर से हमारे संवाददाता के अनुसार** विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर गुरु नानक मॉडल हाई स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा निदेशक, तेजपुर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने त्रिवेणी चौराली, तेजपुर में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने तंबाकू के सेवन से होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं तथा इसके सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया। छात्रों के प्रभावशाली अभिनय ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और आम जनता के बीच तंबाकू के प्रति जागरूकता फैलाना था। विद्यालय के शिक्षकों एवं प्रबंधन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी से स्वस्थ एवं तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उपस्थित लोगों ने भी विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना की और तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

नगांव से हमारे संवाददाता के अनुसार नगांव जिले में भी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। तंबाकू और निकोटिन से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 31 मई को यह दिवस मनाया जाता है। गौरतलब है कि वर्ष 1987 से पूरी दुनिया में इस दिवस का आयोजन किया जा रहा है, ताकि समाज को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों और इससे होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसान के प्रति जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस का संदेश रखा गया है आकर्षण के पीछे छिपे सच को उजागर करें: निकोटिन और तंबाकू की लत के खिलाफ प्रतिरोध। देश के अन्य हिस्सों की तरह नगांव में भी जिला प्रशासन की पहल पर विभिन्न सरकारी विभागों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से पूरे दिन कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में आज सुबह 10 बजे नगांव विश्वविद्यालय परिसर से जिला आयुक्त के नेतृत्व में एक जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, अधिकारी और आम नागरिक शामिल हुए। रैली के बाद नगांव विश्वविद्यालय के सभागार में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, औषधि निरीक्षक समेत कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त ने कहा कि नशे और तंबाकू की लत किस तरह पूरे समाज और परिवारों को बर्बादी की ओर ले जा सकती है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे और तंबाकू जैसी आदतों से दूर रहें और स्वस्थ जीवन की ओर आगे बढ़ें। इस अवसर पर जिले में लोगों को तंबाकू के खिलाफ जागरूक रहने और दूसरों को भी इसके नुकसान के बारे में बताने का संदेश दिया गया।

पचास प्रतिशत से कम परिणाम वाले स्कूलों की समीक्षा के लिए जोरहाट में अहम बैठक

खबर संवाददाता

जोरहाट, 31 मई। जोरहाट जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में जिला आयुक्त जय शिवानी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य हाल ही में घोषित हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में पचास प्रतिशत से कम उत्तीर्णता दर वाले विद्यालयों की शैक्षिक स्थिति की समीक्षा करना था। छात्रों के इस कमजोर प्रदर्शन पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए जिला आयुक्त ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इस संबंध में सक्रिय कदम उठाते हुए संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को खराब परिणाम के अंतर्निहित कारणों और वास्तविक समस्याओं को उचित तर्क सहित स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कदम शैक्षिक व्यवस्था के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में परिणामों की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बैठक में मरियानी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपज्योति कुर्मी, सहायक जिला आयुक्त, जोरहाट विद्यालय निरीक्षक बुली गोहाई सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बने समाजसेवी मूलचंद बैद

सिलचर, 31 मई (ख.सं)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिलचर की आम सभा का आयोजन किया गया। णमोकार महामंत्र के उच्चारण से सभा का शुभारंभ हुआ। सभा गीत व श्रावक निष्ठा पत्र के वाचन के पश्चात अध्यक्ष नवरत्न चोपड़ा ने उपस्थित महानुभावों का स्वागत करते हुए अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में अपने कार्यकाल में संपादित विशेष कार्यों का उल्लेख किया एवं परम पूज्य गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता व अपनी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।मंत्री महोदय ने सभा की गतिविधियों का मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष महोदय ने आय-व्यय विवरण व बैलेंस शीट सदन के सम्मुख प्रस्तुत की। चुनाव अधिकारी जेठमल मरोटी ने एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने पर आगामी सत्र 2026-28 के लिए अध्यक्ष पद पर मूलचंद बैद के निर्वाचन की घोषणा की। नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपने मंत्री के रूप में प्रेमचंद छाजेड़ को नियुक्त किया व अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में द्विवर्षीय कार्यकाल में पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव के साथ संघ सेवा करने का संकल्प व्यक्त किया तथा सभी को सहयोग के लिए आहवान किया उसके पश्चात कार्यकारिणी की घोषणा की।